राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, बुधवार 28 अगस्त 2024 • भाद्रपद कृष्ण पक्ष 10, संवत 2081 • पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ • वर्ष : 2, अंक : 140 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

वीर शहीद पोटो हो

की क्रांतिकारी भूमि कोल्हान प्रमंडल
की लाखों माता-बहनों को

खुशियों का उपहार

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना

हर बहना को हर साल ₹ 12 हजार

सम्मान राशि का करेंगे हस्तांतरण

28 अगस्त, 2024 | अपराह्न 12:00 बजे से
फुटबॉल मैदान, रापचा, गम्हरिया, सरायकेला-खरसावाँ

कोल्हान प्रमंडल (सरायकेला-खरसावाँ, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम)
की सभी बहनों का समारोह में स्वागत है

48 लाख से अधिक निबंधन

लगभग 45 लाख बहनों के आवेदन स्वीकृत

31 अगस्त से पहले सभी बहनों के खातों में होगी एक हजार रुपये की सम्मान राशि (पहली किस्त)

सितंबर से हर महीने की 15 तारीख को हर बहन के खाते में पहुँचेगी सम्मान राशि

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

पहले संन्यास की सोची, जनता का हौसला देख नया अध्याय शुरू करने का लिया फैसला : चंपाई

संवाददाता ।रांची

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन 30 अगस्त को भाजपा को भाजपा में शामिल होंगे. उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पहले उन्होंने सोचा था कि राजनीति से सन्यास ले लूं. फिर सोचा कि नया संगठन बनाऊंगा. पर, अब समय कम है. बहुत सोचने के बाद हमने भाजपा में शामिल होने का निर्णय लिया. मेरे साथ मेरा बेटा भी भाजपा में शामिल होगा. मोदी-शाह पर मेरा भरोसा बढ़ा है.

दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए चंपाई सोरेन ने कहा कि 18 अगस्त को जब दिल्ली आये थे तो अपना विचार दे दिया था. पहले मैंने संन्यास लेने की सोची, बाद में जनता व कार्यकर्ता का हौसला व उनकी मांग को देखते हुए तय किया कि सक्रिय राजनीति में ही रहूंगा. पहले सोचा कि नया संगठन बनायेंगे, लेकिन समय की कमी और झारखंड प्रदेश की परिस्थीति को देखते हुए भाजपा में जाने का निर्णय लिया.

सबको जवाब देना उचित नहीं समझतेः आगे की क्या योजना है के सवाल पर चंपाई ने कहा कि बुधवार को झारखंड लौटेंगे, झारखंड में मैंने बहुत संघर्ष किया है. मेरा इतिहास आइने की तरह साफ है, इसलिए कोई कुछ भी कहे, उसका जवाब देना हम उचित नहीं समझते हैं.

चंपाई सोरेन को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिली : रांची। पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन 30 अगस्त को बीजेपी शामिल होंगे. इससे पहले ही केंद्र सरकार ने चंपाई सोरेन की सुरक्षा बढ़ा दी है. उन्हें जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गयी है. दिल्ली से लौटते ही उन्हें जेड प्लस सुरक्षा मिल जायेगी. अब चंपाई सोरेन की सुरक्षा में 33 जवान तैनात रहेंगे. मालूम हो कि केंद्रीय गृह मंत्रालय समय-समय पर नेताओं की सुरक्षा-व्यवस्था की समीक्षा करता है. इसके बाद तय करता है कि किस नेता को किस श्रेणी की सुरक्षा देनी है.

देर रात अमित शाह से मिले थे चंपाई सोरेन : चंपाई सोरेन ने सोमवार रात दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की थी. इस दौरान उनकी आगे की रणनीति को लेकर मंत्रणा हुई. मौके पर असम के मुख्यमंत्री और झारखंड भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा भी मौजूद रहे. मुलाकात के बाद रात करीब 11.30 बजे हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी साझा की. उन्होंने यह भी बताया कि चंपाई सोरेन रांची में 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होंगे.

चंपाई के साथ उनके बेटे को भी मिलेगा टिकट!

कोल्हान से अमित शाह करेंगे चुनावी रैलियों की शुरुआत

रांची ।चंपाई सोरेन के भाजपा में शामिल होने को भाजपा पूरी तरह भुनाने के मूड में है. प्रदेश भाजपा के नेता इसे लेकर उत्साहित हैं. उनके लिए भाजपा कार्यालय में अभिनंदन व स्वागत समारोह का आयोजन किए जाने की बात कही जा रही है. साथ ही चंपाई सोरेन की मौजूदगी में कोल्हान से ही चुनावी कार्यक्रमों की शुरुआत करने की योजना है. पहले कार्यक्रम को गृह मंत्री अमित शाह संबोधित करेंगे. इस बीच सूत्रों ने यह स्पष्ट किया है कि भाजपा व चंपाई सोरेन के बीच जो बात हुई है, उसमें चंपाई के अलावा उनके बेटे को भी भाजपा से टिकट मिलेगा. जानकारी के अनुसार गृह मंत्री अमित शाह चंपाई सोरेन के गांव जा सकते है. हालांकि अभी अमित शाह के दौरा को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. लेकिन सितंबर माह में अमित शाह सरायकेला आ सकते हैं. चंपाई सेरेन और अमित शाह के बीच हुए बातचीत में गृह मंत्री ने चंपाई सोरेन के गांव जिलीगोड़ाआने की बात कही थी.

प्रदेश कार्यालय में होगा भव्य स्वागत समारोह

चंपाई सोरेन 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होंगे . झारखंड प्रदेश कार्यालय में भव्य अभिनंदन सह स्वागत समारोह का आयोजन किया जाना है . इसमें प्रदेश से लेकर केंद्र के भी नेता शामिल हो सकते है . शुक्रवार को ही चंपाई आधिकारिक रूप से भाजपा का दामन थाम लेंगे . फिलहाल बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन झारखंड लौटेंगे . जिसके बाद मंत्री पद और झामुमो से इस्तीफा दे देंगे . इसके बाद अपने क्षेत्र सरायकेला जाएंगे . फिर वापस रांची लौटेंगे .

बीजेपी ने कहीं का नहीं छोड़ा, सड़क पर लाकर खड़ा कर दिया : सूरज मंडल

संवाददाता ।रांची

पूर्व सीएम चंपई सोरेन के बीजेपी में शामिल होने की तारीख फाइनल होते ही पार्टी के अंदर बागवत शुरू हो गई है. पूर्व सांसद और बीजेपी नेता सूरज मंडल ने चंपई सोरेन को पार्टी में शामिल किये जाने को लेकर चंपाई और बीजेपी दोनों पर हमला किया है. कहा है कि बीजेपी ने मुझे क्या दिया. उसने तो मुझे रोड पर लाकर खड़ा कर दिया है. 10 साल में मोदी जी के नाम पर बीजेपी वालों ने झारखंड को बर्बाद कर दिया. केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के सीएम हीमंता बिस्वा सरमा पर हमला करते हुए मंडल ने कहा कि दोनों झारखंड में आकर ऊलजुलूल बोलते रहते हैं. उन्हें झारखंड के माटी के बारे में आखिर पता क्या है. चंपाई सोरेन पर बरसते हुए मंडल ने उनकी तुलना कौआ से कर दी. कहा कि सांसद रहते उन्होंने चंपाई को घंटी छाप पर विधानसभा चुनाव जिताया था. सूरज मंडल रांची प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे.

मंडल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर ओबीसी आरक्षण के मुद्दे को लेकर हमला किया. कहा कि एकीकृत बिहार में जो आरक्षण की सीमा थी उसे आज गड़बड़ा दिया गया है. आदिवासी आरक्षण और ओबीसी के बीच खाई की बात करते हुए उन्होंने ओबीसी नौजवानों से लड़ाई के लिए तैयार होने का आह्वान किया. मंडल ने कहा कि आज पहाड़िया, काल, महली, खड़िया, बिरहोर, असुर, घटवाल, खेतोड़ी ये आठ ट्राइबल जातियों का हक कहां है इस राज्य में. आरक्षण के सवाल पर शेख हसीना को हटना पड़ा. ज्यादा दिन किसी की हकमारी सही नहीं है. कहा कि जिसने ओबीसी आरक्षण की सीमा 27 से 14 किया और जो फिर 27 करने की बात कर रहे हैं, उन दोनों की सरकार झारखंड में नहीं बननी चाहिए.

झामुमो ने चंपाई सोरेन के कदम को बताया आत्मघाती

संवाददाता।रांची

- कहा– अब तक झामुमो और सरकार से नहीं दिया है इस्तीफा
- सीएम ने बात करनी चाही थी, पर बात नहीं हो सकी
- चंपाई सोरेन को झामुमो ने हमेशा सम्मान दिया
- किसी से नाराजगी थी तो पार्टी में बात रखनी चाहिए थी

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के भाजपा में शामिल होने की घोषणा के बाद मंगलवार को झामुमो ने प्रतिक्रिया दी है. पार्टी के महासचिव विनोद पांडेय ने चंपाई सोरेन के इस कदम को आत्मघाती बताया है. कहा है कि अब तक चंपाई सोरेन ने झामुमो से इस्तीफा नहीं दिया है. हम चाहते हैं कि भाजपा में शामिल होने से पहले चंपाई सोरेन अपने फैसले पर पुनर्विचार करें. उनके भाजपा में शामिल होने के फैसले से झामुमो कार्यकर्ताओं में नराजगी है.

विनोद पांडेय ने बताया कि जमशेदपुर में एक निजी कार्यक्रम के दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने भी चंपाई सोरेन से बात करनी चाही थी. लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी. पांडेय ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि संगठन व्यक्ति विशेष से नहीं चलता. अगर चंपाई सोरेन को किसी भी बात को लेकर नराजगी थी, तो उन्हें बात करनी चाहिए थी. पार्टी में चर्चा करनी चाहिए थी.

चंपाई सोरेन को झामुमो ने इतना सम्मान दिया, उन्हें कम से कम इसका सम्मान रखना चाहिए था. पार्टी के सभी बड़े कार्यकर्ताओं ने प्रयास किया कि वह पार्टी न छोड़े. बताते चलें कि चंपाई सोरेन ने सोमवार की देर रात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी. इसके बाद असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने अपने एक्स हैंडल से जानकारी दी कि चंपाई सोरेन 30 अगस्त को रांची में बीजेपी की सदस्यता ग्रहण करेंगे. वहीं चंपाई सोरेन ने भी मंगलवार को नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत में खुलासा कर दिया कि वे बीजेपी में शामिल होंगे.

ब्रीफ खबरें

आठ को रांची आएंगे डी राजा, भरेंगे जोश

रांची। सीपीआई के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा के रांची आगमान को लेकर पार्टी के प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को बैठक हुई. पार्टी कार्यालाय में राज्य सचिव महेंद्र पाठक ने बताया कि डी राजा आठ सितबंर को कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होने आएंगे. राष्ट्रीय महासचिव के रांची आगमन को ऐतिहासिक बनाने के लिए अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी. शहर को झंडे और बैनर से पाटा जाएगा. साथ ही एयरपोर्ट पर ढोल-नगाड़े के साथ राष्ट्रीय महासचिव का स्वागत किया जाएगा. कार्यक्रम की तैयारी के लिए अलग-अलग समिति का गठन कर जिम्मेवारी सौंप दी गयी है.

चान्हो में अवैध शराब लदा पिकअप जब्त

रांची। चान्हो थाना क्षेत्र में 200 पेटी अवैध शराब लदे पिकअप वैन को पकड़ा गया गया. पुलिस ने जानकारी दी कि सोमवार की शाम इलाके के एनएच 75 मुख्य मार्ग पर पादुक पुल के पास एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था. इस क्रम में एक बोलेरो पिकअप को रोका गया, जिसके बाद चालक और उस पर सवार एक अन्य व्यक्ति गाड़ी से उतर कर भागने लगा. पुलिस बल ने दोनों को पकड़ने का प्रयास किया, पर अंधेरे का फायदा उठा कर दोनों भागने में सफल रहे. वहीं, पिकअप की जांच में उसके अंदर से 205 पेटी अवैध शराब बरामद किया गया.

रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता पर हमला

रांची। सिविल कोर्ट के अधिवक्ता गौरेश चंद्र झा पर जानलेवा हमला हुआ है. गंभीर रूप से घायल अधिवक्ता को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है. फिलहाल उनकी हालत स्थिर है. जानकारी के मुताबिक, अरगोड़ा थाना क्षेत्र के हाउसिंग कॉलोनी निवासी गौरेश चंद्र झा का उनके मुहल्ले के कुछ लोगों से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था. इसके बाद उनलोगों ने ही गौरेश पर हमला कर दिया. जिस वक्त अधिवक्ता पर हमला हुआ, वह घर में ही थे. घटना की सूचना अरगोड़ा थाना को दे दी गयी है. उधर, इस घटना के बाद रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ताओं में भारी आक्रोश है.

आरयू के स्कूल ऑफ योग में रजिस्ट्रेशन शुरू

रांची। रांची विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ योग में मास्टर इन योगिक साइंस (दो वर्षीय) कोर्स में रजिस्ट्रेशन पुनः प्रारंभ किया गया है. विभाग की निदेशक डॉ मधुलिका वर्मा ने जानकारी दी कि इच्छुक विद्यार्थी 29 अगस्त से विभाग की वेबसाइट www.schoolofyogaru.in में जा कर के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं. सीट भर जाने की स्थिति में रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया त्वरित बंद कर दी जाएगी.

सिर्फ वोट की राजनीति करना स्वीकार्य नहीं

रांची। पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा ने कहा है कि आदिवासियों के बीच में सिर्फ वोट की राजनीति करना स्वीकार्य नहीं है. सत्ता लोलुपता के लिए एक आदिवासी को मुख्यमंत्री की कुर्सी से हटाया गया है. नीति और सिद्धांत के साथ पूरे देश में आदिवासियों को संगठित करने की दृष्टि से एक बड़े कदम के तहत चंपाई सोरेन का भाजपा में आना एक शुभ संकेत है.

बाबूलाल ने चंपाई का बीजेपी में किया स्वागत

रांची। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने चंपाई सोरेन का भाजपा में स्वागत किया है. उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी के लोक कल्याणकारी कार्यों और भाजपा की नीतियों में निष्ठा व्यक्त करने वाले झारखंड आंदोलनकारी सह पूर्व सीएम चंपाई सोरेन का भाजपा परिवार में हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है. झामुमो में परिवारवाद, तानाशाही, बाहरी लोगों का पूर्णतः नियंत्रण होने के कारण झामुमो को खड़ा करने वाले आंदोलनकारी नेताओं का मोहभंग हो चुका है.

सरकार के वायदे व हकीकत बताने को आजसू जन जगारण रथ रवाना

संवाददाता ।रांची

आजसू जन जगारण रथ रवाना .

आजसू पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष सह गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने जन जागरण रथ को हरमू स्थित पार्टी केंद्रीय कार्यालय से रवाना किया. उनके साथ पार्टी के प्रवक्ता देवशरण भगत भी थे. जन जागरण रथ के काफिले में 11 वाहनों को शामिल किया गया है. सभी वाहनों में दो-दो एलईडी स्क्रिन लगा है. वाहन अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में जाएंगे. वाहनों में लगे एलईडी स्क्रिन के जरिये हेमंत सरकार के वायदों और उसकी हकीकत के बारे में लोगों को बताया जायेगा. वाहनों को रवाना करते हुए सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार ने झारखंड के पांच बहुमूल्य साल बर्बाद किया है. विकास की राह पर अग्रसर झारखंड को पीछे धकेल दिया है. झूठे वादे कर सत्ता में बैठे लोगों से हम पूछना चाहते हैं कि उनके द्वारा किए गए कितने वादे पूरे हुए. आज मूल्यांकन का वक्त है. जन जागरण पद यात्रा के माध्यम से हम राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में सरकार की नाकामियों के बारे में लोगों को बताएंगे. चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि सरकार ने युवाओं से नौकरी और नौकरी न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था. युवा अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं और सरकार द्वारा उनके हित मे किए गए वादों का हिसाब मांग रहे हैं. हर साल 72 हजार रुपए देने, तीन उप राजधानी बनाने, झारखंड आंदोलनकारियों के आश्रितों को खोज-खोज कर नौकरी देने जैसे तमाम वादे पूरे नहीं हुए हैं.

जम्मू-कश्मीर के डोरू सीट से मीर ने भरा पर्चा

रांची। झारखंड कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर जम्मू-कश्मीर के डोरू विधानसभा सीट से किस्मत आ ज म ाए ंग े. उन्होंने इस क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए मंगलवार को परचा दाखिल किया. मीर ने 'एक्स' पर पोस्ट कर यह जानकारी दी. उन्होंने कहा है कि मैंने डोरू विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है. मैं सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के अपार समर्थन के लिए उनका ऋणी हूं. बता दें कि जम्मू कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस मिल कर चुनाव लड़ेंगे. मीर जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के शाहबाद-बाला तहसील के रहने वाले हैं. 2019 में उन्होंने डोरू संसदीय सीट से चुनाव लड़ा था.

झारखंड की 38 पंचायत टीबी मुक्त घोषित

रांची। राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) और रिच संस्था के संयुक्त तत्वावधान में रांची स्थित होटल रेनड्यू में राज्य स्तरीय मीडिया सम्मेलन का आयोजन हुआ. एनटीईपी ने वर्ष 2025 तक झारखंड में टीबी उन्मूलन की योजना बनाई है. हाल ही में झारखंड के 12 जिलों में वयस्क बीसीजी टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है. वहीं झारखंड की 38 पंचायतों को टीबीमुक्त घोषित किया गया है. इनमें साहेबगंज, हजारीबाग व पाकुड़ में एक-एक, रांची, गुमला व रामगढ़ में दो, गोड्डा में तीन और गढ़वा जिले सबसे ज्यादा 26 पंचायतों को टीबीमुक्त घोषित किया गया हैं.

संताल के छह जिलों के डीसी ने हाईकोर्ट को गुमराह किया : बाबूलाल मरांडी

प्रमुख संवाददाता।रांची

- बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण आदिवासी समाज की आबादी घटी
- आदिवासी समाज से सच्चाई छुपा कर अंधेरे में रख रही सरकार

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने संताल क्षेत्र में बांग्लादेशी घुसपैठ मामले को लेकर एक बार फिर राज्य सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि संताल परगना के छह जिलों के डीसी ने हाईकोर्ट को गुमराह करने का काम किया है. आगे लिखा कि झारखंड में आदिवासियों की घटती आबादी एक कड़वी सच्चाई है.

हालिया कुछ सालों के दौरान अप्रत्याशित बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण आदिवासी समाज की आबादी में निरंतर गिरावट आयी है, जिस पर चिंता व्यक्त करते हुए हाईकोर्ट ने संथाल परगना के उपायुक्तों से जवाब मांगा था. लेकिन हेमंत सोरेन के इशारे पर संताल परगना के छह जिलों के डीसी ने आदिवासियों की घटती आबादी की हकीकत को छुपा कर हाईकोर्ट को गुमराह किया है. मरांडी ने पूछा है कि आखिर हेमंत सोरेन इस सच्चाई को आदिवासी समाज से छुपा कर उन्हें अंधेरे में क्यों रखना चाहते हैं? क्या हेमंत सोरेन का शासन-प्रशासन भी आदिवासियों को मिटा देना चाहता है?

कोर्ट की खबरें

नशे के कारोबार के खिलाफ सरकार ने बनायी एसओपी, हाईकोर्ट को दी जानकारी

विधि संवाददाता ।रांची

सरकार ने नशे के कारोबार के खिलाफ करने के लिए एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) तैयार कर ली है. इसी एसओपी के तहत राज्य भर में नशे के खिलाफ कार्रवाई की जेयेगी. झारखंड सरकार ने मंगलवार को इस बारे में हाई कोर्ट को जानकारी दी. जिसके बाद कोर्ट ने मामले में अगली सुनवाई की तारीख 29 अगस्त निर्धारित की है. हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है. अदालत ने अधिवक्ता कुमार वैभव को इस केस के लिए न्याय मित्र नियुक्त किया है. जानकारी के मतुबाकि रांची से सटे खूंटी जिला में बड़े पैमाने पर अफीम की अवैध खेती और नशे के बढ़ते कारोबार के खिलाफ हाई कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था. इससे संबंधित जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सरकार से नशे के खिलाफ कार्रवाई को लेकर जानकारी मांगी थी. इससे पहले हुई सुनवाइयों में अदालत ने केंद्रीय एजेंसी और राज्य की इंटेलिजेंस एजेंसी को संयुक्त अभियान चलाकर झारखंड में ड्रग्स की खरीद बिक्री पर रोक लगाने के लिए कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया था.

जानकारी के मुताबिक सरकार ने जो एसओपी तैयार की है, उसमें नशे के कारोबार की जड़ों को खत्म करने की तैयारी की जा रही है. अब तक होता यह था कि ड्रग्स बेचने वालों तक तो पुलिस पहुंच जाती थी. गिरफ्तार करके जेल भेज देती थी. लेकिन सप्लायर बच निकलते थे. इस बार सप्लायरों पर भी नकेल कसने की योजना तैयार की गई है. जिलों के एसपी को इससे संबंधित निर्देश जारी कर दिया गया है.

सिर्फ नेता-मंत्री को मिलता स्पेशल ट्रीटमेंटः हाई कोर्ट

रांची ।झारखंड हाईकोर्ट ने मंगलवार को स्वतः संज्ञान लिये एक मामले की सुनवाई करते हुए मौखिक रूप से कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से फेल है. सिर्फ नेता और मंत्री को स्पेशल ट्रीटमेंट मिलता है. दरअसल, 23 अगस्त को भाजपा की युवा आक्रोश रैली के दौरान हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी काफी देर तक कांके रोड में जाम में फंसे रहे थे. अदालत ने आज उन्होंने डीजीपी, रांची डीसी, एसएसपी और ट्रैफिक एसपी को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया. सुनवाई के दौरान डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि भविष्य में इस तरह की घटना नहीं होगी. अदालत ने जाम की समस्या पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि नेता या मंत्री सड़क पर निकलते हैं तो उन्हें स्पेशल ट्रीटमेंट दिया जाता है. लेकिन आम लोगों को जाम में फंसे रहने के किए छोड़ दिया जाता है. हूटर बजाकर लोगों के साथ जानवर जैसा व्यवहार किया जाता है. अदालत ने इस मामले को चीफ जस्टिस की बेंच में सुनवाई के लिए ट्रांसफर कर दिया है.

हाईकोर्ट में पेश हुए भवन निर्माण निगम के एमडी

रांची। रांची के कांके स्थित नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी को बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान झारखंड राज्य भवन निर्माण कारपोरेशन लिमिटेड के एमडी अदालत के समक्ष सशरीर उपस्थित रहे.मंगलवार की सुनवाई में अदालत ने उन्हें अगली सुनवाई में उपस्थिति से छूट दे दी है. झारखंड हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ ने सरकार से यह जानकारी मांगी कि लॉ यूनिवर्सिटी के लिए जो पुलिस आउटपोस्ट बना था, वह कब तक बनेगा. इसके साथ ही कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए गुरुवार की तिथि निर्धारित की है. राज्य सरकार के लिए इस केस में अपर महाधिवक्ता आशुतोष आनंद और अधिवक्ता शाहबाज़ अख्तर ने बहस की. बता दें कि बार एसोसिएशन झारखंड हाईकोर्ट की ओर से जनहित याचिका दाखिल कर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी को बुनियादी सुविधा उपलब्ध करने का आग्रह किया गया है.

पांकी विधानसभा | विनोद के पोस्टर से राजनीतिक बाजार गर्म

पांकी का विकास व पलायन रोकना मेरा मकसद : विनोद

समीर चक्रवर्ती ।रांची

लोगों का अभिवादन स्वीकार करते विनोद सिन्हा.

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के मित्र विनोद सिन्हा के पांकी विधानसभा से चुनाव लड़ने के पोस्टर इन दिनों पांकी, लेस्लीगंज, तरहसी व मनातू में देखे जाने के बाद क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गयी है. वहीं उनके चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद पांकी विधानसभा क्षेत्र में चर्चो का दौर भी शुरू हो गया. हालांकि विनोद सिन्हा किस दल से चुनाव मैदान में उतरेंगे इसका खुलासा अभी तक नहीं किया है. लेकिन क्षेत्र में लगे पोस्टरों ने जरूर विधायक से लेकर पूर्व विधायक की धड़कनों को तेज कर दिया है. इस संबंध में हमने विनोद सिन्हा से बात की. उनसे पूछा कि क्या वह पाकी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़गें. उन्होंने चुनाव लड़ने की पुष्टी की. किस पार्टी से चुनाव लड़ेंगे, के सवाल पर विनोद सिन्हा ने कहा कि जल्द ही क्षेत्र के लोगों को इस बारे में पता चल जायेगा. उन्होंने कहा कि जल्द ही वह क्षेत्र के लोगों के साथ कई दौर की बैठक करेंगे. जनता जिस पार्टी से कहेगी उसी दल से मैदान में उतरगे. क्योंकि मेरा मकसद पांकी विधानसभा में विकास के नए आयाम खड़े करना है. जनता की समस्याओं का समाधान करने का मेरा यह प्रयास सबसे उपर रहेगा.

एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि पांकी जेसे क्षेत्र में बेरोजगारी दूर करने का कोई काम अभी तक किसी भी जन प्रतिनिधि ने नहीं किया. यहां शिक्षा, स्वास्थ्य और सिंचाई जैसी मूलभूत चीजों पर काम नहीं हुआ है. रोजगार के लिए युवाओं को आज अपने गांव और शहर से दूर जाना पड़ रहा है, क्योंकि यहां रोजगार के अवसर नहीं है. पलायन को रोकने के लिए हमें अपने क्षेत्र में उद्योग लगाने होंगे, ताकि हमारे युवा यहीं रहकर अपने परिवारों के साथ एक सफल भविष्य बना सके. पांकी में शिक्षा और स्वास्थ्य का भी बुरा हाल है. आज यहां उच्च स्तरीय कॉलेज और अस्पतालों की कमी है. अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के बिना समाज का विकास संभव नहीं है. उनसे जब पूछा गया कि 2013 में भी आप पांकी विधानसभा में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे, अचानक पीछे क्यों हट गये. इस पर उन्होंने कहा मेरे और पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा पर कई झुठे मुकदमें दर्ज हुए थे. उनमें से एक पलामू में विद्युतीकरण से जुडा था, मामले की सीबीआई जांच रही थी, इस कारण चुनाव से दूर रहा. जांच में सारे आरोप झुठे निकले. सभी मामले अब फाइनल स्टेज पर है. जल्द की सब खत्म हो जायेगा. मैं पांकी की जनता की सेवा निश्चित रुप से करूंगा. अब समय आ गया है.

क्लासिफाइड

शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, बुधवार 28 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 10, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 140 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पेज 09

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,800
चांदी (किलो)	86,000

ब्रीफ खबरें

दिल्ली पहुंचे बाबूलाल मोदी से की मुलाकात

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. इस दौरान झारखंड के वर्तमान राजनीतिक हालात पर चर्चा हुई. जानकारी के अनुसार चंपाई सोरेन प्रकरण के बाद सियासी हलचल को देखते हुए बाबूलाल मरांडी को दिल्ली तलब किया गया था. फिलहाल झारखंड बीजेपी के कई टॉप लीडर दिल्ली में ही मौजूद हैं. मरांडी बुधवार को रांची लौटेंगे और गुरुवार को रांची में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा में शामिल होंगे.

जय शाह बनाए गए आईसीसी के चेयरमैन

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह मंगलवार को आईसीसी के चेयरमैन बन गए हैं. वे आईसीसी के चेयरमैन बनने वाले सबसे युवा भारतीय हैं. जय शाह ने 36 साल की उम्र में यह जिम्मेदारी संभाली है. जय शाह से पहले भारत के और भी दिग्गज इस पद पर रह चुके हैं. वे अब 1 दिसंबर को पद संभाल लेंगे. जय शाह को इसके लिए बीसीसीआई सचिव का पद छोड़ना होगा.

मायावती फिर बनीं बसपा की अध्यक्ष

लखनऊ। यूपी की पूर्व सीएम मायावती को बसपा का एक बार फिर सर्वसम्मति से मंगलवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया. बसपा ने एक बयान जारी कर कहा कि मायावती को मंगलवार को यहां बसपा की कार्यकारिणी की बैठक में एक बार फिर सर्वसम्मति से पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया. मायावती ने संकल्प दोहराया कि देश में बहुजनों के गौरव के लिए बसपा आंदोलन के हित में हम कभी रुकेंगे नहीं, समझौता नहीं करेंगे, टूटने की बात तो दूर ही है.

बिट्टू, कुशवाहा और मनन निर्विरोध जीते

नयी दिल्ली। नौ राज्यों की 12 सीटों पर होने वाले उपचुनाव से पहले ही भाजपा के तीन उम्मीदवार निर्विरोध चुन लिए गए हैं. इनमें राजस्थान से रवनीत सिंह बिट्टू, बिहार से उपेंद्र कुशवाहा और मनन मिश्रा शामिल हैं. तीनों को जीत का सर्टिफिकेट जारी कर दिया गया. बिहार में जीतने के बाद दोनों उम्मीदवारों ने सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात की. दरअसल, असम, बिहार और महाराष्ट्र की दो-दो सीट, हरियाणा, एमपी, राजस्थान, त्रिपुरा, तेलंगाना और ओडिशा की एक-एक सीट पर उपचुनाव होना है.

देश में 5 दिन तक ठप रहेगी पासपोर्ट सेवा

नयी दिल्ली। नए पासपोर्ट बनवाने जा रहे लोगों के लिए जरूरी खबर है. अब पासपोर्ट बनवाने के लिए पांच दिन अपॉइंटमेंट नहीं मिलेगा. 29 की रात 8 बजे से 2 सितंबर की सुबह तक पूरे देश में पासपोर्ट विभाग का पोर्टल बंद रहेगा. पहले से किए गए आवेदनों के बाद अगर आपको 30 अगस्त से 2 सितंबर के बीच अपॉइंटमेंट मिला है, तो इसे किसी अन्य तारीख के लिए रीशेड्यूल करना पड़ेगा. ऐसे में न केवल दिल्ली के बल्कि देशभर के आवेदकों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है.

सीएम हेमंत सोरेन ने दुमका में 7 लाख 32 हज़ार बहनों तो सौंपी सम्मान राशि, कहा

जो आईटी के दायरे में नहीं उनका बकाया बिजली बिल होगा माफ

प्रमुख संवाददाता। रांची/दुमका

सीएम ने विपक्ष पर साधा निशाना, कहा

- फौज, बैंक और रेलवे सहित कई संस्थाओं में बंद कर दिया नौकरी
- विपक्ष फिर से लग गया है सरकार तोड़ो अभियान में

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार 200 यूनिट बिजली फ्री दे रही है. लेकिन पुराना बकाया बाकी है. इस लिए पहले चरण में जितने भी गरीब-गुरबा का बकाया है और जो इनकम टैक्स के दायरे में नहीं आते, उनका बिल का बकाया माफ करेंगे. मध्यवर्गीय लोगों का भी आकलन होगा. सीएम मंगलवार को दुमका में आयोजित मंईयां सम्मान योजना कार्यक्रम में बोल रहे थे.

उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान योजना से 50 लाख महिलाएं जुड़ गई हैं, जिनको सरकार एक-एक हजार रुपए महीना और साल का 12 हजार देगी. हमने संकल्प लिया है कि इस चुनाव के बाद हर घर में एक-एक लाख पहुंचाएंगे. सीएम ने दुमका, देवघर, साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़ एवं जामताड़ा की 7 लाख 32 हज़ार 906 बहनों के बैंक खाते में डीबीटी से सम्मान राशि ट्रांसफर की.

नौकरी को ले केंद्र पर निशाना : सीएम ने विपक्ष और केंद्र सरकार पर भी जमकर निशाना साधा. कहा कि वे बोलते हैं, नौकरी नहीं मिली. इस देश में सबसे अधिक नौकरी फौज में होती थी. अब वहां नौकरी बंद है. अग्निवीर आ गया, जो 4 साल नौकरी कराएगा और फिर दूध में से मक्खी की तरह निकाल कर फेंक देगा. रेलवे में सबसे अधिक नौकरी थी, इसमें भी बंद हो गई. बैंक में नौकरी बंद हो गई. जहां 100 बैंक होते थे, वहां 20 हो गए हैं. सब बैंक को मिला दिया गया. कई ऐसी संस्थाएं हैं, जिनमें नौकरी बंद हो गई है. ठीकरा हमारे ऊपर आ गया है.

प्राथमिकता से आदिवासी और मूलवासी को देना चाहते हैं नौकरी : सीएम ने कहा, 20 साल में नौकरी देने का कोई कानून नहीं बना. 4 साल में हमलोग कानून भी बनाए. 20- 25 हजार नौकरी भी दी. 35-40 हजार नियुक्ति प्रक्रिया में है. आए दिन हम कानून बनाते हैं, तो इनके कार्यकर्ता जाकर कोर्ट में कानून को चुनौती देते हैं. हम यहां मूलवासी आदिवासी को प्राथमिकता में नौकरी देना चाहते हैं. लेकिन ये लोग नहीं चाहते हैं. हमारे कानून को असंवैधानिक बताते हैं. वही कानून भाजपा के राज्य में बनता है, तो संवैधानिक हो जाता है. इन सब चुनौतियों के बीच राज्य अलग होने के बाद पहली बार नौकरी दी गई है.

सरकार का काम देख कर फट पड़ी हैं आंखें : सीएम ने कहा कि यहां के नेताओं की लुटिया डूब चुकी है. अब इन नेताओं की लुटिया उठाने असम से, छत्तीसगढ़ से, मध्यप्रदेश से, उत्तराखंड से यूपी से लोग यहां आते हैं. यहां सरकार के कामों के देख कर इनकी आंख फटी की फटी पड़ी है. ऐसे ही कैंप लगा कर हमने पूरे राज्य में ऑफर लेटर बांटा है. हमलोगों ने कानून भी बनाया है कि इस राज्य में जो भी कंपनी होगी, उसमें यहां के 75 प्रतिशत स्थानीयों को नौकरी मिलेगी. लेकिन इनको दिखता नहीं है. ये लोग फिर से लग गये हैं सरकार तोड़ो अभियान में. लोकसभा चुनाव में भी जहर घोलने का काम किया. इसलिए भगवान राम ने इनलोगों को आईना दिखा दिया. अब इनको केंद्र में सरकार बनाने के लिए बैसाखी की जरूरत पड़ती है.

दुमका में मईंया सम्मान कार्यक्रम के दौरान मंगलवार को बहनों ने हेमंत सोरेन सौंपी हस्त निर्मित राखी.

- **7 लाख 32 हज़ार बहन- बेटियों के बैंक खाते सम्मान राशि ट्रांसफर की**
- **विधानसभा चुनाव के बाद हर घर में पहुंचाएंगे एक-एक लाख रुपए**

विज्ञापन छपवा कर करते झूठा प्रचार

विपक्ष के लोग विज्ञापन छपवा कर झूठा प्रचार करते हैं कि चार साल में मिला क्या. मैं जानना चाहता हूं कि चार साल में बुजुर्गों को पेंशन मिला कि नहीं. ये लोग 20 साल में मात्र 15 लाख बूढ़ा-बुजुर्ग को पेंशन दे रहा था. हमारी सरकार बनी तब चार साल में 40 लाख बूढ़ा-बुजुर्ग को पेंशन दे रहे हैं. पहले 2 से 4 घर में पेंशन मिलती थी. आज तो टॉर्च जलाकर देखने से भी कोई बूढा-बुजुर्ग बिना पेंशन के नहीं मिलेगा. सबको पेंशन मिलती है. सीएम ने कहा कि विपक्षी लोग मुफ्त में गैस सिलेंडर बांटा और अब 1200-1500 का सिलेंडर बांट रहे हैं. पहले ये लोग चरस, गांजा अफीम की तरह लोगों को लत लगवाते हैं फिर बाद में उन्हीं लोगों का जेब काटने का काम करते है.

गरीबों के आवास के लिए पैसा नहीं दिया

सीएम ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य के गरीब-गुरबा,आदिवासी, दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक को स्वावलंबी बनाने का पैसा इनके पास नहीं है. हमारे राज्य के गरीबों को आवास देने का पैसा इनके पास नहीं है, राज्य के कर्मचारियों को पेंशन देने का पैसा नहीं है, बूढ़ा बुजुर्ग को पेंशन देने का पैसा नहीं है. लेकिन बड़े-बड़े व्यापारियों का लाखों-लाखों अरबों-अरबों रुपए माफ करने का पैसा इनके पास है. भूखा गरीब मरे तो मरे कोई चिंता नहीं है लेकिन व्यापारी लोग नहीं मरना चाहिए. पहले सबको आवास मिलता था उसमें आधा पैसा केंद्र सरकार देती थी. चार पांच लाख बकाया आवास था. लेकिन पैसा नहीं दिया. हमलोग का पैसा बगल के राज्य को दे दिया लेकिन हमलोग को नहीं दिया. हमने उस दिन संकल्प लिया कि 4 लाख को छोड़ो 20 लाख लोगों को राज्य सरकार आवास बनाकर देगी. आने वाले 5 से 6 साल में इस राज्य में ऐसा कोई गरीब नहीं बचेगा, जिसके पास घर नहीं होगा. हर साल लाखों आवास स्वीकृत किए जाएंगे.

मंईयां सम्मान योजना के कार्यक्रम में दुमका में मंगलवार को उमड़ी महिलाओं की भारी भीड़.

आयकर आयुक्त रिश्वत खोरी प्रकरण

₹ 10 लाख रिश्वत मामले में अब तक पांच गिरफ्तार

रिजवान शम्स। धनबाद

तीन आरोपियों को पटना ले गई सीबीआई

- आयकर आयुक्त के लिए लाइजनिंग करने वाले गिरोह का भंडाफोड़
- लाइजनरों में कोल कारोबारी, ट्रांसपोर्टर और डॉक्टर तक शामिल

डॉ. प्रणय को मेडिकल जांच के लिए ले जाती सीबीआई

सीबीआई दिल्ली और पटना की टीम मंगलवार को धनबाद से तीन लोगों को हिरासत में लेकर टीम पटना को निकल गई. मंगलवार को तीन आरोपियों की मेडिकल जांच कराई गई. मेडिकल जांच के बाद तीनों को जांच एजेंसी अपने साथ ले गई. आरोपियों में हाउसिंग कॉलोनी के डॉ. प्रणव पूर्वे, बैंक मोड़ स्थित ट्रांसपोर्टर सह कोल कारोबारी गुरुपाल सिंह और बिपिन प्रिंटिंग प्रेस के संचालक अशोक चौरसिया शामिल हैं. सोमवार को इनके कई ठिकानों पर सीबीआई की टीम ने छापेमारी की थी. सोमवार की रात को तीनों को हिरासत में लेकर एजेंसी ने बिपिन प्रिंटिंग प्रेस में रात भर पूछताछ की. पूछताछ के बाद से टीम ने इनके ठिकानों से कई दस्तावेज, मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त किए गए हैं.

बताते चलें कि सीबीआई की टीम ने पटना में आयकर आयुक्त संतोष कुमार को 10 लाख रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोचा था. ये रिश्वत पटना निवासी चीकू नामक व्यक्ति ने दिए थे. सीबीआई ने चीकू को भी गिरफ्तार किया था. चीकू और डॉ. प्रणय के बीच रिश्तेदारी होने की बात कही जा रही है. सीबीआई सूत्रों की मानें तो चीकू को प्रणय ने ही रिश्वत की रकम पहुंचाने की जिम्मेवारी सौंपी थी. इस बात की जानकारी पाकर सीबीआई की टीम ने धनबाद में दबिश दी थी. धनबाद में डॉ. प्रणय पूर्वे के पास टीम आई और फिर उससे हिरासत में लेकर पूछताछ की. इसके बाद टीम ने ट्रांसपोर्टर गुरुपाल सिंह के घर पर दबिश दी.

सीबीआई को जानकारी मिली कि यह रकम डॉ. प्रणय ने गुरुपाल सिंह के कहने पर चीकू को देने को कहा था. फिर टीम ने गुरुपाल से पूछताछ की. इसके बाद फिर टीम बिपिन प्रिंटिंग प्रेस के मालिक अशोक चौरसिया पर भी शिकंजा कसा. फिर तीनों को एक साथ बिपिन प्रिंटिंग प्रेस में रख कर पूछताछ हुई. पूछताछ में टीम ने इनके आवासों और कार्यालयों को भी खंगालने का काम किया. इनके ठिकानों से कई दस्तावेजों और मोबाइल समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों को जब्त किया है. इस मामले में अबतक कुल पांच लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है. संतोष कुमार पटना आयकर आयुक्त के साथ धनबाद आयकर आयुक्त के प्रभार में चल रहे थे. रिश्वतखोरी का यह मामला बड़ी आयकर चोरी से जोड़ कर देखा जा रहा है. सूत्रों की मानें तो यह बात सामने निकल कर आ रही है कि धनबाद में एक गिरोह आयुक्त के लिए काम करता था, जो कारोबारियों को बचाने के लिए आयकर विभाग के अधिकारियों से सेटिंग कराता था और उन्हें रकम पहुंचाता था. ऐसे कारोबारियों में कई बड़े कोल कारोबारियों के साथ-साथ आउट सोर्सिंग संचालक तक शामिल हैं.

झारखंड में मतदाताओं को जोड़ने के लिए स्पेशल कैंपेन चलाया

आठ माह में 1.54% मतदाता बढ़े

शुभम किशोर। रांची

- धनबाद के झरिया और रांची के हटिया में छह–छह बूथ नजदीकी मतदान केंद्रों में समाहित किये गये

मतदाता सूची की जानकारी देते सीईसी के रवि कुमार व नेहा अरोड़ा.

मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 का आंकड़ा मंगलवार को जारी कर दिया गया. निर्वाचन सदन, रांची में जानकारी देते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के आधार पर अभी राज्य की अनुमानित जनसंख्या चार करोड़ छह हजार 288 है.

इसमें मतदाताओं की संख्या दो करोड़ 57 लाख 78 हजार 149 है. अंतिम मतदाता सूची में पुरुष मतदाता एक करोड़ 30 लाख 65 हजार 449 और महिला मतदाताओं की संख्या एक करोड़ 27 लाख 12 हजार 266 है. इसके अलावा 434 मतदाता थर्ड जेंडर हैं. 22 जनवरी 2024 को प्रकाशित मतदाता सूची की तुलना में 27 अगस्त को प्रकाशित सूची में मतदाताओं की संख्या में 1.54% की वृद्धि दर्ज की गयी है. अंतिम मतदाता सूची में 18-19 आयु वर्ग में पुरुष मतदाताओं की संख्या चार लाख 80 हजार 760, महिलाओं की पांच लाख 93 हजार 959 और थर्ड जेंडर मतदाताओं की संख्या 13 है. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि युवा मतदाताओं कि संख्या अभी बढ़ेगी. 1 अक्टूबर को अर्हता तिथि मानते हुए 55 हजार 189 आवेदन प्राप्त हुए है. वर्तमान मतदाता सूची में मतदाताओं का फोटो और एपीक कवरेज शत प्रतिशत है. प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ नेहा अरोड़ा भी मौजूद थीं.

राज्य में अनुमानित जनसंख्या - 4,00,06,288

कुल मतदाताओं की संख्या - 2,57,78,149

पुरुष मतदाता	महिला मतदाता	थर्ड जेंडर मतदाता
1,30,65,449	1,27,12,266	434

- 18–19 वर्ष के कुल मतदाता 10,74,732
- 18–19 वर्ष के पुरुष मतदाता 4,80,760
- 18–19 वर्ष के महिला मतदाता 5,93,959

राज्य भर में 53 नये बूथ बनाये गये : तदाताओं की सुविधा के लिहाज से अलग-अलग जिलों में कुल 53 नये मतदान केंद्र बनाये गये हैं. इनमें साहेबगंज, रामगढ़, जामताड़ा, पूर्वी सिंहभूम, रांची, सिमडेगा आदि जिले शामिल हैं. धनबाद के झरिया और रांची के हटिया में छह-छह मतदान केंद्रों को मतदाताओं की कमी के कारण नजदीकी मतदान केंद्रों के साथ समाहित कर दिया गया है. राज्य में आयोग द्वारा पूर्व में अनुमोदित 29,521 मतदान केंद्रों के स्थान पर अब मतदान केंद्रों की संख्या 29,562 हो गयी है.

बदलाव यू-टर्न या कांग्रेस को मात... आखिर किस रणनीति पर चल रहे पीएम नरेंद्र मोदी

अग्निवीर, जातीय जनगणना पर भी होगा बड़ा फैसला!

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

- विपक्ष इन मुद्दों को लेकर मोदी सरकार पर लगातार हमला कर रहा है
- इसके अलावा एनडीए के सहयोगी दल भी इन मुद्दों पर मुखर हो रहे हैं

मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में एक के बाद एक फैसलों पर यू-टर्न लेती दिख रही है. लेटरल एंट्री, न्यू पेंशन स्कीम, ब्रॉडकास्टिंग बिल के ड्राफ्ट से लेकर वक्फ संशोधन एक्ट और लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन जैसे मुद्दे शामिल हैं.

खास बात है कि प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस सरकार के यू-टर्न पर खूब खुश है. वह यह संदेश देने की कोशिश कर रही कि किस तरह से पीएम नरेंद्र मोदी सरकार में विपक्ष और अपने सहयोगी दलों के दबाव में अपने फैसलों पर पीछे हटने को मजबूर है. हालांकि, सरकार की तरफ से यू-टर्न के पीछे अपने तर्क हैं. न्यूज 18 के अनुसार सरकार से जुड़े लोगों का कहना है कि सरकार का यह कदम जनता की प्रतिक्रिया से जागरूक होने का प्रतीक है. सरकार कांग्रेस की रणनीति को ध्वस्त कर रही है. भाजपा नेताओं का मानना है कि यह लोकसभा चुनावों में जीत के बाद पॉलिटिकल नैरेटिव को फिर से अपने पक्ष में करने का हिस्सा है. इसके अलावा पीएम मोदी की तरफ से दिखाई गई व्यावहारिकता का एक उदाहरण है. सत्ता के गलियारों में दो बड़े मुद्दों पर चर्चा हो रही है. ये मुद्दे अग्निपथ और जातिगत जनगणना है. विपक्ष इनको लेकर सरकार पर हमला कर रहा है. इसके अलावा एनडीए के सहयोगी भी मुखर हैं. चिराग पासवान तो जातिगत जनगणना के पक्ष में खुल कर बोल रहे. वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी कई मौकों पर यह कह चुके हैं सरकार अग्निपथ योजना में और सुधार के लिए बदलाव को तैयार है. कांग्रेस ने सत्ता में आने पर अग्निपथ योजना को खत्म करने का वादा भी किया था.

जातीय जनगणना पर अपने भी मुखर : इसी तरह, जाति जनगणना ऐसा मुद्दा है जिसके पक्ष में एनडीए के दोनों प्रमुख सहयोगी जदयू और लोजपा अलग अपना रुख व्यक्त कर चुके हैं. बिहार में जाति की राजनीति की प्रकृति को देखते हुए यह मुद्दा अहम हैं. खास बात है कि राज्य में अगले साल चुनाव हैं. दूसरी तरफ, पीएम ने अग्निपथ योजना का बचाव किया है. सरकार ने जाति जनगणना की मांगों को दृढ़ता से खारिज कर दिया है. सरकार का कहना है कि यह विभाजनकारी कदम साबित होगा.हालांकि, पेंशन स्कीम पर सरकार ने जिस तरह से दो कदम पीछे खींचे हैं. ऐसे में ऐसे में आने वाले दिनों में मोदी इस दोनों मुद्दों पर कोई बड़ी घोषणा करें, तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए.

सुलग रहा एमएसपी

एमएसपी का मुद्दा भी सुलग रहा है. इस पर विचार के लिए समिति गठित हो चुकी हैं. विपक्ष किसानों के लिए एमएसपी की गारंटी देने वाले कानून की मांग कर रहा है. हरियाणा, पंजाब के साथ ही पश्चिमी यूपी में किसान संगठनों की सरकार से नाराजगी जगजाहिर है. मोदी के पहले व दूसरे कार्यकाल में दो बड़े फैसले वापस लिए गए थे. इनमें से एक भूमि अधिग्रहण एक्ट और दूसरा तीन कृषि कानूनों में बदलाव था. भाजपा के नेता कहते हैं कि सरकार के निर्णय के पीछे की वजह विपक्ष का दबाव नहीं बल्कि राजनीतिक व्यावहारिकता है.

सिसोदिया के बाद कविता को भी सुप्रीम कोर्ट से मिली बेल

दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले पर भड़की शीर्ष अदालत

एजेंसी। नयी दिल्ली

आम आदमी पार्टी के मनीष सिसोदिया के बाद सुप्रीम कोर्ट ने कथित दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार और धन शोधन मामलों में बीआरएस की नेता के कविता को मंगलवार को जमानत दे दी. न्यायमूर्ति बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि कविता करीब पांच महीनों से हिरासत में हैं. इन मामलों में उनके खिलाफ सीबीआई तथा ईडी की जांच पूरी हो गयी है. कोर्ट ने उन्हें जमानत दिए जाने से इनकार करने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के एक जुलाई के आदेश को रद्द कर दिया. ईडी ने कविता को 15 मार्च को गिरफ्तार किया था.सीबीआई ने कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में 11 अप्रैल को उन्हें गिरफ्तार किया था.

सुप्रीम कोर्ट कविता को बेल देते हुए हाईकोर्ट के आदेश पर आपत्ति भी जताई. हाईकोर्ट ने कविता को बेल देने से इनकार करते हुए कहा था कि पढ़ी-लिखी व सोफेस्टिकेटेड महिला पीएमएलए के तहत जमानत लाभ की हकदार नहीं है. पीठ ने आपत्ति जताते हुए कहा, अगर इस आदेश को कानून बनने की अनुमति दी गई, तो इसका मतलब यह होगा कि किसी भी पढ़ी लिखी महिला को जमानत नहीं मिल सकती. इसके विपरीत हम यह कहते हैं कि अदालतों को सांसद और आम लोगों में कोई भेदभाव नहीं करना चाहिए.

नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने नगर निगम के अधिकारियों के साथ की बैठक, दिए कई निर्देश

राजधानी की सड़कों को दुरुस्त करे नगर निगम, स्ट्रीट लाइट की स्थिति में भी हो सुधार

संवाददाता। रांची

नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने रांची नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि राजधानी की सड़कों की हालत सुधारें. जल्द से जल्द मरम्मत करने की दिशा में काम शुरू कर दें. इसके साथ ही सुनिश्चित करें कि सड़कों पर जल जमाव न हो. मंगलवार को राज्य सचिवालय प्रोजेक्ट भवन स्थित सभागार में रांची निगम क्षेत्र में चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा करते हुए प्रधान सचिव ने ये बातें कही. यह भी कहा कि मास्टर प्लान 2015 के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र और आईटी पार्क विकसित करने का प्रयास हो. बैठक में प्रधान सचिव ने नगर निगम के अधिकारियों को कई कई निर्देश भी दिये.

बैठक में ये भी रहे मौजूद : बैठक में विभागीय प्रधान सचिव के साथ साथ राज्य शहरी विकास अभिकरण के निदेशक अमित कुमार,अपर सचिव मनोहर मरांडी,अपर सचिव ज्ञानेंद्र कुमार,रांची नगर निगम के प्रशासक संदीप सिंह, संयुक्त सचिव दीपक दूबे,संयुक्त सचिव ज्योत्स्ना सिंह और नगर विकास एवं आवास विभाग तथा रांची नगर निगम के कई पदाधिकारी भी मौजूद रहे.

बैठक के दौरान नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार.

दिए ये निर्देश

- शहर की सड़कों में दिख रहे गड्ढों का तुरंत हो मरम्मतीकरण.
- स्ट्रीट लाइट हर क्षेत्र में जले, यह सुनिश्चित हो. अगर खराब है तो तुरंत बदलें और जहां लाइट नहीं है, वहां लाइट लगाएं.
- इंटरसिटी बसों के लिए शहर में भी बस टर्मिनल होना चाहिए. अगर है तो वहां नागरिक सुविधाएं बेहतर की जाएं. यह निर्देश रातू रोड स्थित इटकी बस टर्मिनल और धुर्वा बस टर्मिनल के लिए है.
- शहर में मास्टर प्लान 2015 के अनुसार औद्योगिक क्षेत्र और आईटी पार्क विकसित किए जाएं.
- सड़कों के किनारे फुटपाथ का प्रावधान जरूर रखें और निर्माण कराएं ताकि पैदल चलनेवाले लोग सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच सकें.
- स्वच्छता को लेकर आरएफआईडी का उपयोग करें ताकि यह पता लग सके कि हर घर या हर सोसाइटी से रोज कूड़ा कचरा का उठाव हो रहा है कि नहीं.
- रांची शहर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चल रही परियोजनाओं को जल्द पूरा करें.
- शहर के महत्वपूर्ण इलाकों में जगह चिह्नित कर बड़े शहरों की तरह रात्रि बाजार को प्रोत्साहित करें.
- सीवरेज व ड्रेनेज निर्माण के नाम पर जहां तहां सड़क न काटें.

ब्रीफ खबरें

शिक्षा मंत्री व सहायक शिक्षकों में वार्ता आज

रांची। वेतनमान के समतुल्य मानदेय व ईपीएफ को लेकर बुधवार को शिक्षा मंत्री बैजनाथ राम व झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल के फिर से वार्ता होगी. पिछले वार्ता में कोई नतीजा नहीं निकलने के बाद इस बार वार्ता मानव संसाधन विकास विभाग के कार्यालय में होगी. पिछले दो वार्ता विफल होने के बाद सहायक अध्यापक सरकार के प्रति आक्रोशित हैं. वहीं राज्य प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ वार्ता विफल होने पर आगे की रणनीति को लेकर धुर्वा में राज्य स्तरीय बैठक का आयोजन किया है.

विकास योजनाओं को धरातल पर उतारा:मुंडा

रांची। खूंटी के विधायक और राज्य के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा ने मंगलवार को मुरहू प्रखंड की कूड़ापूर्ति पंचायत के पीड़ीहात ग्राम में विधायक मद से होने वाले खेल मैदान सौंदर्यीकरण कार्य और में हितडीह में पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्याास किया. विधायक ने कूड़ापूर्ति पंचायत के जीवरी ग्राम में खेल मैदान सौंदर्यीकरण कार्य का भी शिलान्यास किया. मौके पर उपस्थित खिलाड़ियों और ग्रामीणों ने ढोल नगाड़े एवं फूल माला देकर परंपरागत तरीके से विधायक का स्वागत किया. संबोधित करते हुए विधायक ने ग्रामीणों के साथ संवाद किया और उनकी समस्याओं की जानकारी ली. विधायक ने कहा कि आप सभी ने अपना सहयोग और आशीर्वाद देकर मुझे पांच बार विधायक बनाया. इस दौरान मैंने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में विकास योजनाओं को धरातल पर उतारा है.

सरयू के विरुद्ध कोर्ट ने जारी किया समन

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने पूर्व मंत्री और जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय के विरुद्ध समन जारी किया है. एमपी/एमएलए के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी सार्थक शर्मा की कोर्ट ने स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग से संचिका के अंदरूनी पन्नों की चोरी करने के आरोप में सरयू राय पर संज्ञान लेते हुए उन्हें उपस्थिति के लिए समन जारी किया है. अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 13 सितंबर निर्धारित की है. विधायक सरयू राय के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग के अवर सचिव विजय वर्मा ने 2 मई 2022 को डोरंडा थाना में प्राथमिकी (कांड संख्या 105/22) दर्ज कराई थी. मामले के केस आईओ (अनुसंधान पदाधिकारी) ने आरोपों को सही पाते हुए 22 अगस्त को चार्जशीट दाखिल की थी.

1 सितंबर से लागू होने वाले प्रीपेड मीटर से रांचीवासी चिंतित, कहा

स्मार्ट मीटर से आने वाले अधिक बिल से हम पहले से ही परेशान

रांची। रांचीवासियों को स्मार्ट मीटर से अभी राहत नहीं मिली, कि झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के निर्णय के अनुसार 1 सितंबर से रांची में लगे स्मार्ट मीटर प्रीपेड में काम करना शुरू कर देंगे. बिजली की इस नई व्यवस्था से शहरवासी खासे नाराज हैं, उन्होंने कहा कि पहले तो स्मार्ट मीटर से आने वाले अधिक बील से हम लोग परेशान हैं, ऐसे में 1 सितंबर से मीटर प्रीपेट कर दिया जायेगा तो इस पर लोगों से किये गये बातचीत के अंश प्रस्तुत हैं.

जनसुनवाई कर प्रीपेड मीटर प्रक्रिया करें लागू : अकरम

जन सूचना अधिकार मंच रांची के संयोजक अकरम रशीद ने कहा कि झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के द्वारा 1 सितंबर से की जाने वाली प्रीपेड भीम का हम सभी रांची जिला के नागरिक विरोध करते हैं, हम लोगों ने स्मार्ट मीटर नहीं लगाने एवं अधिक बिजली का बिल आने पर पूर्व में विरोध भी कर चुके हैं. बिजली विभाग के संबंध में आंदोलन भी चला चुके हैं, बिजली विभाग एवं राज्य सरकार प्रीपेड पुणः रोक लगाए एवं मीटर प्रक्रिया को लागू करने से पहले राजभर में जिलों में जनसुनवाई कर आम नागरिक की राय लेने के बाद ही प्रिपेयर्ड प्रक्रिया को लागू करें, क्योंकि राज्य में ऐसे ही स्मार्ट मीटर लगने के बाद से लोगों की बिजली बिल 50 से 100 गुना अधिक आ रहे हैं. जिनके घरों में 700 रुपये का बिजली आया करता था, अब बिल 2 हजार का आ रहा है. बहुत सारे उपभोक्ताओं के घरों में 12000 से 24000 रुपए का बिजली बिल आ रहा है. राज्य सरकार द्वारा मिलने वाली 200 यूनिट बिजली का लाभ ऐसी उपभोक्ताओं को नहीं मिल पा रहा है, जिनका गलत बिजली बिल आ रहा है स्मार्ट मीटर से अधिक बिल आने की शिकायत करने के बाद भी बिजली विभाग ने इस विषय पर कुछ नहीं किया. हम सभी आम जनता की ओर से मांग करते हैं कि जनसुनवाई कर रांची जिला समेत राजभर में जनसुनवाई के बाद ही प्रीपेड प्रक्रिया को लागू करें अन्यथा जल्दबाजी में इस प्रक्रिया को लागू करना जनता के साथ धोखा करना है. यदि बिजली विभाग इस प्रक्रिया को बिना जनसुनवाई के माध्यम से लागू करती है तो रांची जिला समेत सभी जिलों में इसका विरोध आंदोलन के माध्यम से किया जायेगा.

पहले स्मार्ट मीटर से अधिक बिल आने की परेशानी दूर की जाए : नेहाल अहमद

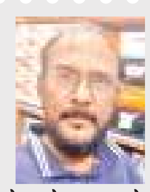

मरहबा हयूमन सोसाइटी के सचिव नेहाल अहमद ने कहा कि हम लोग तो पहले ही स्मार्ट मीटर से आने वाले अधिक बिल से परेशान हैं. ऐसे प्रीपेट मीट किसी भी सूरत में उचित नहीं है. पहले अधिक बिल आने वाली परेशानी का तो समाधान किया जाये. यदि प्रीपेड मीट लागू किया गया तो गरीबों के घरी अंधेरा हो जायेगा. यह योजना गरीबों को बिजली से दूर करने के लिये है. जबकि ऐसा नहीं है, बिजली बिल तो सभी देते हैं, इस लिये सबसे पहले अधिक बिल आने वाले सिस्टम में सुधार किया जाये उसके बाद ही आगे नई व्यवस्था के बारे विचार किया जाये.

प्रीपेड मीटर लागू होना उचित नहीं : नियाज

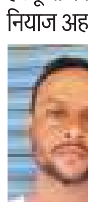

हरमू नौजवान मुहर्रम कमेटी के सचिव नियाज अहमद ने कहा कि स्माट मीट तो लगा है, लेकिन पूर्व में जो बिल आता था, उससे बढ़ कर बिजली आता है, प्रीपेड मीटर की व्यवस्था 1 सितंबर से किया जा रहा है. यह उचित नहीं है. इस व्यवस्था को लागू करने से पहले बिजली विभाग को स्माटर मीटर से अधिक बिल आने को रोकने की जरूरत है. बिल अधिक होने से महीने भर का पूरा बजट ही बिगड़ जाता है, इस लिये इसमें सुधार की जरूरत है.

स्मार्ट मीटर से बिल अधिक आता है : बब्लू कुमार

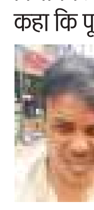

विद्यानगर निवासी बब्लू कुमार ने कहा कि पूर्व में जो बिजली विभाग से मीटर लगा था, उस समय बिजली बिल ठीक आता था, लेकिन जब से स्मार्ट मीटर लगा है, बिजली बिल अधिक आ रहा है. इससे परेशानी बनी हुई है, जिसको पहले ठीक करने की आवश्यकता है. इसलिये यदि पूर्व के समान ही बिजली की व्यवस्था कर दी जाए तो उचित होगा. नयी प्रक्रिया शुरू होने के बाद उपभोक्ताओं की परेशानी और बढ़ जाएगी.

अधिक बिल की परेशानी दूर की जाए : इरशाद

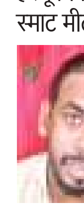

हरमू निवासी मो इरशाद ने कहा कि स्मार्ट मीटर से हम लोग परेशान ही हैं. पहले के मुकाबले बिजली बिल काफी बढ़ कर आता है. बिजली ऐसी जरूरत है, की इसका भुगतान तो करना ही है, अधिक बिल आने की समस्या की जानकारी देने पर भी समाधान नहीं हुआ, और अब जो बिल आता है, उसे जमा करते हैं, इस लिये कम से कम अधिक बिजली बिल आने की परेशानी दूर करना चाहिए.

चंपाई सोरेन ने एक्स पर पोस्ट कर बताया, क्यों बदला मन

ब्यूरो प्रमुख। रांची

- आदिवासियों का अस्तित्व बचाने को लेकर सिर्फ़ भाजपा गंभीर

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने मंगलवार की रात एक्स पर भावुक पोस्ट कर कहा कि पिछले हफ्ते (18 अगस्त) एक पत्र द्वारा झारखंड समेत पूरे देश की जनता के सामने अपनी बात रखी थी. उसके बाद, मैं लगातार झारखंड की जनता से मिल कर, उनकी राय जानने का प्रयास करता रहा. कोल्हान क्षेत्र की जनता हर कदम पर मेरे साथ खड़ी रही, और उन्होंने ही संन्यास लेने का विकल्प नकार दिया. पार्टी में कोई ऐसा फोरम/मंच नहीं था, जहां मैं अपनी पीड़ा को व्यक्त कर पाता तथा मुझ से सीनियर नेता स्वास्थ्य कारणों से राजनीति से दूर हैं.

आज बाबा तिलका मांझी और सिदो-कान्हू की पावन भूमि संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठ बहुत बड़ी समस्या बन चुका है. इससे दुर्भाग्यपूर्ण क्या हो सकता है कि जिन वीरों ने जल, जंगल व जमीन की लड़ाई में कभी विदेशी अंग्रेजों की गुलामी स्वीकार नहीं की, आज उनके वंशजों की जमीनों पर ये घुसपैठिए कब्जा कर रहे हैं. इनकी वजह से फूलो-झानो जैसी वीरांगनाओं को अपना आदर्श मानने वाली हमारी माताओं, बहनों व बेटियों की अस्मत खतरे में है. आदिवासियों एवं मूलवासियों को आर्थिक तथा सामाजिक तौर पर तेजी से नुकसान पहुंचा रहे इन घुसपैठियों को अगर रोका नहीं गया, तो संथाल परगना में हमारे समाज का अस्तित्व संकट में आ जाएगा. पाकुड़, राजमहल समेत कई अन्य क्षेत्रों में उनकी संख्या आदिवासियों से ज्यादा हो गई है. राजनीति से इतर, हमें इस मुद्दे को एक सामाजिक आंदोलन बनाना होगा, तभी आदिवासियों का अस्तित्व बच पाएगा. इस मुद्दे पर सिर्फ भाजपा ही गंभीर दिखती है और बाकी पार्टियां वोटों की खातिर इसे नजरअंदाज कर रही है. इसलिए आदिवासी अस्मिता एवं अस्तित्व को बचाने के इस संघर्ष में, मैने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं गृह मंत्री अमित शाह जी के नेतृत्व में आस्था जताते हुए भाजपा से जुड़ने का फैसला लिया है. झारखंड के आदिवासियों, मूलवासियों, दलितों, पिछड़ों, गरीबों, मजदूरों, किसानों, महिलाओं, युवाओं एवं आम लोगों के मुद्दों एवं अधिकारों के संघर्ष वाले इस नए अध्याय में आप सभी का सहयोग अपेक्षित है.

रिम्स में जन जागरूकता को लेकर लगेंगे एलईडी

रांची। रिम्स निदेशक प्रो (डॉ) राज कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को बैठक हुई. जिसमें रिम्स अस्पताल परिसर के विभिन्न स्थानों में जन जागरूकता एवं रिम्स के संबंध में प्रचार प्रसार हेतु एलईडी स्क्रीन लगाए जाने को लेकर निर्णय लिए गए. इसे लेकर निदेशक ने एलईडी मॉनिटर खरीदने के लिए निदेशित किया. एलईडीस्क्रीन पर मरीज़ों के लिए सरकारी योजनाओं, रिम्स में मौजूद सुविधाओं एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदर्शित की जाएगी. साथ ही बैठक में समाचार पत्रों में प्रकाशित विभिन्न खबरों की समीक्षा को लेकर मीडिया समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया. समिति द्वारा समाचार पत्रों में रिम्स से संबंधित प्रकाशित होने वाली खबरों की सप्ताहिक समीक्षा की जाएगी. बैठक में अपर निदेशक (प्रशासन) सीमा सिंह, भावी डीन प्रो (डॉ) शशि बाला सिंह, चिकित्सा अधीक्षक प्रो (डॉ) हीरेन्द्र बिरुआ, अपर चिकित्सा अधीक्षक डॉ शैलेश त्रिपाठी, चिकित्सा उपाधीक्षक-I डॉ अजय कुमार आदि मौजूद थे.

गलत तथ्य के आधार पर झूठा केस कराने को लेकर नामकुम थाने में मामला दर्ज

संवाददाता। रांची

गलत तथ्यों के आधार पर झूठा केस कराने को लेकर नामकुम थाना में मामला दर्ज हुआ है. इसे लेकर नामकुम थाना क्षेत्र के लीची बागान निवासी महेंद्र साहू ने नामकुम थाना में मामला दर्ज कराया है. दर्ज कराए मामले में कहा गया है कि इन्टरनेशनल मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लुधियाना पंजाब में है. जिसके निदेशक राकेश कुमार, अखिल कपूर, सत्यम भाटिया और अशोक भाटिया हैं, इस कंपनी में बिजनेस एसोसियेट के रूप में मैं कार्य करता था. वहां पर बिजनेस एसोसिएट के रूप में कार्य करते समय मैंने मैसर्स इन्टरनेशनल मार्केटिंग कॉर्पोरेशन से अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए 20 लाख रुपए एडवांस के रूप में 22 अप्रैल 2021 को प्राप्त किये थे, जिसके के लिए सिक्योरिटी के रूप में मैंने एक खाली चेक मेरे घर के पते पर दिया. जिसमें सिर्फ मेरा हस्ताक्षर था, शेष विवरण खाली था. कम्पनी को बतौर सिक्योरिटी दिया था.

महेंद्र साहू ने कहा कि कंपनी द्वारा मुझे दी गई राशि अलग-अलग किश्तों में मुझे देय पे-आउट में से काट ली गई थी और मेरे द्वारा सात सितंबर 2023 को कंपनी से इस्तीफा देने के बाद कंपनी द्वारा 21 सितंबर 2023 को कोई बकाया राशि शेष नहीं होने की वजह से इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया था. जिसके बाद कंपनी द्वारा झूठे तथ्यों के आधार पर पुलिस कमिश्नरेट, लुधियाना में आठ जनवरी को मेरे विरूद्ध केस दर्ज कराई गई थी. उसमें भी मेरे विरूद्ध कोई बकाया राशि का जिक्र कंपनी द्वारा नहीं दिया गया था. तीन अप्रैल 2024 को एक नोटिस भिजवाया गया. जिसमें बीस लाख के बकाया की बात कही गई थी. जबकि ना तो कंपनी के विरुद्ध मेरे द्वारा कोई विधिक देनदारी बकाया थी न 25 जनवरी को कोई चेक जारी किया गया था.

साजिश के तहत फंसाने की योजना : महेंद्र साहू

महेंद्र साहू ने कहा कि मैसर्स इन्टरनेशनल मार्केटिंग कॉर्पोरेशन व उसके निदेशक राकेश कुमार, अखिल कपूर, सत्येन भाटिया, अशोक भाटिया और संदीप कुमार आपसी सांठ-गांठ कर, मेरे विरुद्ध आपराधिक षड़यंत्र रचकर मुझे हानि पहुंचाने की नीयत से और खुद को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से यह जानते हुए कि कोई विधिक देनदारी बकाया नहीं होने के बावजूद मेरे द्वारा बतौर सिक्योरिटी दिये गये खाली चेक को देकर फंसाने की साजिश रची गई, जो दंडनीय अपराध है. इसे लेकर राकेश कुमार, अखिल कपूर, सत्येन भाटिया, अशोक भाटिया और संदीप कुमार खिलाफ कार्रवाई की जाए.

पुरानी पेंशन योजना लागू करें केंद्र सरकार : सीटू

रांची। एकीकृत पेंशन योजना सरकारी कर्मचारियों के उचित अधिकारों के खिलाफ एक धोखाधड़ी है. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कर्मचारियों से छल किया है. ये बातें सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस के प्रतीक मिश्रा ने कहीं. उन्होंने कहा कि सीटू पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली की मांग करता है. मिश्रा ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना केंद्रीय सिविल सेवा नियमों के तहत थी. गैर योगदान आधारित और सुनिश्चित पेंशन प्रदान करती थी. 2004 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) शुरू की. तब से केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारी और केंद्रीय ट्रेडयूनियन इसके खिलाफ संघर्षरत हैं और ओपीएस की बहाली की मांग कर रही हैं. सीटू ने एकीकृत पेंशन योजना की निंदा करते हुए केंद्र सरकार से पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग की है और सरकारी कर्मचारियों के संघर्ष को पूरा समर्थन देने की अपील की है.

मूलवासी सदान, ओबीसी और तेली समाज गोड्डा सांसद के बयान पर बिफरा

राजेंद्र प्रसाद झारखंडियों के रक्षक : सदान

संवाददाता। रांची

गोड्डा के सांसद निशिकांत दूबे का पुतला फूंकते प्रदर्शनकारी.

मूलवासी सदान मोर्चा की ओर से मंगलवार को अल्बर्ट एक्का चौक में गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे का पुतला दहन किया गया. इस अवसर पर मूलवासी सदान मोर्चा रांची जिला के अध्यक्ष मुरारी गुप्ता ने कहा कि गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे को झारखंड की वास्तविकता की कोई जानकारी नहीं है और न यहां की संस्कृति के बारे में उन्हें मालूम है राजेंद्र प्रसाद झारखंड आंदोलनकारी हैं. राज्य के लिए इनका बड़ा योगदान है वे हमारे अधिकारों को लेकर लगातार आंदोलन और संघर्ष कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने मूलवासी सदान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद के ऊपर आरोप लगा रहे हैं, कि लोकसभा चुनाव में गोड्डा में प्रधानमंत्री, को चुनाव हराने में एड़ी-छोटी एक कर दिया था. जबकि नरेंद्र मोदी गोड्डा से कभी चुनाव नहीं लड़े हैं, उन्होंने कहा राजेन्द्र प्रसाद गोड्डा में किसी भी प्रत्याशी के समर्थन में कोई बयान तक नहीं दिया है. गुप्ता ने बताया कि बल्कि सांसद के ऊपर आरोप है कि पिछले विधानसभा चुनाव में वे कांग्रेस प्रत्याशी को जरमुंडी और महागामा में चुनाव जितवाने में लगे थे. सांसद के द्वारा राजेन्द्र प्रसाद के लिए अमर्यादित और झूठा बयान का मूलवासी सदान मोर्चा, तेली समाज व ओबीसी समाज घोर विरोध एवं निंदा करता है. चैंबर्स ऑफ कॉमर्स रातू के उपाध्यक्ष, विशाल कुमार साहू, ने कहा कि इस बात का संज्ञान भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और प्रदेश नेतृत्व को लेना चाहिए और श्री दुबे के विरोध कार्रवाई करनी चाहिए. तेली समाज महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजय साहू ने कहा कि बाहर से आकर यहां सांसद बने हैं और यहां के ओबीसी, दलित, मूलवासी सदान को गाली देने का काम कर रहे, पिछड़ा, मूलवासी सदान एवं झारखंडी बर्दाश्त नहीं करेगा. प्रो अरविंद ने प्रसाद ने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में इसका परिणाम पता चल जाएगा.

कार्यक्रम

राज्यपाल संतोष गंगवार ने गुमला में छात्राओं के साथ किया संवाद, कहा

शिक्षा क्षेत्र में बदलाव को दें सलाह, राजभवन से करें संपर्क

- गंगवार ने मिशन सर्वोदय के तहत पीवीटीजी हेल्पलाइन का किया शुभारंभ

प्रमुख संवाददाता। रांची/गुमला

राज्यपाल संतोष गंगवार ने मंगलवार को गुमला में पीएम जनमन (प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान) जागरूकता वाहन को रवाना किया. मिशन सर्वोदय के तहत पीवीटीजी हेल्पलाइन का शुभारंभ किया. इसके बाद गुमला साइंस सेंटर, गुमला का अवलोकन किया. इस दौरान राज्यपाल ने इस वर्ष शैक्षणिक भ्रमण के लिए इसरो गई छात्राओं से मुलाकात की. छात्राओं से उनके अनुभवों के बारे में पूछा. छात्राओं को अच्छी शिक्षा प्राप्त करने और मन लगाकर पढ़ने की सलाह देते हुए कहा कि शिक्षा ही बेहतर भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. उन्होंने सभी बच्चियों से शिक्षा के क्षेत्र में यदि कोई बदलाव किया जाना चाहिए, तो उसके लिए सलाह की मांग की. आप सीधे भी राजभवन से संपर्क कर सकते हैं. अपनी सलाह से हमे अवगत करवा सकते हैं.

राज्यपाल ने गुमला में पीएम जनमन जागरूकता वाहन को रवाना किया.

सावित्री फुले पुस्तकालय का किया अवलोकन

राज्यपाल ने सावित्री बाई फुले पुस्तकालय, गुमला का अवलोकन किया. वहां पढ़ने हेतु पहुंची छात्राओं से संवाद कर उन्हें प्रेरित किया. कहा कि उन्हें लाइब्रेरी से काफी लगाव है. उन्होंने जिले में महिलाओं के लिए बने पुस्तकालय से की प्रशंसा की. पुस्तकालय ज्ञान बढाने का कार्य करता है. यहां आना हमेशा ही उपयोगी सिद्ध होगा. बेहतर शिक्षा प्राप्त कर जीवन एवं समाज को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य कर सकते हैं. राज्यपाल ने कहा कि संघर्ष सभी के जीवन में आते हैं.

रागी से बनने वाले उत्पादों के बारे में जानकारी ली

राज्यपाल ने गुमला के बाजार समिति परिसर करौंदी में संचालित रागी प्रसंस्करण इकाई का भ्रमण किया तथा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद कर रागी से बनाये जाने वाले उत्पादों के बारे में जानकारी ली. उन्होंने कहा कि अब मोटा अनाज स्वास्थ्यवर्द्धक अनाज के रूप में जाना जाएगा. कहा कि. रागी सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद खाद्यान्न है और यह लोगों को रोजगार का एक नया अवसर भी प्रदान कर रहा है. इसकी निरंतरता बनी रहे, आने वाले समय में इसका और भी अधिक लाभ मिलेगा.

बजरा जतरा स्थल की मापी कराने पहुंचे भू-माफिया, खदेड़े गए

रांची। रांची के आईटीआई रोड स्थित बजरा जतरा मैदान की मापी कराने पहुंचे भू-माफिया को ग्रामीणों ने खदेड़ दिया. जानकारी के अनुसार, जमीन दलाल भाड़ा वाली महिला गैंग के साथ मंगलवार को जमीन की मापी कराने पहुंचे थे. ग्रामीणों को जैसे ही इसकी सूचना मिली वो वहां पहुंचे और सभी को हरवे-हथियार लेकर दौड़ा लिये. भू-माफिया और महिला गैंग बाइक छोड़ कर जैसे-तैसे जान बचा कर वहां से भागे. ग्रामीणों ने बाइक को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया. इस संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि यह आदिवासियों का जतरा स्थल है. हर साल यहां फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन होता है. मुहल्ला में यही एक मात्र मैदान बचा हुआ है. जिसपर जमीन कारोबारियों की गिद्द नजर है.

गड्ढों व कटों से परेशान वाहन चालक, लगता रहता है जाम

बसंत मुंडा। रांची

- रांची के बरियातू व सर्कुलर रोड की हालत काफी खराब

राजधानी के लोग शहर की दो सड़कों सर्कुलर रोड और बरियातू रोड के गड्ढों व कट (मुड़ने के लिए डिवाइडर नहीं बनाया गया) से परेशान हैं. एक तरफ गड्ढों की वजह से वाहनों की स्पीड कम हो जा रही है, लोग हिचकोले खाने को मजबूर हैं, वहीं बरियातू रोड में जरूरत से ज्यादा कट होने और लालपुर रोड में कई मुहल्लों की सड़कों के जुड़ने की वजह से जाम में फंसने को मजबूर हैं. बरियातू रोड में ठोकरों की वजह से भी वाहनों की स्पीड कम हो जाती है और जाम की स्थिति बनती है.

बरियातू रोड के करम टोली चौक होते हुए रिम्स जाने वाले रोड पर दर्जन से अधिक स्थानो पर कट बनाया गयाहै. रेस ड्राइविंग को रोकने के लिए दीन दयाल उपाध्याय चौक के सामने दो स्पीड ब्रेकर लगाया गया है. वही गैलेक्सी फोरच्यूनर मॉल और बुद्धिस्ट मिशन एकेडमी के पास दो बड़ा ठोकर बनाया गया है. इन दोनो स्थानों पर ई-रिक्शा, कार और ऑटो वालों करने में दिक्कतें होती है. कभी-कभी ई-रिक्शा को धक्का देकर ठोकर से पार करना पड़ता है. इस रोड में दर्जनों हॉस्पिटल है. गड्ढों व कट के कारण मरीजों को दिक्कतें होती है. सर्कुलर रोड शहर का व्यस्ततम रोड है. रातू रोड के बाद सर्कुलर रोड मे सबसे अधिक ऑटो चलते हैं. इस रोड में न्यूक्लियस मॉल, वीमेंस कॉलेज के अलावा दो दर्जन से अधिक कोचिंग संस्थान है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

तापमान 28.8° अधिकतम | 23.1° न्यूनतम

रांची, बुधवार 28 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 10, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 140 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

अल्बर्ट एक्का चौक पर आयोजित दही-हांडी प्रतियोगिता में मटकी फोड़ती युवतियों की टोली. फोटो : रमीज.

नेशनल योगा टीम ने 19 सेकेंड में मटकी फोड़ी

पहले 20 फीट पर हांडी लटकायी गयी, लेकिन चारों महिला टीम विफल रही. बाद में उसे 15 फीट उंचाई पर लटकाया गया, तब जा कर सफलता मिली. नेशनल योगा टीम ने महज 19 सेंकेड में ही मटकी तोड़ दी. चडरी महिला टीम 28 और राधा रानी ने 35 सेकेंड लगाया, जबकि बुशु महिला टीम विफल रही. विजेता को 51 हजार रुपये नगद पुरस्कार और द्वितीय पुरस्कार के रूप में 21 हजार रुपये दिए गए. विफल रही टीम को सांत्वना पुरस्कार के रूप में पांच हजार रुपये प्रदान किये गये.

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समिति के महोत्सव से गुलजार रहा अल्बर्ट एक्का चौक

...झूला झुलाने तेरा श्याम आया

राजन बॉबी। रांची

अल्बर्ट एक्का चौक श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समिति के जन्माष्टमी महोत्सव से मंगलवार की शाम गुलजार रहा. शाम ढलते ही बाहर से आए कलाकारों ने जहां भक्ति गीत-नृत्य से सब को झुमाया, वहीं श्रीफल से दही-हांडी फोड़ती गोविंदाओ की टोली का भी अलग आकषर्ण रहा. शाम छह बजे स्तुति से कार्यक्रम की शुरुआत हुई. इसके बाद तो मानो भक्ति की बहार आ गयी. एक-एक कर महशहूर कलाकरों ने मनमोहक प्रस्तुति दी. महोत्सव का साक्षी बनने बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्ति डोर से बंध खींचे चले आए.

सर्जना चौक से लेकर अल्बर्ट एक्का चौक तक सड़क के दोनों किनारे लंबी कतार लगी रही. रात आठ बजे मुख्य अतिथि राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और समिति के मुख्य संरक्षक सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ का आगमन हुआ. स्वागत के बाद राज्यपाल ने पहले दीप प्रज्जवलन और मटकी फोड़ कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. इसके बाद कलाकारों ने फिर रंग जमाया. रात ठीक 08:51 बजे दही-हांडी प्रतियोगिता शुरू हुई. पहले महिला गोविंदा टीम ने दम दिखाया. पुनः रात के 09:15 बजे वातावरण भक्ति गीतों से गुंजायमान हो गया. इस बीच हल्की-फुल्की बूंदा-बांदी ने इसमें रस घोलने का काम किया. बेपरवाह भक्त भक्ति आनंद के महासागर में डूबे रहे. बाद में पुरुष गोविंदा की टोली ने दम दिखाया. कार्यक्रम में रांची विधायक सीपी सिंह, पूर्व डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय, पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू, कर्मवीर सिंह, अध्यक्ष मुकेश काबरा, प्रमोद सारस्वत, संजय जायसवाल, ललित ओझा आदि मौजूद थे.

राधा-कृष्ण के रूप में रासलीला की प्रस्तुति देते महिला व पुरुष कलाकार.

दही-हांडी को पकड़े राज्यपाल संतोष गंगवार व रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ.

दर्शकों ने कलाकारों की प्रस्तुति को सराहा : धनबाद के विक्की जी, पिंटू शर्मा, लखनऊ की अंशु ज्योति पागल, कानपुर के सन्नी सरताज, गाजियाबाद की ज्योति गोश्वामी पगली और कलकत्ता के इंद्रा डांस ग्रुप की प्रस्तुति को लोगों ने खूब सराहा. गुब्बारे में भगवान का दर्शन कराया. भक्ति के साथ देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर समा बांधी. नृत्य-नाटिका के क्या कहने. कलाकारों ने श्रीराधा-कृष्ण, गोपी सहित देवी-देवताओं के विविध रूप धर सब का मन मोहा. गोवंश के वध के विरुद्ध भी आवाज बुलंद की.

बजरंग दल प्रथम, एक लाख रुपये का इनाम

दही-हांडी प्रतियोगिता में पुरुष टीम में बजरंग दल मालती ने बाजी मारी. 35 सेकेंड में मटकी फोड़ एक लाख रुपये का पुरस्कार पाया. नेशनल योगा पुरुष टीम 48 सेकेंड में मटकी फोड़ कर दूसरे स्थान पर रही. इन्हें 41 हजार रुपये का पुरस्कार मिला. अन्य सभी टीम विफल रही. हिंदू परिवार टीम, बजरंगी सनातनी सेना और महावीर मंडल, मोरहाबादी की टीम को सांत्वना पुरस्कार के रूप में 10 हजार रुपये नगद राशि दी गयी.

दही-हांडी प्रतियोगिता में मटकी फोड़ती चडरी की महिला टोली.

- राज्यपाल ने दीप प्रज्जवलन और मटकी फोड़ कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया.
- कलाकारों ने रंग जमाया, रात ठीक 08 :51 बजे दही-हांडी प्रतियोगिता शुरू हुई.
- रात के 09 :15 बजे फिर से कलाकारों ने बांधा समां, वातावरण भक्ति गीतों से गुंजायमान हो गया.
- आयोजन के बीच हल्की-फुल्की बूंदा-बांदी ने भक्ति रस घोलने का काम किया.

ब्रीफ खबरें

राजनीतिक दलों को नई मतदाता सूची सौंपी

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रवि कुमार ने निर्वाचन भवन में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक की. सीईओ ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य में चले मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत सभी जिले, प्रखंड एवं मतदान केंद्रों पर सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया है. इस दौरान सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को नई मतदाता सूची की सॉफ्ट व हार्ड कॉपी उपलब्ध कराई गई.

मोबाइल दुकान में चोरी का आरोपी गिरफ्तार

रांची। जगरनाथपुर थाना क्षेत्र के खुशी टेलीकॉम में हुई चोरी मामले में पुलिस ने एक आरोपी राहुल पंडित को गिरफ्तार किया है. वह बिहार के वैशाली जिले का रहने वाला है. उसके पास से चोरी का एक मोबाइल बरामद किया गया है. पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया. पुलिस ने आरोपी को जब गिरफ्तार किया, तब उसके पास पहले से एक ब्लेड था, जिससे उसने अपना हाथ काट लिया. आनन-फानन में एक जवान ने उसके हाथ ये ब्लेड छीना. इस क्रम में जवान का भी हाथ कट गया.

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने ग्रामीणों के साथ संवाद किया, बोले

समस्याओं को जानने आया हूं

प्रमुख संवाददाता। रांची/लोहरदगा

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) चीरी, लोहरदगा में ग्रामीणों से संवाद किया. इस दौरान राज्यपाल ने कहा कि देश की आजादी के इतने वर्षों के उपरांत भी ग्रामीण क्षेत्रों में जाने पर विभिन्न समस्याओं की जानकारी मिलती है. देश के विकास के लिए ग्रामीण क्षेत्रों का विकास आवश्यक है. एक समय था कि केंद्र से लोगों के विकास के लिए भेजे गये राशि का लाभ लाभुकों तक पूरा नहीं पहुंचता था. वर्तमान में प्रधानमंत्री, लाभुकों के बीच विभिन्न योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचा रहे हैं.

केंद्र 80 करोड़ लोगों को दे रहा निःशुल्क अनाज : राज्यपाल ने कहा कि देश के किसी भी व्यक्ति की मृत्यु भूख से न हो, इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है. मैं आप सभी के बीच यह जानने आया हूं कि आपको केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है अथवा नहीं. आपकी विभिन्न समस्याएं जान सकूं, ताकि इससे सरकार को अवगत करा कर इसका निदान किया जा सके. मैं आप सबका विकास देखना चाहता हूं.

आपका विकास देखना चाहता हूं

लोहरदगा में मासूम बच्ची का अन्नप्राशन कराते राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार.

सखी मंडल की दीदियों ने भी रखी अपनी बात : कार्यक्रम के दौरान नवा टोली में सखी मंडल की दीदियों ने राज्यपाल के समक्ष अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि सखी मंडल से जुड़ने से पूर्व उनलोगों की आर्थिक स्थिति खराब थी. लेकिन, अब इससे जुड़ने के उपरांत आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है. राज्यपाल के समक्ष कुड़ु प्रखंड प्रमुख मुनि देवी, उप प्रमुख एनुल अंसारी, कुड़ु पंचायत के मुखिया राजेश लोहरा, चीरी के जिमा बरवाटोली निवासी मीणा उरांव, सुकमार गांव निवासी अनिमा, जिमा चटकपुर निवासी सुमिता खलखो, शमशाद अंसारी आदि ने संवाद किया.

लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया : राज्यपाल ने नवजात शिशु आशिया परवीन का अन्नप्राशन कराया. विभिन्न योजनाओं के तहत लाभुकों के बीच पावर स्प्रेयर और व्हील चेयर वितरण किया. प्रधानमंत्री आवास योजना का पूर्णतः प्रमाण पत्र, मनरेगा स्वीकृति प्रमाण पत्र के अलावा उद्योग विभाग द्वारा सहायतार्थ राशि प्रदान की. कार्यक्रम में लोहरदगा डीसी डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण, एसपी हारिस बिन जमां, डीडीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, आईटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग एवं ग्रामीण उपस्थित थे.

शिवराज सिंह चौहान से चंपाई ने की मुलाकात

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने मंगलवार की रात दिल्ली में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की. जानकारी के अनुसार, चंपाई सोरेन और शिवराज सिंह चौहान के बीच झारखंड के वर्तमान राजनीतिक हालात पर चर्चा हुई. माना जा रहा है कि इस बैठक में चंपाई सोरेन के भाजपा में शामिल होने को लेकर चर्चा की गई. बताते चलें कि चंपई सोरेन 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होंगे. इससे पहले सोमवार की देर रात चंपाई सोरेन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली स्थित उनके आवास पर मुलाकात की थी.

तीन जिलों की महिलाओं को स्वीकृति पत्र देंगे सीएम

आदित्यपुर। सरायकेला खरसांवा जिला अंतर्गत गम्हरिया प्रखंड के रापचा गांव स्थित फुटबॉल मैदान में बुधवार को आयोजित प्रमंडल स्तरीय 'झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' कार्यक्रम की तैयारी पूरी हो चुकी है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दिन के 12 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे. इस दौरान वे तीन जिले की महिला लाभुकों के बीच स्वीकृति प्रमाण पत्र बांटेंगे. कार्यक्रम को लेकर सरायकेला खरसांवा के डीसी रविशंकर शुक्ला, एसपी मुकेश कुमार लुणायत, पूर्वी सिंहभूम की डीसी अनन्या मित्तल व एसएसपी किशोर कौशल, पश्चिमी सिंहभूम के डीसी कुलदीप चौधरी नजर बनाए हुए हैं.

पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को दो साल कारावास

संवाददता। रांची

- मौत का भय दिखा लेवी वसूलने के आरोप में दोषी करार
- रांची एटीएस कोर्ट के विशेष न्यायाधीश ने सुनाई सजा

प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के सुप्रीमो दिनेश गोप को मौत का भय दिखा कर लेवी वसूलने के आरोप में दोषी करार दिया है. रांची एटीएस कोर्ट के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने बहस पूरी होने के बाद मंगलावार को फैसला सुनाया.

दिनेश गोप.

कोर्ट ने दिनेश गोप को दो साल सश्रम कारावास की सजा सुनायी है. साथ ही 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है. अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि जुर्माना की राशि नहीं देने पर दिनेश गोप को अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी. एटीएस ने कोर्ट में छह गवाह और कई साक्ष्य प्रस्तुत किये, जिनके आधार पर दिनेश गोप को दोषी करार दिया गया.

एटीएस ने 2023 में गोप के खिलाफ दर्ज की थी प्राथमिकी : बता दें कि एटीएस ने उग्रवादी दिनेश गोप के खिलाफ वर्ष 2023 में कांड संख्या 02/2023 दर्ज किया था. उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 385 और 17 सीएलए क्रिमिनल लॉ एमेंडमेंट एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था. फिलहाल, दिनेश गोप जेल में बंद है. उसपर हत्या, अपहरण, फिरौती और लेवी के 100 से ज्यादा गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं.

ऑटो हड़ताल से यात्री हुए परेशान सड़क से तीन पहिया वाहन गायब

ऑटो की हड़ताल को लेकर राजधानी की सड़क पर परेशान राहगीर.

संवाददाता। रांची

राजधानी में ऑटो परमिट के नियमों में बदलाव के विरोध में ऑटो चालकों ने आंदोलन शुरू कर दिया है. मंगलवार से रांची के 12,500 ऑटो और ई रिक्शा चालक बेमियादी हड़ताल पर चले गए. इस कारण यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. राजधानी के 20 किमी की परिधि में ऑटो चलाने के नियम में बदलाव के विरोध में ऑटो चालकों की हड़ताल शुरू हो गई है.

रांची की ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार के लिए ट्रैफिक पुलिस के द्वारा शहर के 20 किमी की परिधि में ऑटो चलाने के नियम में बदलाव करते हुए 4 जोन में ऑटो परिचालन का रूट बांट कर 3-3 किमी का दायरा बनाया है. इस कारण मंगलवार से 10 हजार से अधिक ऑटो और 2500 ई-रिक्शा चालक हड़ताल पर चले गए हैं. पूरे शहर में ऑटो का परिचालन बंद

इस संबंध में झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने बताया कि ऑटो चालक खुद सड़कों पर उतरकर ऑटो के परिचालन को बंद करवा रहे हैं. ऑटो चालक महासंघ के अनुसार पहले 17 किलोमीटर के दायरे में ऑटो चालक ऑटो चलाते थे, लेकिन नए नियम में मात्र 3 किलोमीटर के दायरे में ऑटो चलाने की इजाजत दी गई है, जो किसी भी कीमत पर कबूल नहीं है. ऑटो चालकों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती हैं, तब तक किसी भी रूट पर ऑटो और ई-रिक्शा का परिचालन नहीं होगा.

डीएसपी नवनीत हेंब्रम ने दिया इस्तीफा, चुनाव लड़ने की चर्चा

संवाददाता। रांची

जैप-9 साहेबगंज के डीएसपी के पद पर पदस्थापित नवनीत हेंब्रम ने इस्तीफा दे दिया है. हालांकि उनका इस्तीफा अभी तक स्वीकार नहीं हुआ है. चर्चा है कि नवनीत हेंब्रम महेशपुर विधानसभा से चुनाव लडेंगे. गृह सचिव को भेजे गये त्यागपत्र में नवनीत हेंब्रम ने कहा है कि उनकी नियुक्ति पांच अप्रैल 2013 को हुई थी. पिछले कुछ महिनों से वह व्यक्तिगत और पारिवारिक समस्याओं की वजह से मानसिक तनाव से गुजर रहा हैं.

ऐसे में वह अपने पद के दायित्व का सही से निर्वहन करने में असमर्थ हैं. इसलिए अपनी स्वेच्छा से वह डीएसपी के पद से त्यागपत्र दे रहे हैं. आगे लिखा कि पुलिस हस्तक नियम 808 के नियमों अनुसार, दो महीने पूर्व त्यागपत्र दे रहा हूं.

सीएम को पत्र लिख डीएसपी की शिकायत

डीएसपी नवनीत हेंब्रम के त्याग पत्र को लेकर खुद को पाकुड़ जिले का निवासी बताने वाले झालो हांसदा ने सीएम को एक पत्र लिखा है. उन्होंने लिखा है कि डीएसपी हेंब्रम पाकुड़ जिले में पहले डीएसपी मुख्यालय और फिर एसडीपीओ महेशपुर के रूप में पदस्थापित रहे हैं. इस दौरान ग्रामीणों के बीच इनकी अच्छी पैठ बन गयी है. वह विधानसभा चुनाव लड़ना चाह रहे हैं और सेवा में रहते हुए भी प्रयासरत हैं. ऐसे अधिकारी को सेवा से मुक्त किया जाये.

महिला सुरक्षा | डीजीपी ने सभी जिलों के एसएसपी-एसपी को आदेश दिया

कार्यस्थल पर विशेष सुरक्षा इंतजाम करें

संवाददाता। रांची

महिला सुरक्षा को लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता ने मंगलवार को समीक्षा बैठक की. इस दौरान उन्होंने सभी जिले के एसएसपी/एसपी को आदेश दिया कि महिलाओं के कार्यस्थल पर सुरक्षा का विशेष इंतजाम करें. डीजीपी ने सभी मेडिकल कॉलेज, अस्पताल, नर्सिंग कॉलेज, कॉलेज छात्राओं और स्कूली बच्चियों की सुरक्षा को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

महिलाओं में पुलिस के प्रति विश्वास पैदा करें : डीजीपी ने कहा कि मेडिकल कॉलेज, अस्पताल, नर्सिंग कॉलेज, कॉलेज की छात्राओं और स्कूल की बच्चियों के सुरक्षा के लिये संस्थान की सभी महिलाओं को पुलिस नियंत्रण कक्ष, महिला थाना प्रभारी और निकटवर्ती थाना प्रभारी का मोबाइल नंबर उपलब्ध कराएं. साथ ही डायल 112 के बारे में जागरूक करें और पुलिस के प्रति महिलाओं में विश्वास पैदा करें. उन्होंने सभी जिले के एसपी को सभी संस्थान में 24x7 सुरक्षा देने और महिलाओं के कार्यस्थल पर शाम सात बजे से सुबह चार बजे तक विशेष सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया. इसके अलावा संबंधित सस्थान के प्रबंधन से मिल कर कार्यस्थल पर सीसीटीवी कैमरा लगवाने और पर्याप्त रौशनी की व्यवस्था कराने को भी कहा.

विडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए दिशा-निर्देश देते डीजीपी अनुराग गुप्ता.

महिलाओं से उनकी समस्या की जानकारी लें : डीजीपी ने सभी जिले के एसएसपी/एसपी से कहा कि थाना प्रभारियों के साथ बैठक कर अपने-अपने जिले में लगने वाले छोटे-छोटे हाट बाजार में जाकर वहां के सब्जी दुकानदार, बाजार की अन्य महिलाओं से उनकी समस्या के बारे में जानकारी लें और उसका सामाधान करें. बाजार में अवैध उगाही करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें. डीजीपी ने कहा कि राज्य के सभी स्कूल बसों के चालक, राज्य से बाहर जाने वाले सभी यात्री बसों के चालकों की ब्रेथ एनालाईजर से जांच करें, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो.

आठ आईपीएस अफसरों का तबादला, दो को मिली पोस्टिंग

संवाददाता। रांची

सरकार ने राज्य के आठ आईपीएस रैंक के अधिकारी का तबादला किया है. वहीं पोस्टिंग के लिए प्रतीक्षारत दो आईपीएस अफसरों का भी पदस्थापन किया गया है. साहिबगंज एसपी के पद पर पदस्थापित कुमार गौरव को जहां लातेहार का एसपी बनाया गया है, वहीं होमगार्ड एसपी के पद पर पदस्थापित अमित कुमार सिंह को साहिबगंज का एसपी बनाया गया है. इससे संबंधित अधिसूचना मंगलवार की रात गिरी कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के द्वारा जारी कर दी गई है.

कौन कहां गए

- कुमार गौरव को लातेहार एसपी के पद पर पदस्थापित किया गया.
- अंजनी कुमार झा को झारखंड पुलिस अकादमी हजारीबाग एसपी के पद पर पदस्थापित किया गया.
- निधि द्विवेदी को एसपी जामताड़ा के पद पर पदस्थापित किया गया
- लातेहार एसपी अंजनी अंजन को एसीबी रांची एसपी के पद पर पदस्थापित किया गया .
- गिरिडीह एसपी के पद पर पदस्थापित दीपक शर्मा को एससीआरबी के पद पर पदस्थापित किया गया
- अमित कुमार सिंह को साहिबगंज एसपी के पद पर पदस्थापित किया गया.
- निमेष नैथानी को गोड्डा एसपी के पद पर पद स्थापित किया गया.
- नाथू सिंह मीणा को एसआईबी स्पेशल ब्रांच एसपी के पद पर पद स्थापित किया गया.
- पोस्टिंग के लिए प्रतीक्षारत डॉ. विमल कुमार को गिरिडीह एसपी के पद पर पदस्थापित किया गया.
- पोस्टिंग के लिए प्रतीक्षारत मनीष टोप्पो को स्पेशल ब्रांच एसपी के पद पर पदस्थापित किया गया है.

बुढ़मू के कुलवे पहाड़ में भव्य जन्माष्टमी मेले का आयोजन

संवाददाता। बुढ़मू

प्रखंड के पर्यटन केंद्र कुलवे पहाड़ स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में जन्माष्टमी को लेकर मंगलवार को विशेष पूजा अर्चना सह मेला का आयोजन किया गया. मेले में प्रखंड के दूर दराज से हजारों की संख्या में दर्शक शामिल हुए जिन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ मेले में आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का लुत्फ उठाया. मेले में लोगों ने जमकर मिठाइयों और कृषि उपकरणों की खरीदारी की. मेले में पूर्व सांसद सह पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, कांग्रेस नेत्री यशस्विनी सहाय, कांग्रेस महासचिव सुरेश बैठा शामिल हुए. आयोजन में मेला समिति के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा. हालांकि तेज बारिश के बावजूद लोगों ने मेले का जमकर आनंद उठाया.

गौ परिक्रमा मंदिर में धूमधाम से मनाई गई जन्माष्टमी : सुकरहुटू गौशाला स्थित गौ परिक्रमा मंदिर में जन्माष्टमी मनाई गई. मौके पर भगवान के विग्रह, मंदिर परिसर एवं कृष्ण गोपाल का पुष्पों से श्रृंगार किया गया. शाम चार बजे कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई. इसके बाद संकीर्तन से पूरे वातावरण को भक्तिमय कर दिया गया. यशोदा मां को होयो रेलाल..., बधाई सारा भक्ता ने... जैसे भजनों पर भक्तगण खूब झूमे. प्रभुकृष्ण को महाभोग प्रसाद, पंजीरी, बादाम, किशमिश, काजूआदि का भोग अर्पित किया गया. श्रीकृष्ण के जन्म पर शंखनाद किया गया और भक्तों ने प्रभु को झूला पर झुलाया.

मटकी फोड़ प्रतियोगिता में बजरंग दल मलती की टीम चैंपियन

मांडर। शिव-दुर्गा मंदिर मांडर समिति की ओर से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर मंदिर परिसर में मटका फोड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर और भाजपा नेता सन्नी टोप्पो मौजूद थे. इस प्रतियोगिता में कुल आठ टीमें शामिल हुईं, इसमें महिलाओं की भी दो टीमें थी. इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहने वाली बंजरग दल मलती की टीम ने महज 38 सेकेंड में 19 फीट की ऊंचाई पर बांधी गई मटकी फोड़ने में सफलता हासिल की. कुरकुरा मंदरो की टीम ने 56 सेकेंड में और महिला टीम की राधा रानी ग्रुप करगे ने 46 सेकेंड में मटकी तोड़ी. विजेता टीमों को पुरस्कार के रूप में नगद राशि और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया. मौके पर चान्हो जिला परिषद सदस्य आशुतोष तिवारी, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि रबूल अंसारी, उपप्रमुख अमानत अंसारी, प्रकाश खलखो, गोपाल उरांव, शंकर आचार्या, मनोज कुमार साहू, अशोक अग्रवाल, विक्की आर्यन नाग, रोहित तिवारी, बजरंग साहनी, बजरंग लोहरा, राजेश केशरी, पिंटू तिवारी, शिव प्रसाद साहू, छेदी प्रसाद, रामप्रकाश साहू, रमेश आदि मौजूद थे.

बीएयू के वेटनरी कॉलेज में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव धूमधाम से मनाया गया. इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने 26 अगस्त को शाम 5 बजे से 11 बजे तक गीत, संगीत, नृत्य का रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया. रात 12 बजे आचार्य सुनील कुमार पांडेय के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया. 27 अगस्त को हवन, आरती और दही हांडी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें स्नातक द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लिया.

भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्य महोत्सव मनाया

रांची। श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर तिरुपति बालाजी मंदिर में मंगलवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत धूमधाम से मनाया गया. इस उपलक्ष्य पर पूर्ण से परिपूर्णतम भगवान श्रीवेंकटेश्वर की प्रातःकाल से ही पूजा-अर्चना जारी रही. उद्यास्तमन सेवा के तहत दूध,दही, हल्दी, चंदन, गंगाजल आदि से उनका महाभिषेक किया गया. इसके बाद अलंकार आदि समर्पण कर भव्य श्रृंगार किया गया.नित्याराधन, महाआरती भोग, गोष्ठी एवं महास्तुति की गयी. मंगलवार को किया गया. शाम चार बजे मंदिर के जगमोहन में पुष्पों से सजे झूले पर विराजमान रहे.

अंतर क्षेत्रीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता आज से

डकरा। एनके एरिया में 28 से 29 अगस्त तक अंतर क्षेत्रीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन होगा. दो दिवसीय आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे. प्रतियोगिता का उद्घाटन 28 अगस्त को प्रातः 10:00 बजे होगा. मुख्य अतिथि सुजीत कुमार, महाप्रबंधक, एनके एरिया उपस्थित रहेंगे. प्रतियोगिता का समापन समारोह 29 अगस्त को संध्या 05:00 बजे होगा, जिसमें मुख्य अतिथि हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक कार्मिक, सीसीएल होंगे. यह जानकारी कार्मिक अधिकारी निखिल अखौरी द्वारा दी गई. प्रतियोगिता की तैयारी युद्धस्तर पर जारी है.

यौन शोषण करने का आरोपी गिरफ्तार

खलारी। थाना क्षेत्र की एक शादीशुदा महिला का यौन शोषण करने के आरोपी प्रमोद कुमार लोहरा को पुलिस ने गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया. थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विजय कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता का पति काम के सिलसिले में बाहर जाता था, उसी दौरान उसकी अपने पड़ोसी प्रमोद से दोस्ती हो गई. इसकी जानकारी होने पर उसके पति ने पीड़िता को छोड़ दिया. इसके बाद प्रमोद पीड़िता को 2020 में गुमला जिले के घाघरा में किराए केमकान में रखा. बाद में प्रमोद ने दूसरी लड़की से शादी कर ली, परंतु वह फिर भी पीड़िता के साथ रहता रहा. वर्तमान में महिला सात माह की गर्भवती है, इधर, प्रमोद उसे छोड़कर अपनी पत्नी के साथ रहने का फैसला किया. इस मामले में पीड़िता ने खलारी थाना में शिकायत दर्ज कराई है.

इश्तियाक से जुड़े पैथोलॉजी की अल्ट्रासाउंड यूनिट सील

हजारीबाग के आइडियल पैथोलॉजी में सीलिंग की कार्रवाई करते अधिकारी.

संवाददाता। रांची/हजारीबाग

अलकायदा के संदिग्ध आतंकी डॉ इश्तियाक से जुड़े पैथोलेजी के अल्ट्रासाउंड यूनिट को मंगलवार को सील कर दिया गया. हजारीबाग में स्वास्थ्य विभाग ने आइडियल पैथोलॉजी के अल्ट्रासाउंड यूनिट को सील किया है. जानकारी के मुताबिक, सिविल सर्जन कार्यालय के दस्तावेज में आइडियल पैथोलॉजी के अल्ट्रासाउंड के लिए रेडियोलॉजिस्ट के रूप में डॉ. इश्तियाक का नाम रजिस्टर्ड है.

इश्तियाक प्रत्येक दिन (रविवार छोड़ कर) आइडियल पैथोलॉजी आता था. वह दोपहर 12 से 3:30 बजे तक काम करने के बाद वापस रांची लौट जाता था. बताया जा रहा है कि डॉ इश्तियाक पांच दिसंबर 2022 से हजारीबाग जिले में नियमित रूप से सक्रिय था. बता दें कि एटीएस द्वारा अलकायदा इन इंडियन सबकांटिनेंट के संदिग्ध डॉ इश्तियाक की रांची से गिरफ्तार किया गया था. इस बीच स्वास्थ्य विभाग को जानकारी मिली कि अल्ट्रासाउंड यूनिट में काम करनेवाले दो कर्मी इश्तियाक के नाम को बदलकर दूसरे डॉक्टर के नाम की एंट्री कराने की कोशिश कर रहे थे.इसके बाद सिविल सर्जन डॉ एसपी सिंह ने अल्ट्रासाउंड यूनिट को तत्काल सील करने का आदेश दिया. कार्रवाई के दौरान दारू सीओ सह कार्यपालक दंडाधिकारी नवीन भूषण कुल्लू, सदर अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राहुल कुमार और डॉ सुभाष प्रसाद मौजूद थे.

लापुंग प्रखंड के सभी मुखिया बेमियादी धरना प्रदर्शन में भाग लेंगे

संघ ने बनायी आंदोलन की रणनीति

संवाददाता। लापुंग

राज्य वित्त आयोग की राशि सीधे ग्राम पंचायत को देने सहित विभिन्न मांगों को लेकर झारखंड राज्य मुखिया संघ के निर्देश पर लापुंग प्रखंड मुखिया संघ की अध्यक्ष सविता उरांव के नेतृत्व में प्रखंड विकास पदाधिकारी ऊषा मिंज को ज्ञापन सौंपकर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन में जाने चेतावनी दी है. मुखिया सविता उरांव ने कहा कि झारखंड सरकार ग्राम पंचायत के अधिकारों का हनन कर रही है और पंचायत की वित्तीय पावर पर ब्रेक लगा रही है. उन्होंने कहा कि इसी निमित्त झारखंड राज्य मुखिया संघ के तत्वावधान में रांची के अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन में सभी पंचायत के मुखिया भाग लेंगे और आंदोलन को सफल बनाएंगे. सविता उरांव ने कहा कि रांची के जाकिर हुसैन पार्क राजभवन के समक्ष शांतिपूर्ण अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा. इस मौके पर सभी मुखिया ने एक स्वर में कहा कि पिछले 24 एवं 29 जुलाई को मांग पत्र सौंपा गया था और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुलाकात एवं वार्ता भी हुई थी. वार्ता हेतु 20 अगस्त का समय दिया गया था. लेकिन किसी तरह की कोई सुनवाई नहीं हुई और सकारात्मक पहल भी नहीं किया गया. इससे पूरे झारखंड प्रदेश के मुखिया संघ में भारी आक्रोश व्याप्त है. लापुंग प्रखंड के सभी मुखिया ने एक स्वर में कहा कि हम सभी राज्य स्तरीय धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में भाग लेने के लिए रांची जा रहे हैं. जिसकी जवाबदेही आपकी है. इस मौके पर सविता उरांव के अलावे दुर्गा उरांव, सरोज मुंडा, मालती रानी केरकेट्टा, बिरसमणी देवी, धुचला मुंडा, राम प्रसाद साहु सहित कई मुखिया मौके पर मौजूद थे.

खास बातें

- बीडीओ को लापुंग प्रखंड मुखिया संघ ने मांग पत्र सौंपा
- मुख्यमंत्री हमारी मांगों को नजर अंदाज कर रहे : सविता उरांव

निरीक्षण विधानसभा की पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति पहुंची खलारी

मोनेट कोल वाशरी व खलारी सीमेंट फैक्ट्री का किया निरीक्षण

संवाददाता। खलारी

झारखंड विधानसभा की पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति के सभापति बहरागोड़ा विधायक समीर मोहंती , प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड,खनन विभाग के अधिकारियों के साथ रविवार की शाम पांच बजे मोनेट डेनियल कोल वाशरी का निरीक्षण किया. मौके पर उनके साथ समिति के सदस्य कांके विधायक समरीलाल, झारखंड विधानसभा के अवर सचिव रविशंकर प्रसाद रणधीर कुमार सिंह के अलावे खलारी सीओ प्रणव अम्बस्ट,बीडीओ संतोष कुमार आदि भी उपस्थित थे. निरीक्षण दल ने कोल परियोजनाओं के परियोजना पदाधिकारी व मोनेट डेनियल कोल वाशरी के महाप्रबंधक से क्षेत्र के पर्यावरण व प्रदूषण को लेकर पूछताछ किया. साथ ही मोनेट डेनियल कोल वाशरी पहुंचकर सोनाडुबी नदी की स्थिति व उसमें गिरने वाले कोयले के डस्ट को देखा. साथ ही वाशरी द्वारा किये गये कोयले के स्टॉक,रिजेक्ट कोल के स्टॉक को भी देखा.वाशरी मुख्य द्वार के निकट पुल पर पसरे कीचड़ को देखकर समीर मोहंती विफर पड़े. उन्होंने केडीएच पीओ को तत्काल इसे दुरूस्त करने कहा ताकि आने जाने वाले ग्रामीणों को परेशानी न हो. कहा कि वाशरी के कारण कोयले का काला पानी नदी में घुल रहा है. आगे जाकर दूसरी नदी को भी प्रभावित करेगा. मौके पर बहरागोड़ा विधायक समीर मोहंती ने कहा कि मोनेट कोल वाशरी द्वारा प्रदुषण को लेकर लगातार शिकायत मिल रही थी जिसको लेकर ही जांच समिति के लोग आये है. जांच के बाद ही इसपर कारवाई किया जायेगा. बताया कि वाशरी में काफी अनियमितता देखने का मिली है. कहा कि नियंत्रण बोर्ड से मिले निर्देशों का सही से पालन नही किया जा रहा है. वाशरी सारे नियम कानून का धज्जियां उड़ा रही है. कहा कि स्थिति देख लिये है सरकार के संज्ञान में आ गया है कहा कि खलारी कोयलांचल के हाल से संबंधित रिपोर्ट विधानसभा को सौंपेंगे.रिपोर्ट के बाद कारवाई की जायेगी. इसके बाद पर्यावरण एवं प्रदुषण नियंत्रण समिति का दल खलारी सीमेंट फैक्ट्री भी गये और वहां बाहर से निरीक्षण किया और गेट से ही लौट गये.

ब्रीफ खबरें

तमाड़ में मुखिया संघ ने बीडीओ को ज्ञापन सौंपा

तमाड़। प्रखंड मुखिया संघ ने मंगलवार को बीडीओ संतोष कुमार प्रजापति को बेमियादी धरना-प्रदर्शन को लेकर ज्ञापन सौंपा. तमाड़ मुखिया संघ की मीडिया प्रभारी विंदेश्वरी देवी ने बताया कि राज्य संघ द्वारा प्रदेश में वित्त आयोग की राशि देने सहित अन्य मांगों को लेकर मंगलवार सेधरना-प्रदर्शन में सभी मुखिया जा रहे हैं. इसलिए प्रखंड के सभी मुखिया धरना-प्रदर्शन में शामिल होंगे. प्रतिनिधि मंडल में मुखिया संघ के अध्यक्ष ब्रह्मानंद सिंह मुंडा, मुखिया प्रमिला कुमारी और ललित कृष्ण मुंडा समेत बड़ी संख्या में मुखिया शामिल थे.

बाथरूम में गिरने से छात्र की मौत

डकरा। केडीएच कॉलोनी में रहने वाले विवेक कुमार नामक एक छात्र का मंगलवार की दोपहर बाथरूम में गिरने से मौत हो गई. घटना के संदर्भ में बताया जाता है कि विवेक दोपहर 1 बजे आवास के बाथरूम स्नान करने बाथरूम गया था. नहाने के दौरान बाथरूम के कमरे में गिर गया. काफी देर बाद जब अपने कमरे में नहीं आया तो परिजनों ने देखा कि विवेक गिर पड़ा है आनन फानन में से डकरा अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया. मृतक के पिता साकू मांझी ने बताया कि विवेक को मिर्गी की बीमारी थी.

खलारी पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया

डकरा। खलारी पुलिस द्वारा डकरा पुल के पास वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया,जिसमें लोगों के गाड़ी के पेपर तथा लाइसेंस और हेलमेट चेकिंग किया जा रहा था,पेपर ना लेकर चलने वालों को हिदायत दिए गए तथा चेतावनी दी गई की अगली बार से पेपर लेकर चले अन्यथा चालान काटा जाएगा, साथ ही साथ हेलमेट के उपयोगिता के बारे में समझाया और तेज रफ्तार तथा ट्रिपल लोडिंग चलने पर मना किया.

वार्ड सदस्यों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

रातू। रातू प्रखंड कार्यालय सभागार में मंगलवार को प्रखंड के सभी पंचायतों के वार्ड सदस्यों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया. शिविर में जिला से आए मास्टर ट्रेनर सतीश कुमार एवं जयपाल महतो ने वार्ड सदस्यों को उनके कार्यों ,अधिकारों, एवं दायित्वों का विस्तृत प्रशिक्षण दिया. शिविर में उमेश सिंह, सुनीता देवी, कोमल देवी पूनम लिंडा ,मंजू देवी,अंजू देवी, फूलमणी देवी,आशा देवी समेत सभी वार्ड सदस्य उपस्थित थे.

सहकारी समिति की वार्षिक आम सभा संपन्न

सोनाहातू । प्रखंड के जामुदाग में आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वावलंबी सहकारी समिति की वार्षिक आम सभा की गई. समिति के सदस्यों ने अपना वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया. समिति के सदस्यों नेबताया कि वार्षिक आय 4,28,000 हुई. आमसभा में मुख्य अतिथि जिला परिषद मंजूसिंह, विधायक प्रतिनिधि श्याम कुमार महतो ने अपना विचार व्यक्त किया.

15 मवेशियों से भरी दो पिकअप वैन जब्त

नामकुम। नामकुम-तुपुदाना रिंग रोड पर डुंगरी के पास खरसीदाग ओपी पुलिस ने मंगलवार की सुबह15 मवेशियों से भरी दो पिकअप वैन जब्त कर ली. वहीं दोनों वैन चालकों विकास कुमार यादव और सत्येंद्र कुमार यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. ओपी प्रभारी भवेश कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि रिंग रोड के रास्ते दो पिकअप वैन से 15 मवेशियों को ले जाया जा रहा है. पकड़े गए चालकों ने बताया कि मवेशियों को भोजपुर के बंबवार से सरायकेला के आदित्यपुर ले जाया जा रहा था. प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ सुरेन्द्र कुमार ने मवेशियों के स्वास्थ्य की जांच की और सभी पशुओं को स्थानीय ग्रामीणों को दे दिया.

सभी बीडीओ व सीओ का प्रशिक्षण शुरू

रातू। चुनाव आयोग के निर्देश पर झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 को नियमानुसार संपन्न कराने को लेकर रातू स्थित जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान (डाइट)के सभागार में राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले प्रखंडों के अंचल अधिकारियों एवं बीडीओ को असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर के अधिकारों,कार्यो, एवं दायित्वों का प्रशिक्षण प्रारंभ हो गया है. पांच दिवसीय इस प्रशिक्षण शिविर में राज्य के सभी सीओ एवं बीडीओ भाग ले रहे हैं.

न्यूज अपडेट

जंगली भालू ने वृद्ध पर किया हमला, घायल

लापुंग। लापुंग थाना क्षेत्र के पांडु गांव के भंगी नदी (पांडु नदी) के समीप गाय बैल चरा रहे डाढ़हा निवासी 75 वर्षीय वृद्ध किसान शंकर गोप के ऊपर एक जंगली भालू ने अचानक हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया. जान बचाने के लिए वृद्ध किसान शंकर जंगली भालू से भिड़ गया. उसके मुंह को अपने दोनों हाथों से रोकने का प्रयास किया. लेकिन जंगली भालू वृद्ध किसान से ज्यादा ताकतवर और खूंखार था. जंगली भालू ने वृद्ध किसान को गिराकर उसके सिर के पिछले हिस्से, हाथ पैर सहित शरीर के विभिन्न अंगों में नुकीले दांत से नोच कर गंभीर रूप से घायल कर दिया. जंगली भालू से बचने के लिए शंकर गोप ने काफी हल्ला गुल्ला किया. बाद में जंगली भालू उसे मरा हुआ समझकर छोड़कर जंगल में प्रवेश कर गया.

ओरमांझी में टैंकर की टक्कर से मजदूर की मौत

ओरमांझी। एनएच 33 पर पुंदाग गांव स्थित टोल प्लाजा के पास सोमवार देर शाम टैंकर की टक्कर से एक मजदूर की मौत हो गई. मृतक 45 वर्षीय महाबली मुंडा पुंदाग गांव निवासी की मौत हो गई. महाबली चुटूपालू साप्ताहिक बाजार से पैदल अपने घर पुंदाग लौट रहा था. टोल प्लाजा के पास रामगढ़ से रांची आ रहे टैंकर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया. स्थानीय लोग उसे पिस्का सीएचसी ले गए, जहां से डॉक्टरों ने उसे रिम्स रेफर कर दिया. रिम्स में डॉक्टरोंने उसे मृत घोषित कर दिया. मंगलवार को बरियातू पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया. महाबली मुंडा क्रशर में मजदूरी का काम करता था. घटना की सूचना मिलने पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था.

इटकी पीएचसी में दो डॉक्टरों की पदस्थापना का निर्देश

इटकी। प्रखंड के पीएचसी में पिछले एक साल से डॉक्टरों का पद रिक्त है. इसके लिए ग्रामीणों द्वारा आंदोलन की खबर अखबार में छपने के बाद विधायक शिल्पी नेहा तिर्की की नींद खुली. मंगलवार को विधायक ने स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग सचिव को पत्र जारी कर इटकी पीएचसी में दो डॉक्टरों की पदस्थापना का निर्देश दिया है. हालांकि सदर अस्पताल रांची से एक डॉक्टर की प्रतिनियुक्त के लिए कार्रवाई करने की बात कही गई है. विधायक ने पत्र में लिखा 65 हजार की आबादी वाले इटकी पीएचसी में लंबे समय से डॉक्टरों का पद रिक्त है. ज्ञात हो कि पिछले वर्ष सितंबर माह में विधायक शिल्पी नेहा तिर्की नेइटकी स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सचिव को दो दिनों के अंदर अस्पताल में डॉक्टर की पद स्थापना के साथ गुणात्मक सुधार लाने का निर्देश दिया था. लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने विधायक के निर्देश को अबतक कोई संज्ञान मेंन हीं लिया जिससे यहां स्थिति बिगड़ती चली गई.

जनप्रतिनिधियों के बगैर सांसद-विधायक ने किया शिलान्यास

रातू। रातू प्रखंड परिसर में मंगलवार को ग्रामीण विकास विभाग विशेष प्रमंडल के द्वारा बनने वाले जिस प्रखंड सह सीओ आवास एवं तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग कर्मचारी आवास का शिलान्यास सांसद संजय सेठ एवं हटिया विधायक नवीन जायसवाल ने किया. उसका निर्माण कार्य पिछले छह महीने से चल रहा है. निर्माण में घोर अनियमितता के कारण कार्य को स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बंद करवा दिया था. अचानक इस भवन का शिलान्यास किया गया वो भी बिना स्थानीय जिला परिषद सदस्य सह अध्यक्ष रांची जिला परिषद को बिना सूचना दिये बगेर हुआँ. जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस तरह जनप्रतिनिधियों को सूचना दिए हुए चुपचाप पुरानी योजना को शिलान्यास कर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का असफल प्रयास है. उन्होंने रातू दक्षिणी जिला परिषद सदस्य मनीषा देवी को भी किसी प्रकार का सूचना नही होने की बात कही.विशेष प्रमंडल जिला परिषद का ही एक अंग है ऐसे में शिलान्यासपट पर नाम दर्ज नहीं करना और सूचना नही देना ओछी राजनीति का परिचायक है. श्रीमती निर्मला भगत ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि सांसद महोदय को ऐसे राजनीति से दूर रहना चाहिए.

जिस जमीन पर हो चुका है खनन कार्य पूरा, उसको सरकार वापस लेगी

रांची। खनन कार्य के लिए कोल इंडिया और बीसीसीएल को को आवंटित की गई वैसी जमीन जमीन, जिसमें खनन कार्य का काम पूरा हो चुका है. उस भूमि को राज्य सरकार वापस लेते हुए उस पर क्षतिपूरक वन रोपण कराएगी. सीएम हेमंत सोरेन ने इस प्रस्ताव पर अपनी सहमति दी है. सीसीएल ने खनन और अन्य गतिविधियों के लिए लगभग 73967 हेक्टेयर भूमि ली है. बताते चलें कि भूमि अधिग्रहण के दौरान, अधिकांश मामलों में भूमि का स्वामित्व स्थापित नहीं होता है. यह मुआवज़े के भुगतान या प्रभावित परिवारों को पुनर्वास और पुनर्वास लाभ प्रदान करने के दौरान स्थापित होता है, जिनसे भूमि का कब्जा प्राप्त होता है.खनन या अन्य कार्य करने के एवज में कोयला कंपनियां राज्य सरकार को गैरमजरुआ जमीन के विरुद्ध सलामी (भूमि का मूल्य), लगान (रेंट) और सेस का भुगतान नहीं कर रही हैं. खान-खदानों के राष्ट्रीयकरण के समय कोयला कंपनियों को वर्ष 1973 में कोल बियरिंग एक्ट (सीबीए) के तहत जमीन दी गयी थी.

झरिया-सिंदरी मुख्य मार्ग पर बना गोफ, दहशत

धनबाद। झरिया-सिंदरी मुख्य मार्ग पर बनियाहीर के समीप मंगलवार की रात अचानक गहरा गोफ बन गया. गोफ से भारी मात्रा में गैस का रिसाव हो रहा है. इससे आसपास के लोगों में दहशत है. सूचना मिलते ही झरिया थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षा के दृष्टिकोण से उक्त स्थल की बैरिकेडिंग कर दी है.

हड़ताल से प्रखंड मुख्यालय में प्रशासनिक कार्य ठप

इटकी। प्रखंड के सभी पंचायत सचिव अपनी दो सूत्री मांगों को लेकर मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए. पंचायत सचिवों के हड़ताल पर चले जाने से प्रखंड मुख्यालय में विकास कार्य ठप हो गया. पंचायत सचिवों ने 2400 ग्रेट पे व बीपीआरओ के प्रमोशन की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ आंदोलन छेड़ दिया है. इससे प्रखंड मुख्यालय में 15वें वित्त आयोग, जन्म-मृत्युप्रमाण पत्र, अबुआ आवास, मंईयां योजना, सरकार आप के द्वार कार्यक्रम सहित विकास कार्य प्रभावित है. इससे पहले प्रखंड के मनरेगा कर्मियों ने पिछले 22 सितंबर से 2000 ग्रेड पे और स्थायीकरण की मांग को लेकर हड़ताल पर हैं.

पूर्व विधायक ने जन चौपाल लगाकर सुनी समस्याएं

अनगड़ा। पूर्व विधायक रामकुमार पाहन ने प्रखंड के राजाडेरा, पसराढीपा, सूपा और सिकिदिरी में विभिन्न समस्या को लेकर जन चौपाल लगाया. ग्रामीणों ने बिजली, सड़क और पेयजल की समस्या रखी. रामकुमार पाहन ने ग्रामीणों से समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया. उन्होंने ने कहा कि वर्तमान सरकार हर क्षेत्र में नाकाम साबित होरही है. मौके पर जगन्नाथ महतो, लोकनाथ महतो, सन्नू महतो, दिनेश महतो, तुलसी महतो, बालेश्वर महतो, जगेश्वर महतो, दीपिका देवी, बालेश्वर महली, रामू महतो, प्रदीप साहू, रमण कुमार, सतपाल राउत और संजय करमाली आदि मौजूद थे.

भंगी नदी पर असंतुलित बाइक सहित सवार गिरा,मौत

लापुंग। लापुंग थाना क्षेत्र के लालगंज भंगी नदी के पुल पर असंतुलित होकर बाइक 40 फीट नीचे नदी में गिरी और नीचे पुल के पिलर से टकराकर बाइक सवार के दर्दनाक मौत हो गई. गार्डवाल नहीं रहने के कारण पुल के दक्षिणी छोर पर मंगलवार को अपराह्न 3:30 बजे मजदूरी कर लापुंग से लालगंज की ओर वापस लौट रहे मजदूर बिरेपन मुंडा पिता ठिसा मुंडा ग्राम चटकपुर अपनी बाइक एलएमएल फ्रीडम बाइक सहित भंगी नदी के नीचे गिर गया. गिरते ही मजदूर बिरेपन मुंडा की मौत हो गई. घटना की सूचना मिलने पर देर शाम मृतक के पिता ठिसा मुंडा और परिजनों सहित गांव के दर्जनों ग्रामीण लापुंग थाना पहुंचे. उनके पिता ठिसा मुंडा ने बताया कि उनका बेटा बिरेपन मुंडा मजदूरी करता था. घटना की सूचना मिलते ही सापुकेरा पंचायत की मुखिया सविता उरांव थाना पहुंची और मामले की जानकारी ली. घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है. शव को बुधवार की सुबह पोस्टमार्टम के लिए रांची भेजा जाएगा.

ब्रीफ खबरें

शिविर में 200 छात्रों की निःशुल्क दांत जांच

रांची। सामाजिक संस्था शारदा फाउंडेशन की ओर से ज्ञानोदय उच्च विद्यालय में निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन 27 अगस्त को किया गया. इसमें कांके रोड स्थित डेंटावीटा डेंटल क्लिनिक की डॉ सौम्या सिन्हा ने 200 से अधिक छात्रों की दांतों की जांच की. उसकी देखभाल के लिए भी जागरूक किया. बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए शिविर लगाया गया.मौके पर डॉ सौम्या ने कहा कि बच्चे दांतों की सफाई पर ध्यान नहीं देते हैं. इस कारण दांतों में कैविटी ज्यादा जमा हो जाती है. इससे दांतों में सड़न होने लगती है.

विश्वकर्मा पूजा समिति के अध्यक्ष बने निरंजन

रांची। जय प्रकाश नगर चुना भट्ठा में मंगलवार को पंचमुखी विश्वकर्मा पूजा समिति कि बैठक शशिकांत कुमार की अध्यक्षता में हुई. बैठक में पिछले वर्ष विश्वकर्मा पूजा की समीक्षा कर लेखा जोखा प्रस्तुत कर इस वर्ष भी 17 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया. बैठक में पदधारियों का चयन किया गया. जिसमें संरक्षक डॉ दिलीप कुमार सोनी, अनिल कुमार गुप्ता, दिनेश प्रजापति, राम प्यारे शर्मा व अशोक विश्वकर्मा चुने गये. सर्वसम्मति से अध्यक्ष निरंजन कुमार शर्मा आदि शामिल हैं.

रिम्स नर्सेस संघ की निदेशक से गुहार

रांची। रिम्स नर्सेस संघ की कमेटी के सदस्यों ने कई वर्ष पहले ही इस्तीफा दे दिया है. बावजूद इसके संघ के लेटर हेड पर उनके नाम का प्रयोग सुनियोजित तरीक़े से किया जा रहा है. इसे लेकर उर्मिला तिर्की, कनकलता किस्कू, पूनम कुजूर ने रिम्स निदेशक को पत्र लिख कर नाम हटाने की गुहार लगाई है. कर्मियों ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि इस संघ का चुनाव कब, कहां और कैसे हुआ इसकी जानकारी मुझे नहीं है. लेटर पैड का बराबर गलत इस्तेमाल सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है. इस तरह मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने का काम किया जा रहा है जबकि एसोसिएशन से मेरा कोई नाता नहीं है.

डीएसपीएमयू में फॉर्म भरने के नौ महीने बाद भी इंटरव्यू नहीं

रांची। मंगलवार को युवा आजसू के प्रतिनिधिमंडल ने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के कुलपति को मैनेजमेंट विभाग में शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया के लिए इंटरव्यू लेने की मांग की. मौके पर मौजूद युवा आजसू के रित्विक राज ने कहा की जल्द ही विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया के लिए इंटरव्यू प्रारंभ नहीं किया गया तो युवा आजसू विश्वविद्यालय में धरना प्रदर्शन आंदोलन के लिए बाध्य होगी. उन्होने बताया कि शिक्षक नियुक्ति के लिए फॉर्म भरे हुए नौ महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक इंटरव्यू नहीं हो सका है.

वैष्णव जन ने श्रद्धाभाव व नेम-निष्ठा से मनाया भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव, व्रत-उपवास कर व्रतधारी कान्हा की भक्ति में रमे रहे

पुष्प सज्जित झूले में कृष्ण रूप में विराजे भगवान वेंकटेश, दर्शन कर श्रद्धालु अहलादित हुए

संवाददाता । रांची

भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि मंगलवार को वैष्णव जन ने श्रद्धाभाव से नेम-निष्ठा पूर्वक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव हर्षोउल्लास से मनाया. व्रत-उपवास कर व्रतधारी कान्हा की भक्ति में रमे रहे. श्रृंगार पूजन कर सांवरे सलोने की आरती उतारी. भोग निवेदित कर मंगल कामनाएं की. मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्य महोत्सव धुमधाम से मनाया गया. विशेष अनुष्ठान हुए. श्रद्धालु दर्शन-पूजन को श्रद्धालुओ का तांता लगा रहा. लक्ष्मी वेंकटेश्वर तिरुपति बालाजी मंदिर में योग और नक्षत्र के उत्तम संयोग बेला में भगवान का दूध, दही, हल्दी, चंदन, गंगाजल और शहद आदि से महाभिषेक किया गया. अलंकार आदि समर्पण कर भव्य श्रृंगार निवेदन किया गया. नित्याराधन, महाआरती भोग, गोष्ठी और महास्तुति कर अर्चको ने मंगल कामनाएं की.शाम चार बजे पुष्प सज्जित झूले पर श्रीदेवी और माता

कृष्ण रूप में विराजे भगवान वेंकटेश की पूजा करते श्रद्धालु.

भूदेवी संग श्रीकृष्ण रूप में विराजमान भगवान वेंकटेश जी का दर्शन पा कर श्रद्धालु अहलादित हो गए. पूर्ण समर्पण भाव से अपने इष्ट के श्रीचरणो में श्रद्धा अर्पित की. रात आठ बजे श्रीविष्णु सहस्त्रनाम पाठ किया गया. श्रीकृष्णनामस्तोत्रम आदि के बाद भजन-संकीर्तन कर श्रद्धालु भक्ति की अविरल धारा प्रवाहित करते रहे. रात नौ बजे तिरुवाराधन, महाआरती, नैवेद्यम, गोष्ठी आदि के साथ शयन आरती उतारी गयी. भक्तों के बीच फलाहारी सिंघाड़ा आटा के हलवा प्रसाद का बांटा गया. अर्चक सत्यनारायण गौतम, गोपेश और नारायण दास ने पूजन-अनुष्ठान संपन्न कराया. पुलक सिंघानिया सपत्नीक इसमें मुख्य यजमान के रूप में हिस्सा लिया. रामअवतार नारसरिया, विनय धरनीधरका, रचना सिंघानिया, प्रदीप नारसरिया, अनूप अग्रवाल, रमेश धरनीधरका, रंजन सिंह, रामवृक्ष साहू, सुशील लोहिया, प्रकाश मोदी, रश्मि मोदी आदि मौके पर मुख्य रूप से मौजूद थे.

जन्माष्टमी मेला में पुरस्कृत हुए रूप सज्जा के विजयी प्रतिभागी

संवाददाता। रांची

श्रीशिव-महावीर मंदिर न्यास समिति, डोरंडा में मंगलवार को जन्माष्टमी मेला लगाया गया. इसमें बाल रूप सज्जा प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को श्रीराम-भरत मिलाप समिति की ओर से पुरस्कृत किया गया.शाम सात बजे से मेला शुरू हुआ. इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओ की भीड़ उमड़ी. हटिया विधायक नवीन जायसवाल, विधायक रामजी लाल शारदा, पूर्व डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय,भाजपा के प्रदेश मंत्री गणेश मिश्रा, डॉ अनील कुमार आदि ने भी इसमें मुख्य रूप से भागीदारी निभायी. मेला घूमने आए श्रद्धालुओं ने लजीज व्यंजन के जायके के साथ भक्ति गीतों के कार्यक्रम का भी जमकर लुफ्त उठाया.

इन्होंने मारी बाजी : शून्य से 6 वर्ष में बम्पर पुरस्कार- चिन्मय शारदा, प्रथम - रियांश भट्ट, द्वितीय - युवांश विजय वभव्यांश पोद्दार, तृतीय- कैरवअग्रवाल, रव्या राय व आकांक्षा मल्होत्रा. 06 से 12 वर्ष मेंलिपिका सैरेढा- बम्पर, प्रथम -शानवी व पहल, द्वितीय- हर्षका कुमारी व कैरव द्वितीय,तृतीय -रिया चन्द्रा. अन्य भाग लेने वाले सभी बच्चो को भी सांतवना पुरस्कार प्रदान किए गए. बीके विजय और रोहित शारदा ने संचालन का कार्यभार संभाला.

दिया योगदान : हरिप्रसाद विजयवर्गीय ,पुरुषोत्तम दास, सरदार अशोक सिंह, योगेश्वर दुबे ,संजय गुप्ता, किशोर विजय, अनूप गुप्ता, मोहन विजय, गजेंद्र राम, इंदू राम, मारूति वर्मन,विनय ठाकुर, देवराज बर्मन, अमित गुप्ता, नम्रता सोनी, कुमुद पांडे, प्रकाश बर्मन, जितेंद्र बरनवाल, प्रिया सिन्हा, मीनू डांगी, रेखा पासवान, महेश विजय, अनूप बर्मन ,प्रदीप वर्मा ,अमित विजय, सम्राट गांगुली आदि ने इसके सफल आयोजन मुख्य योगदान दिया.

डीएवी सरला स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनी : रांची। डीएवी सरला स्कूल तुपुदाना में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया. मौके पर छोटे-छोटे बच्चे राधा व कृष्ण के रंग बिरंगे पोशाक में सज धज कर स्कूल पहुंचे थे, और पूरी तरह से राधा कृष्ण की मुद्राओं में दिख रहे थे. कार्यक्रम की शुरुआत नन्हे मुन्हें बच्चों द्वारा की गई भावपूर्ण प्रार्थना से हुई. जिसमें पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया. बच्चों ने मधुर भजनों की मनमोहन प्रस्तुति दी एवं नृत्य के माध्यम से करुणा, प्रेम और बुराई पर अच्छाई की जीत जैसे शाश्वत मूल्यों को दर्शाया गया. मौके पर विद्यालय की शिक्षिका आरती मिंज,मेघा बाखला एवं महिमा सिंह ने राधा कैसे न जले, मैया यशोदा ये तेरा कन्हैया ,बंशी बजैया नन्दलाल कन्हैया जैसे अनेकानेक भजनों पर नृत्य पेश किया. जिसका बच्चों ने काफी आनंद उठाया और बच्चों ने भी डांडिया के माध्यम से श्री कृष्ण जन्माष्टमी के भजन गीतों पर नृत्य पेश किया. पासवा अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह में मुख्य रूप में शामिल हुए.

छात्रों ने किया फार्मेसी काउंसिल में हल्ला बोल कार्यक्रम का आयोजन

समय के साथ पैसों की बर्बादी से परेशान हैं डी फॉर्मा के छात्र

संवाददाता। रांची

अखिल भारतीय फॉर्मासिस्ट एसोसिएशन झारखंड ने डिप्लोमा इन फार्मेसी परीक्षा समिति व फार्मसी काउंसिल में "हल्ला बोल" कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया. इसमें झारखंड राज्य के सभी जिलों से सैकड़ों की संख्या में डी फॉर्मा के छात्र मौजूद थे. इस कार्यक्रम का आयोजन डिप्लोमा इन फॉर्मेसी छात्रों की परीक्षा समय पर नहीं होने के कारण किया गया. छात्रों ने इस दौरान बताया कि परीक्षा समय पर नहीं होने के कारण उनका समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहा है. छात्रों ने मांग कि की जल्द से जल्द परीक्षा के तारीख की घोषणा की जाए. छात्रों ने बताया कि झारखंड स्टेट फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार के निधन के बाद लंबे समय तक पद खाली रहने से छात्रों को रजिस्ट्रेशन कराने में काफी समस्या हो रही है. उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है. छात्रों ने बताया कि राज्य में कई ऐसे फार्मेसी के छात्रा हैं, जिनका रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाने के कारण विभिन्न क्षेत्रों में निकलने वाली नियुक्तियों के लिए वह योग्य नहीं हैं. बताया गया कि रजिस्ट्रार के निधन के बाद लगातार गलत तरीके से काउंसिल में भ्रष्टाचार का होना हमारे लिए दुर्भाग्यपूर्ण है. संगठन द्वारा कुछ दिन पहले प्रधान सचिव के पास न्यायायिक प्रक्रिया के तहत रजिस्ट्रार की नियुक्ति की मांग की गई थी. कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी शशि भूषण कुमार, प्रदेश अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद, प्रदेश महासचिव अमित कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष अफ्रोज अहमद, प्रदेश सचिव तनवीर हसन एवं अक्षय कुमार के साथ सभी जिलों छात्र मौजूद थे.

"हल्ला बोल" कार्यक्रम में झारखंड राज्य के सभी जिलों से सैकड़ों की संख्या में डी फॉर्मा के मौजूद छात्र.

मंत्री को मांग पत्र सौंपने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं

डी फॉर्मा के छात्र वसीम चौहर ने बताया कि 12 जुलाई को छात्रों ने स्वास्थ्य मंत्री बन्न गुप्ता व स्वास्थ्य सचिव अजर कुमार सिंहर को रजिस्ट्रार की नियुक्ति व परीक्षा कराने के लिए मांग पत्र सौंपा था, आश्वासन मिला पर कोई कार्रवाई नहीं हुई . उन्होंने बताया कि पिछले तीन महीने से हमें बस आश्वासन ही मिल रहा है . परीक्षा नहीं होने के कारण छात्रों में अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है . छात्र अपने भविष्य को लेकर काफी चिंतित हैं .

एकेडमिक कैलेंडर का जारी होना अनिवार्य : कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने मांग की परीक्षा समय पर हो सके इसके लिए एकेडमिक कैलेंडर का जारी होना अनिवार्य है. छात्रों ने बताया कि राज्य के कई जिलों के सरकारी अस्पतालों में रजिस्टर्ड फॉर्मासिस्टों की जरूरत है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने अपनी आखें बंद कर रखी है. काउंसिल को जल्द से जल्द एकेडमिक कैलेंडर जारी करने की जरूरत है, जिससे समय पर परीक्षा हो सके और छात्र अपना रजिस्ट्रेशन सहीं समय पर करवा सके.

डेढ-डेढ साल लेट से हो रही है परीक्षा : डी फॉर्मा के छात्रों ने बताया कि परीक्षा में काफी देरी हो रही है. 2020-22 बैच की परीक्षा डेढ साल विलंब होने के बाद दिसंबर 2023 में संपन्न हुई, तो 2021-23 बैच की परीक्षा अब तक नहीं हो सकी है. वहीं छात्रों ने बताया की फॉर्मासिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा एग्जिट एग्जाम की तारीक घोषित कर दी गयी है, पर झारखंड में अब तक 2022-24 बैच के फाइनल परीक्षा की तारीक घोषित नहीं की गयी है. परीक्षा नहीं होने के कारण छात्र एग्जिट इग्जाम के लिए कैसे योग्य होंगे यह सबसे बड़ा सवाल है.

फॉर्मेसी प्रैक्टिस रेगुलेशन 2015 लागू करने की मांग : छात्रों ने कार्यक्रम के दौरान फॉर्मेसी प्रैक्टिस रेगुलेशन 2015 लागू करने की भी मांग की है. इस रेगुलेशन के तहत फॉर्मासिस्ट दवा लिखने के लिए युग्य होते हैं. छात्रों ने बताया यह फॉर्मासिस्ट का अधिकार है, जिसे कुछ अन्य राज्यों ने लागू किया गया है. झारखंड में भी इसे जल्द से जल्द लागू किया जाए.

कार्यशाला में उपस्थित वाणिज्य एवं उद्योग जगत के गणमान्य एवं प्रगतिशील युवा उद्यमी.

'समाजिक स्टॉक एक्सचेंज- एक्सलरेटिंग सोशल इंपैक्ट' विषय पर कार्यशाला

एसएसई समावेशी तंत्र बनाने में परिवर्तनकारी कदम : किशोर मंत्री

संवाददाता। रांची

इंडियन सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी नेटवर्क (आईएसआरएन) ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के साथ मिल कर 'सोशल स्टॉक एक्सचेंज- एक्सलरेटिंग सोशल इंपैक्ट' शीर्षक से कार्यशाला का आयोजन किया. कार्यक्रम का आयोजन सिटीजन फाउंडेशन, रांची द्वारा किया गया था. इस कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड चैंबर के अध्यक्ष किशोर मंत्री उपस्थित थे. उनके साथ एनएसई के प्रतिनिधि, आईएसआरएन के सीईओ संतोष गुप्ता, खादी ग्रामोद्योग आयोग के पूर्वी केंद्रीय जोनल समिति के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, एनएसई, मुंबई के सुदर्शन और सिटीजन फाउंडेशन के सीईओ और यूएनजीसीएनआई के संयुक्त सचिव गणेश रेड्डी भी मौजद थे. कार्यशाला में आईएसआरएन और सिटीजन फाउंडेशन की टीम के साथ-साथ झारखंड के विभिन्न जिलों से 50 से अधिक एनजीओ के प्रमुख ने भाग लिया.इस दौरान प्रतिभागियों को एनएसई के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी गई, जिसमें बेहतर बाजार पहुंच, सामाजिक उद्देश्यों के साथ निवेशकों के बीच तालमेल, प्रदर्शन आधारित परोपकार, न्यूनतम पंजीकरण लागत और सामाजिक उद्यमों के लिए अतिरिक्त अवसर शामिल थे.

एसएसई समावेशी तंत्र बनाने में परिवर्तनकारी कदम

चेंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने आईएसआरएन और एनएसई की इस पहल की सराहना की . उन्होंने कहा कि सोशल स्टॉक एक्सचेंज एक समावेशी और प्रभावशाली पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है . मुझे विश्वास है कि सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयास से हम स्थायी परिवर्तन को प्रोत्साहित कर सकते हैं और महत्वपूर्ण सामाजिक प्रभाव ला सकते हैं .

हितधारकों के बीच क्षमता निर्माण की प्रतिबद्धता उजागर

आईएसआरएन के सीईओ संतोष गुप्ता ने संगठन की सामाजिक क्षेत्र के हितधारकों के बीच क्षमता निर्माण की प्रतिबद्धता को उजागर किया . उन्होंने कहा कि इन कार्यशालाओं के माध्यम से हमारा उद्देश्य एनजीओ और एनपीओ के बीच जागरूकता पैदा करना और उन्हें सोशल स्टॉक एक्सचेंज के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता प्रदान करना है .

अंजुमन तरक्की उर्दू झारखंड की ऑनलाईन बैठक

रांची । अंजुमन तरक्की उर्दू झारखंड की ऑनलाईन बैठक डॉ यासीन अंसारी की अध्यक्षता में हुई. बैठक में उर्दू यूनियन का सर्वे कराने पर विचार हुए. कहा गया कि आम लोगों को अंजुमन तरक्की से जोड़ने की जरूरत है. तंजीम को पंचायत स्तर तक ले जाना होगा. डॉ हुमायू अशरफ ने प्लस टू विद्यालयों में उर्दू शिक्षकों की तरक्की पर चर्चा किया. डॉ हुसैन नेजामी ने लोगों को उर्दू से जोड़ने पर बल दिया. एमजेड खान ने जुलाई व अगस्त तक की कार्यगुजारी की जानकारी दी.

रांची की महिला टीम ने दुमका को 17-0 से रौंदा

संवाददाता ।रांची

टाटा स्टील फाउंडेशन, झारखंड खेल विभाग और हॉकी झारखंड के संयुक्त तत्वावधान में 25 से 29 अगस्त तक आयोजित 7 वें सीनियर झारखंड राज्य हॉकी चैंपियनशिप में तीसरे दिन 14 मुकाबले खेले गए. पुरुष वर्ग में सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, पलामू, बोकारो, हजारीबाग, रेलवे, एकलव्य हॉकी सेंटर और एनटीएचए की टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंची. वहीं महिला वर्ग में रांची,सिमडेगा, पलामू, पाकुड़,

बोकारो, गुमला, हजारीबाग और एकलव्य सेंटर ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. मंगलवार को महिला वर्ग में गुमला ने देवघर को 5-0 से,रांची ने दुमका को 17-0 से , हजारीबाग और पलामू 0=0 पर ड्रा, पाकुड़ ने ईस्ट सिंहभूम को 6-0 से, सिमडेगा ने वेस्ट सिंभूम 5-0 से पराजित किया. वहीं पुरुष वर्ग में गोड्डा ने देवघर 6-0 से, पश्चिमी सिंहभूम ने पाकुड़ को 4-0 से, रामगढ़ और जामताड़ा 3-3 ड्रा ,गढ़वा ने लोहरदगा को 5-1 से , पूर्वी सिंहभूम ने कोडरमा को 5-0 से,पलामू ने धनबाद को 1-0 से पराजित किया.

शोध परियोजना के तहत 454 बकरियों का टीकाकरण

रांची । बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में बकरी सुधार संबंधी अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना चल रही है. इसके अंतर्गत लोहरदगा जिला के टीको ग्राम में टीकाकरण शिविर और वैज्ञानिक बकरी पालन विषय पर किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया. शिविर में फड़कियां (एन्टेरोटॉक्सीमिया) रोग से बचाव के लिए 454 बकरियों का टीकाकरण किया गया. यह बकरी एवं भेड़ में पाया जाने वाला मुख्य जीवाणु जनित रोग है. यह एक स्पोर फॉर्मिंग रोग है, जिसके रोगाणु मृदा एवं पशु की ग्रास नली में अपनी प्राकृतिक अवस्था में पाये जाते हैं. जबतक इस बीमारी के लक्षण पूरी तरह स्पष्ट होते हैं तबतक चपेट में आए पशु की मृत्यु हो जाती है, इलाज का अवसर प्रायः नहीं मिल पाता.परियोजना की प्रधान अन्वेषक डॉ नंदनी कुमारी ने ग्रामीणों को बताया कि रोग से बचाव के लिए टीकाकरण आवश्यक है, क्योंकि रोग का फैलाव हो जाने पर पशुओं का प्रभावी इलाज मुश्किल हो जाता है. बचने की संभावना बहुत कम रह जाती है. शिविर में बकरियों के लिए बीएयू द्वारा मांगे, डायरिया एवं परजीवी रोगों से बचाव के लिए दवा भी वितरित की गयी. शिविर एवं किसान गोष्ठी में परियोजना के सहायक प्रधान अन्वेषक डॉ दिनेश कुमार एवं डॉ शैलेन्द्र रजक शामिल थे.

अनुराग तिवारी ने मंदिर निर्माण के लिए दिया एक लाख का दान

संवाददाता ।रांची

मन मोहन तिवारी के निधन के पश्चात उनके बड़े पुत्र, अनुराग तिवारी, ने अपने पिता की स्मृति में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है. उन्होंने परसुराम सेना को मंदिर निर्माण के लिए एक लाख रुपये का दान दिया है, यह दान न केवल उनके पिता के धार्मिक विश्वासों और सिद्धांतों को सम्मानित करने के लिए है, बल्कि समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान भी है. अनुराग तिवारी ने कहा, "मेरे पिता के

आदर्शों और उनकी धार्मिक आस्था ने मुझे हमेशा प्रेरित किया है। उनकी स्मृति में यह दान एक छोटा सा प्रयास है जिससे उनके मूल्यों और सिद्धांतों को जीवित रखा जा सके। मैं आशा करता हूं कि यह दान समाज के लिए एक सकारात्मक पहल साबित होगा. परसुराम सेना के पदाधिकारियों ने उनका इस कार्य के लिये सराहना की और मंदिर निर्माण कार्य में इस दान का उपयोग करने का आश्वासन दिया. तिवारी परिवार ने इस अवसर पर समाज के सभी सदस्यों से अपील की है कि वे भी अपने-अपने स्तर पर समाज के विकास और धार्मिक मूल्यों के संरक्षण के लिए योगदान दें.

सीएमपीडीआई | पहली बार 2021 में आईएसओ 37001: 2016 प्रमाणन के साथ मान्यता प्रदान की गयी थी

रिश्वत रोधी प्रबंधन प्रणाली का प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ

संवाददाता। रांची

सीएमपीडीआई (मुख्यालय) रांची को रिश्वत रोधी प्रबंधन प्रणाली का प्रमाणन पत्र प्राप्त हुआ. सीएमपीडीआई में संभावित रिश्वतखोरी के जोखिमों को समाप्त करने के लिए संस्थान द्वारा अपनाए गए एंटी ब्राइबरी मैनेजमेंट सिस्टम (एबीएमएस) की आडिट के पश्चात् भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा आईएसओ 37001:2016 एंटी ब्राइबरी मैनेजमेंट सिस्टम के लाइसेंस का पुनः प्रमाणन किया गया. यह लाइसेंस 17 जनवरी 2027 तक वैध है. बता दें कि सीएमपीडीआई को

पहली बार वर्ष 2021 में आईएसओ 37001:2016 प्रमाणन के साथ मान्यता प्रदान की गयी थी.

यह एंटी-ब्राइबरी मैनेजमेंट सिस्टम (एबीएमएस) प्रमाण-पत्र सीएमपीडीआई की सभी सम्बद्ध प्रयोगशालाओं सहित कर्मियों और अन्य व्यावसायिक प्रक्रियाओं के लिए प्रशिक्षण, आंतरिक सहायता सेवाएं, खनिज गवेषण, माइन प्लानिंग एंड डिजाइन, पर्यावरण प्रबंधन, प्रबंधन प्रणाली, सम्बद्ध इंजीनियरिंग, मानव प्रावधान की सभी गतिविधियों के लिए ब्राइबरी की रोकथाम, इसके पता लगाने और प्रतिक्रिया के संबंध में प्रदान किया गया है.

खास बातें

- एंटी ब्राइबरी प्रबंधन प्रणाली से रुकेगी रिश्वतखोरी
- इससे स्थापित होंगी स्वस्थ जांच प्रक्रियाएं व नियंत्रण

आईएसओ 37001, एक एंटी ब्राइबरी प्रबंधन प्रणाली, संगठनों को रिश्वतखोरी को रोकने, पता लगाने और संबोधित करने में मदद करने के लिए उपायों की एक श्रृंखला निर्दिष्ट करती है.

इनमें एंटी ब्राइबरी नीति अपनाना, एंटी ब्राइबरी अनुपालन, प्रशिक्षण, जोखिम मूल्यांकन और परियोजनाओं और व्यावसायिक सहयोगियों पर उचित परिश्रम की निगरानी के लिए एक व्यक्ति को नियुक्त करना, वित्तीय एवं वाणिज्यिक नियंत्रण लागू करना और रिर्पोटिंग और जांच प्रक्रियाएं स्थापित करना शामिल है.

एनटीपीसी स्वयंसिद्ध महिला क्लब ने महादेव टोली गांव में जरूरतमंदों के बीच बांटी खाद्य सामग्री

संवाददाता ।रांची

एनटीपीसी स्वयंसिद्ध महिला क्लब, कोयला खनन मुख्यालय ने सीएसआर पहल के तहत नामकुमस्थित महादेव टोली गांव में 40 जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री/किराने का सामान बांटा. यह पहल स्वयंसिद्ध महिला क्लब की अध्यक्ष रेखा जैन के मार्गदर्शन में और रॉबिन हुड आर्मी (स्वयं सेवी संस्था) के सहयोग से हुई. रेखा जैन ने स्वयंसिद्ध महिला क्लब की सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने किराने की सामग्री उपलब्ध कराने की पहल में पूरे दिल से योगदान दिया है और उन्हें जरूरतमंदों के उत्थान के लिए

विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया, खास कर बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए,

उन्होंने रॉबिनहुड आर्मी के सदस्यों से भी बातचीत की और उन्हें इस पहल का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित किया और समाज की सेवा करने का अवसर प्रदान करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया. मौके पर कल्याण प्रभारी एवं उपाध्यक्ष शिखा रस्तोगी, सांस्कृतिक प्रभारी एवं उपाध्यक्ष पूर्णिमा श्रीखंडे, कल्याण सचिव मनसा वर्मा, सांस्कृतिक सचिव अनिता प्रसाद और कोषाध्यक्ष स्निग्धा रानी माझी शामिल थीं, लाभार्थियों ने इस पहल को सराहा.

नियंत्रण की चाहत

दुनिया में लोकतंत्र के बड़े पैरोकार देशों में लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लगातार खतरे में हैं. जूलियस असांज के मामले पर दुनिया की चुप्पी बता चुकी है कि अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाएं क्या हैं. भारत में नियंत्रित मीडिया की चर्चा सरेआम है. सोशल मीडिया पर अंकुश लगाने का प्रस्तावित विधेयक हालांकि अभी ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है, लेकिन उसे अमल में लाने की आशंका पूरी तरह खत्म नहीं हुई है. जी-7 के देश दुनिया में लोकतंत्र, मानवाधिकार और स्वतंत्रता की हिमायत का दावा पेश करते हैं. लेकिन इन्हीं जी-7 देशों में एक फ्रांस अपने देश के भीतर लोकतंत्र, व्यक्तिगत आजादी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को ले कर क्या कर रहा है, देखना दिलचस्प होगा. टेलिग्राम प्रमुख की गिरफ्तारी से ये सवाल उठ रहे हैं. फ्रांस की राज्य क्रांति का मुख्य नारा था-स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व. लोकतांत्रिक शासन प्रणानी इसका माध्यम है. मेसेजिंग ऐप टेलीग्राम का डेटा साझा करने के लिए इसके संस्थापक पॉवेल दुरोव पर रूस में दबाव इतना बढ़ा कि छह वर्ष पहले उन्होंने देश को छोड़ने का निर्णय ले लिया. तब वे अमेरिका गए, लेकिन वहां भी माहौल अपने अनुकूल ना पाकर अंततः उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात को ठिकाना बनाया. वहां से चलने वाले टेलीग्राम ऐप के आज एक अरब से ज्यादा यूजर हैं. गुजरे वर्षों में टेलीग्राम, सिग्नल और रंबल की ऐसे सोशल मीडिया ऐप की पहचान बनी है, जो अपना डेटा किसी सरकार के साथ साझा नहीं करते. यूक्रेन युद्ध और गाजा में इजराइली नरसंहार शुरू होने के बाद से ऐसे संकेत मिलने लगे कि खासकर टेलीग्राम और रंबल पर पश्चिम के प्रतिकूल गुटों का डेटा देने के लिए उन देशों में दबाव बढ़ रहा है. रंबल की कहानी यह है कि उसे चीन में प्रतिबंधित कर दिया गया, क्योंकि वह वहां सरकार के आलोचकों को मंच उपलब्ध करवाता था. अब बदला हुआ नज़ारा देखिए. दुरोव को फ्रांस के एक हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया गया. इल्जाम लगाया गया है कि मादक पदार्थों के तस्कर संवाद आदान-प्रदान के लिए टेलीग्राम का इस्तेमाल करते हैं, जिनके डेटा को दुरोव की कंपनी सरकार से साझा नहीं कर रही है. उसी रोज पावलोवस्की ने एक्स (ट्विटर) पर बताया कि फ्रांस में उन पर भी डेटा शेयर करने का दबाव है और अब वे सुरक्षित यूरोप से बाहर निकल गए हैं. एक समय था, जब विचारों या मुक्त अभिव्यक्ति के लिए उत्पीड़ित लोग यूरोप की तरफ भागते थे. आज हालात कहां पहुंच गए हैं? कुछ महीने पहले दुरोव ने कंजरवेटिव अमेरिकी पत्रकार टकर कार्लसन को दिए इंटरव्यू में रूस में अपने उत्पीड़न की कहानी बताई थी. जब दुरोव को फ्रांस में गिरफ्तार किया गया, तो कार्लसन ने कहा- 'अभिव्यक्ति की आजादी हर जगह सिकुड़ रही है. भूतपूर्व फ्री वर्ल्ड पर अंधेरा तेजी से छा रहा है.' यही वह बदलाव है, जिस वजह से पश्चिम का सॉफ्ट पॉवर क्षीण हुआ है, बाकी दुनिया पर उसका प्रभाव घटा है और ऊंचे उसूलों की उसकी बातें वजन खोती चली गई हैं. दरअसल अनुदारवादी आर्थिक नीतियों और बढ़ते कारपारेट प्रभाव के कारण अनेक देशों में नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा बढ़ रही हैं.

> जी-7 के देश दुनिया में लोकतंत्र, मानवाधिकार और स्वतंत्रता की हिमायत का दावा पेश करते हैं. लेकिन इन्हीं जी-7 देशों में एक फ्रांस अपने देश के भीतर लोकतंत्र, व्यक्तिगत आजादी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को ले कर क्या कर रहा है.

सुभाषित

सुखार्थी त्यजते विद्यां विद्यार्थी त्यजते सुखम् ।
सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम् ।।

जो व्यक्ति सुख के पीछे भागता है उसे विद्या का त्याग करना पड़ता है. जिसे विद्या प्राप्त करनी है उस व्यक्ति लिए सुख का त्याग आवश्यक हो जाता है. सुख के पीछे भागने वाले को विद्या कैसे प्राप्त होगी तथा जिसको विद्या प्राप्त करनी है उसे सुख कैसे मिलेगा?

बांग्लादेशी राष्ट्रवाद की सियासी उलझनें

बांग्लादेश के तमाम इतिहासकार और राजनीतिशास्त्री यह दावा कर रहे हैं कि बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में भारत का योगदान निःस्वार्थ नहीं था. भारत का इस लड़ाई में मदद देने का भूराजनीतिक स्वार्थ था और 1971 के बाद इसका परिणाम स्पष्ट तौर पर देखा जा सकता है. सन 1971 के बाद दक्षिण एशिया में भारत ज्यादा शक्तिशाली होकर उभरा. बांग्लादेश के मुक्तियुद्ध को हालांकि शेख मुजीबुर्रहमान और जनरल जियाउर्रहमान ने एक साथ लड़ा, लेकिन अब दोनों की विरासत अलग अलग हो चुकी है.

• देश-काल

अरुण कुमार त्रिपाठी

बांग्लादेश में पांच अगस्त 2024 को शेख हसीना वाजिद के तख्तापलट के बाद भारत में बांग्ला राष्ट्रवाद को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं. भारत के लोगों में यह आम धारणा है कि वहां के राष्ट्रवाद में एक तत्व सेक्यूलर है तो दूसरा धार्मिक और कट्टर. जो सेक्यूलर है वह भारत समर्थक है और जो कट्टर धार्मिक है वह भारत विरोधी. सेक्यूलर राष्ट्रवाद का आधार बांग्ला भाषा है, जो पाकिस्तान के विरोध में और भारत की मदद से खड़ा हुआ है. जबकि धार्मिक राष्ट्रवाद का आधार इस्लाम है, जो पाकिस्तान के पक्ष में है और वहां की मुस्लिम पहचान से जुड़ा हुआ है. इसीलिए तख्तापलट के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ बताया जा रहा है. इसी के साथ यह देखने को भी मिल रहा है कि जब लोकतंत्र पर राष्ट्रवाद हावी हो जाता है तो वह कितना अल्पसंख्यक विरोधी और हिंसक हो जाता है. वह उनकी मूर्तियां भी गिराने से परहेज नहीं करता जिन्हें कभी राष्ट्रपिता के रूप में प्रतिष्ठा दी गई होती है. बांग्लादेश के ताजा विवाद में एक ओर शेख मुजीबुर्रहमान की विरासत है तो दूसरी ओर जियाउर्रहमान की विरासत है. चूंकि मुजीबुर्रहमान की विरासत पिछले पंद्रह वर्षों से चल रहे शेख हसीना के अधिनायकवादी शासन से जुड़ गई है, इसलिए अब उसे नकारा जा रहा है. इसी के साथ नकारा जा रहा है बांग्लादेश के उदय में भारत का योगदान. कहा जा रहा है कि किसी बच्चे के जन्म में दाई का योगदान होता है, लेकिन उसे मां का दर्जा कैसे दिया जा सकता है. बांग्लादेश के तमाम इतिहासकार और राजनीतिशास्त्री यह दावा कर रहे हैं कि बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में भारत का योगदान निःस्वार्थ नहीं था. भारत का इस लड़ाई में मदद देने का भूराजनीतिक स्वार्थ था और 1971 के बाद इसका परिणाम स्पष्ट तौर पर देखा जा सकता है.

सन 1971 के बाद दक्षिण एशिया में भारत ज्यादा शक्तिशाली होकर उभरा. बांग्लादेश के मुक्तियुद्ध को हालांकि शेख मुजीबुर्रहमान और जनरल जियाउर्रहमान ने एक साथ लड़ा, लेकिन अब दोनों की विरासत अलग अलग हो चुकी है. एक विरासत की दावेदार हसीना की अवामी लीग है तो दूसरे की दावेदार बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी है. अवामी लीग मानती है कि मुक्तियुद्ध जनता के संघर्ष से जीता जा सका और उसका नेतृत्व मुजीब कर रहे थे. जबकि बीएनपी मानती है कि उस युद्ध को जीतने में जियाउर्रहमान के सैन्य नेतृत्व का बड़ा योगदान है. बीएनपी के लोग यह भी कहते हैं कि मुजीब तो सात मार्च 1971 तक पाकिस्तान का समर्थन कर रहे थे. उन्होंने छात्रों के दबाव में अपना भाषण दिया और आखिर में जो नारा लगाया वह था-जय बांग्ला, जय पाकिस्तान. लेकिन बांग्लादेश के राष्ट्रवाद की यह बहस 1947 के विभाजन और उससे और पीछे 19 वीं और बीसवीं सदी के अतीत में जा रही है. दरअसल वह बहस एक ओर उर्दू और बांग्ला भाषा के टकराव तक जाती है तो दूसरी ओर संस्कृत से लदी बांग्ला और फारसी और अरबी से प्रभावित बांग्ला की ओर भी जाती है. उसमें एक ओर कलकत्ता के हिंदू लेखकों और साहित्यकारों की बांग्ला है तो दूसरी ओर मुसलमानी बांग्ला है.

अगर 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश के अलग होने की एक वजह भाषा रही है तो 1947 में और उससे पूर्व पश्चिम और पूर्वी बंगाल के बीच दरार की वजह भी भाषा रही है. यानी भाषा अगर पूर्वी और पश्चिमी बंगाल को नजदीक लाती है तो दूर भी ले जाती है. उससे पहले उस आख्यान पर भी चर्चा जरूरी है जो भारत के तमाम बौद्धिक लिए बैठे हैं और जिसे बांग्लादेश के लोग काटने पर जुटे हैं. जहांगीरनगर विश्वविद्यालय में पढ़ाने वाले बांग्लादेश के इतिहासकार सईद फिरदौस लिखते हैं कि अब तक विभाजन का जो भी इतिहास लिखा गया है, उस पर भारत का नजरिया हावी है. बांग्लादेश से भारत गए तमाम बौद्धिकों और साहित्यकारों ने यह आख्यान रचा कि विभाजन बहुत दुखद घटना थी और इस पर खुशी किसी भी नजर से नहीं जताई जा सकती. लेकिन सईद कहते हैं कि ऐसा नहीं है. जो लोग पूर्वी बंगाल छोड़कर भारत गए थे, उनमें ज्यादा गुस्सा था. इसके उदाहरण के तौर पर सुनील गंगोपाध्याय, महाश्वेता देवी और मृणाल सेन जैसे बड़े रचनाकारों को लिया जा सकता है. लेकिन जो लोग उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार और उड़ीसा से पूर्वी बंगाल गए, उनमें एक प्रकार से मुस्लिम पहचान पाने की खुशी थी.

पाकिस्तान की समर्थक नृतत्वशास्त्री दीना सिद्दीक कहती हैं कि पूर्वी बंगाल के मुसलमानों में एक प्रकार की खुशी थी कि उन्हें एक अलग मुस्लिम पहचान मिलेगी और हिंदू जमींदारों से आजादी मिलेगी. इसी उम्मीद में नामशूद्र भी थे कि उन्हें एक बराबरी वाला समाज मिलेगा. क्योंकि पूर्वी बंगाल के मुसलमान पश्चिमी बंगाल की तुलना में ज्यादा गरीब थे. हालांकि उनके भीतर अपनी भाषा और संस्कृति की चेतना ज्यादा स्वाभिमान लिए हुए थी और वे कलकत्ता की हिंदू बांग्ला सांस्कृतिक चेतना से अपमानित महसूस करते थे. उनका मानना था कि उन्हें बराबरी का दर्जा नहीं मिलता. बराबरी की इसी उम्मीद में संविधानविद और नामशूद्र जोगेंद्र नाथ मंडल भी पाकिस्तान गए और उन्हें उम्मीद थी कि वे वहां का संविधान लिखेंगे. इस उम्मीद की विफलता की अलग कहानी है और इसी तरह उन उर्दू बोलने वाले बिहारी मुसलमानों की अलग कहानी है, जो भारत से इस उम्मीद में गए थे कि उन्हें वहां पहचान प्राप्त होगी और सम्मान मिलेगा. सन् 1971 में उन पर खुलना और चटगांव में हमले किए गए और उनका नरसंहार किया गया. सईद फिरदौस कहते हैं कि विभाजन के बारे में जो आख्यान चलाया जाता है वह अर्द्ध सत्य है. वह भारत की दुखद स्मृतियों से भरा है, लेकिन उसमें बंगाली मुसलमानों को मिलने वाली नई पहचान और खुशी का जिक्र नहीं है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

आनंद की खोज

मानव समाज आदिकाल से ही आनंद की खोज में लगा है, लेकिन सच्चाई तो है कि उसे ढूंढना कहां? वह तो आपके अंतःकरण में विराजमान है. उसे पहचाने की आवश्यकता होती है. आनन्द अन्तर्मन में ही छुपा होता है. बाहरी संयोगों का सुख, केवल और केवल मृगतृष्णा है. यदि हृदय प्रफुल्लित नहीं तो कोई भी बाहरी सुख-सुविधा हमें प्रसन्न करने में समर्थ नहीं. और यदि मन प्रसन्न है, संतुष्ट है तो कोई भी दुविधा हमें दुखी नहीं कर सकती. किसी गांव में एक बुढ़िया रात के अँधेरे में अपनी झोपडी के बहार कुछ खोज रही थी. तभी गांव के ही एक व्यक्ति की नजर उस पर पड़ी , "अम्मा! इतनी रात में रोड लाइट के नीचे क्या ढूंढ रही हो ?", व्यक्ति ने पूछा. "कुछ नहीं! मेरी सूई गुम हो गयी है, बस वही खोज रही हूं.", बुढ़िया ने उत्तर दिया. फिर क्या था, वो व्यक्ति भी महिला की मदद में जुट गया और सूई खोजने लगा. कुछ देर में और भी लोग इस खोज अभियान में शामिल हो गए और देखते- देखते लगभग पूरा गांव ही इकठ्ठा होकर, सूई की खोज में लग गया. सभी बड़े ध्यान से सूई ढूंढने में लगे हुए थे कि तभी किसी ने बुढ़िया से पूछा ,"अरे अम्मा ! ज़रा ये तो बताओ कि सूई गिरी कहां थी?" "बेटा , सूई तो झोपड़ी के अन्दर गिरी थी.", बुढ़िया ने ज़वाब दिया. ये सुनते ही सभी बड़े क्रोधित हो गए. भीड़ में से किसी ने ऊँची आवाज में कहा, "कमाल करती हो अम्मा ,हम इतनी देर से सूई यहां ढूंढ रहे हैं जबकि सूई अन्दर झोपड़े में गिरी थी, आखिर सूई वहां खोजने की बजाए, यहां बाहर क्यों खोज रही हो ?" बुढ़िया बोली, " झोपडी में तो धुप्प अंधेरा था, यहां रोड लाइट का उजाला जो है, इसलिए." मित्रों, हमारी दशा भी इस बुढ़िया के समान है. हमारे चित्त की शान्ति, मन का आनन्द तो हमारे हृदय में ही कहीं खो गया है, उसे भीतर आत्म-अवलोकन के द्वारा खोजने का प्रयास होना चाहिए. वह श्रम तो हम करते नहीं, क्योंकि वहां सहजता से कुछ भी नजर नहीं आता, बस बाहर की भौतिक चकाचौंध में हमें सुख और आनन्द मिल जाने का भ्रम लगा रहता है. शायद ऐसा इसलिए है कि अन्तर में झांकना बडा कठिन कार्य है, वहां तो हमें अंधकार प्रतीत होता है, और चकाचौंध में सुख खोजना बडा सहज ही सुविधाजनक लगता है. किन्तु यथार्थ तो यह है कि आनन्द जहां गुम हुआ है उसे मात्र वहीं से ही पुनः प्राप्त किया जा सकता है.

विकास व विनाश के बीच आदिवासी संस्कृति

• संस्कृति

अंजनी कुमार

जुलाई, 2024 के मध्य में पूरी दुनिया में उस समय सनसनी दौड़ गई, जब पेरूवियन अमेजन का आदिवासी माशिको पिरो घने जंगलों से निकलकर नदी के खुले तट पर दिखाई दिये. पर्यावरण और आदिवासी समुदाय पर काम करने वाले वैज्ञानिकों ने बताया कि ऐसा पहले भी देखा गया था, लेकिन यह छिटपुट होने वाली घटनाएं थीं और संख्या बेहद कम होती थी. इस बार नदी के खुले तट पर काफी बड़ा समूह दिखाई दिया था. इसलिए इस क्षेत्र में काम करने वाले वैज्ञानिक और सामाजिक कार्यकर्ता काफी चिंतित हुए. भारत में उस समय मीडिया में, खासकर हिंदी में इस घटना को एक 'अजूबा' की तरह पेश किया गया और रोचक बनाने के नाम पर इसमें हद दर्जे की असंवेदनशीलता भी प्रदर्शित की गयी. लेकिन, इस क्षेत्र में काम करने वालों ने पर्यावरण में आ रहे बदलाव, जंगल की कटाई और इसमें दखल की नीति को लेकर अपना कड़ा विरोध दर्ज करते हुए मांग की कि अमेजन के जंगलों में जिस तरह से छेड़छाड़ हो रही है, उसे तुरंत रोका जाना चाहिए. अमेजन का जंगल ब्राजील, पेरू सहित कई देशों की सीमाओं में फैला हुआ है. ब्राजील की दक्षिणपंथी सरकार ने बड़े पैमाने पर जंगलों को नष्ट किया था. लकड़ियों की जरूरत और कथित विकास के दावों में अन्य देश भी इसमें पीछे नहीं रहे हैं. पिछले 6 सालों से अमेजन के पर्यावरण में काफी बदलाव देखा गया है. इसके अतिरिक्त अलनीनो का असर भी इस इलाके पर पड़ा है. तापमान में हो रही वृद्धि को यहां साफ देखा जा सकता है. खासकर, जंगलों में लगने वाली आग काफी भयानक हो चुकी है.लेकिन, यहां यूरोपीय उपनिवेशवाद की 200 साल पुराना 'सभ्य' बनाने वाला तर्क काम नहीं करता, जिससे 'विकास' कार्यों को उचित ठहराया जा सके. भारत में यह तर्क 2011-12 में कांग्रेस की यूपीए सरकार खुलेआम दे रही थी. जबकि, आरएसएस यही काम पिछली कई पीढ़ियों से उन्हें आदिवासी की जगह 'वनवासी' बनाने और उन्हें हिंदू बनाने में लगी हुई है. अब भी विकास को इन्हीं संदर्भों में परिभाषित और व्याख्यायित किया जा रहा है. यह अकारण नहीं है कि खुद सरकार की अपनी रिपोर्ट भी, जो 2010 में आई, वह जमीनों के अधिग्रहण और कब्जा को अंग्रेजों के बाद सबसे बड़ी जमीन की लूट बताया था. विकास की जरूरतों का औपनिवेशिक मॉडल भारत में अब भी बरोकटोक न सिर्फ चल रहा है, इसे शहर के मध्य और उच्च वर्ग के किसी के भी मुंह से सामान्य तौर पर सुना जा सकता है. इन सभी का अंतिम परिणाम हम 1950 से चल रहे विकास की परियोजनाओं के संदर्भ में देखें तो यही आदिवासी समुदाय रहा है और खुद सरकारी रिपोर्ट बताती भी रही हैं कि सभी विस्थापितों और प्रभावितों का पुनर्वास और व्यवस्थापन नहीं हो सका. कांग्रेस नेता जयराम रमेश के एक सवाल के जवाब में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने जब कई पन्ने का जवाब दिया, तब यह अखबार की सुर्खियों का हिस्सा बन गया. यह सवाल और जवाब भारत के सबसे संवेदनशील इलाका माने जाने वाले अंडमान निकोबार द्वीप में अधिसंरचनात्मक विकास परियोजनाओं की मंजूरी को लेकर थी. उन्होंने लिखित जवाब में बताया कि यह परियोजना सुरक्षा हितों को लेकर है. इस पत्र में, जैसा कि इंडियन एक्सप्रेस ने उद्धृत किया है, लिखा हैः 'इम्पॉवर्ड समिति ने अपने निरीक्षण में पाया है कि आदिवासी जनसंख्या के हितों, खासकर शोम्पेन, जो बेहद असुरक्षित आदिवासी समूह है, पर बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा और आदिवासियों के विस्थापन की अनुमति नहीं है.'' इस परियोजना में मालवाहक बंदरगाह, एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक बिजली उत्पादन केंद्र, एक बसावट और इससे जुड़ी संरचनाओं का निर्माण शामिल है. केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव अपने जवाब में बताते हैं कि इस द्वीप पर इस निर्माण से जैविक विविधता, अर्थव्यवस्था, कोरल संरचनाएं, आदिम जनजाति और वन्य जीवन का पूरी तरह से ख्याल रखा जाएगा. ऐसा लगता है कि भारत में विकास की जो नीतियां अपनाई गई हैं, वह अपनी औपनिवेशिक मानसिकता, प्रबंधन और योजना से किसी भी सूरत में बाहर नहीं आना चाहतीं. वह विकास को एक ऐसे मिशन की तरह देखती हैं, जिसमें पूंजी की प्रधानता उसके कच्चा माल दोहन पर अधिक है. यह भारत में औपनिवेशिक दासता की निरंतरता की तरह ही है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> ब्राजील की दक्षिणपंथी सरकार ने बड़े पैमाने पर जंगलों को नष्ट किया था. लकड़ियों की जरूरत और कथित विकास के दावों में अन्य देश भी इसमें पीछे नहीं रहे हैं. पिछले 6 सालों से अमेजन के पर्यावरण में काफी बदलाव देखा गया है. इसके अतिरिक्त अलनीनो का असर भी इस इलाके पर पड़ा है. तापमान में हो रही वृद्धि को यहां साफ देखा जा सकता है.

अनेक सिद्धांतों के बीच अनसुलझा रहस्य

• विमर्श

डॉ. नवनीत नव

बात है आज से 13.82 बिलियन वर्ष पहले की. हमारा ब्रह्मांड एक महा विस्फोट यानी बिग बैंग के साथ अस्तित्व में आता है. महाविस्फोट उस अर्थ में विस्फोट नहीं था, जिस अर्थ में हम समझते हैं कि भीषण आवाज के साथ कोई बम फटा हो. असल में एक सिंगुलैरिटी यानी अनंत घनत्व और अनंत ऊर्जा से भरे हुए एक बिंदु के एकदम से हुए फैलाव को महा विस्फोट की संज्ञा दी जाती है. इस थ्योरी पर अधिकतर वैज्ञानिक सहमत हैं. हालांकि कुछ वैज्ञानिक व दार्शनिक दूसरी थ्योरीज भी प्रस्तुत करते हैं, लेकिन हमारी आज की वैज्ञानिक जानकारी, समझ और साक्ष्यों के आधार पर सबसे ज्यादा सटीक और मान्य थ्योरी यही है. हो सकता है आने वाले समय में इसका बेहतर प्रारूप या फिर इससे बेहतर कोई थ्योरी आ जाये. लेकिन फिलहाल हमारे पास सबसे बेहतर यही है. खैर. क्या आपके दिमाग में कभी आया है कि बिग बैंग से पहले क्या था? जरूर आया होगा. मेरे दिमाग में भी आता है. मतलब कुछ तो हुआ ही होगा. नहीं? तो चलिए चलते हैं एक और कॉस्मिक यात्रा पर. मैं हूं आपका सहयात्री डॉ नवमीत और हम चल रहे हैं ब्रह्मांड की जन्म से पूर्व के समय में. लेकिन लेकिन लेकिन. समय और स्पेस तो एक ही साथ शुरू हुए हैं. राइट? मतलब थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी तो कहती है कि समय स्पेस से अलग है ही नहीं. तो स्पेस से पहले समय का क्या मतलब हुआ? वेल दिस इज अ फिलोसॉफिकल (और साइंटिफिक भी) क्वेश्चन. इसका उत्तर मुझे नहीं पता. अब इससे पहले कि चीजें और ज्यादा कॉम्प्लिकेटेड हों और मैं बात का बतंगड़ बना दूं, हम अपनी यात्रा शुरू करते हैं. सबसे पहले हम थोड़ा रिवीजन कर लेते हैं उन बातों का जिनके बारे में हम पहले से ही जानते हैं. जैसे कि बिग बैंग. इसके अनुसार यूनिवर्स एक अत्यधिक गर्म और सघन बिंदु से शुरू हुआ था और यह आज तक फैल रहा है. ब्रह्मांड में जितना भी पदार्थ और ऊर्जा है वे सब एक सिंगुलैरिटी में समाये हुए थे. यह थ्योरी यूनिवर्स के जन्म पर तो प्रकाश डालती है, लेकिन इसके जन्म से पहले क्या था इसपर इसके पास कोई जवाब नहीं है. जैसा कि नील डिग्रास टायसन कहते हैं, "हम जितना सोच सकते हैं, यूनिवर्स उससे भी ज्यादा अजीब है." तो चलिए अपने भीतर के शरलॉक होम्स को जगाते हैं और थोड़ा कॉस्मिक डिटेक्टिव वर्क करते हैं. इस संदर्भ में अनेक थ्योरीज हैं जिनकी चर्चा हम इस पोस्ट में करेंगे. सबसे पहली थ्योरी है.क्वांटम फ्लक्चुएशंस. यह ब्रह्मांड के जन्म से पहले का अनुमान लगाने वाली सबसे बेहतर थ्योरीज में से एक है. तो क्वांटम फ्लक्चुएशंस क्या होते हैं? ये वैक्यूम ऑफ स्पेस यानी अंतरिक्ष के निर्वात में होने वाले ऊर्जा के अत्यंत छोटे और रैंडम परिवर्तन होते हैं. मतलब क्या कहेंगे? जैसे वैक्यूम में ऊर्जा की हिचकियां आ रही हों. आइडिया ये है कि यूनिवर्स भी वैक्यूम के अंदर इसी तरह के क्वांटम फ्लक्चुएशंस से पैदा हुआ है. जैसे एक शांत तालाब है और इसमें अपने आप रैंडम लहरें पैदा होने लग जायें. इस थ्योरी के अनुसार ऐसे ही एक फ्लक्चुएशन से बने एक क्वांटम बुलबुले के फैलने से हमारे यूनिवर्स का जन्म हुआ. इमेजिन कि आप एक कोल्ड ड्रिंक की बोतल खोलते हैं तो उसमें से गैस के बुलबुले फूटते हैं. हो सकता है कि ब्रह्मांड भी ऐसा ही एक बुलबुला हो. मल्टीवर्स थ्योरी. अगर आप क्वांटम फ्लक्चुएशंस से कन्विंस नहीं हो पा रहे हैं तो शायद यह थ्योरी आपका ध्यान आकर्षित करे. इसके अनुसार हमारा ब्रह्मांड ऐसे अनंत यूनिवर्स में से एक हो सकता है जो लगातार अस्तित्व में आ रहे हैं और खत्म हो रहे हैं. जैसे किसी बहुत बड़े महासागर में बुलबुले उठते हैं और खत्म हो जाते हैं. हर बुलबुला एक अलग यूनिवर्स है जिसका अपना अलग बिग बैंग है और अपने भौतिकी के नियम हैं. हमारे अपने यूनिवर्स के ही अलग अलग स्थानों पर स्पेस टाइम अलग हो सकता है. जैसे ब्लैक होल में समय का व्यवहार पृथ्वी से अलग होता है. ब्लैक होल एक रहस्य है लेकिन इनका अस्तित्व है. हो सकता है कि मल्टीवर्स का भी अस्तित्व हो. या फिर हो सकता है कि यह भी एक गलत थ्योरी हो. हम पक्के तौर पर नहीं कह सकते. आवर्तनशील ब्रह्मांड. इसके अनुसार यूनिवर्स जन्म, मृत्यु और फिर जन्म के एक अनंत चक्र से गुजर रहा है. बिग बैंग होता है, यूनिवर्स का फैलाव होता है, फिर सिकुड़न होता है, फिर यह नष्ट होता है और फिर से बैग बैंग होता है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> मैं हूं आपका सहयात्री डॉ नवमीत और हम चल रहे हैं ब्रह्मांड की जन्म से पूर्व के समय में. लेकिन लेकिन लेकिन. समय और स्पेस तो एक ही साथ शुरू हुए हैं. राइट? मतलब थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी तो कहती है कि समय स्पेस से अलग है ही नहीं. तो स्पेस से पहले समय का क्या मतलब हुआ? वेल दिस इज अ फिलोसॉफिकल (और साइंटिफिक भी) क्वेश्चन.

मीडिया में अन्यत्र

पेंशन का सुरक्षा कवच कितना प्रभावी

आखिरकार केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के पेंशन के मुद्दे को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए इस उलझन को दूर करने का प्रयास किया है. उसने पुरानी पेंशन और एनपीएस के बीच का रास्ता निकाल जहां कर्मचारियों के हितों को तरजीह दी है,वहीं राजकोषीय दबाव को भी कम किया है. निस्संदेह, हाल में घोषित एकीकृत पेंशन स्कीम से कर्मचारियों की आर्थिक सुरक्षा को संबल मिलेगा. जिसमें एक निश्चित पेंशन, फैमिली पेंशन का आश्वासन तथा मुद्रास्फीति के दबाव से राहत का प्रयास सम्मिलित है. इस योजना में सेवानिवृत्ति से पहले वर्ष में बारह माह के औसत मूल वेतन का पचास फीसदी पेंशन के रूप में मिलेगा. जिसमें कर्मचारी का योगदान तो दस फीसदी ही रहेगा, लेकिन सरकार का योगदान 14 फीसदी से बढ़कर 18.5 फीसदी हो जाएगा. यह लाभ 25 साल की सेवा के बाद मिलेगा, लेकिन दस साल की सेवा वाले व्यक्ति को भी दस हजार पेंशन का लाभ मिलेगा. निस्संदेह, इस निर्णय के राजनीतिक निहितार्थों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. यह घोषणा ऐसे वक्त में की गई है जब हरियाणा व जम्मू-कश्मीर में चुनाव कार्यक्रम घोषित है और साल के अंत तक महाराष्ट्र व झारखंड में चुनाव होने हैं. दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों ने कर्मचारियों की पुरानी पेंशन की मांग को हवा देते हुए इसे राजनीतिक मुद्दा बनाया था. कहा गया कि हिमाचल प्रदेश में आये जनादेश का एक बड़ा कारण पुरानी पेंशन का मुद्दा था. हालांकि, राजस्थान व पंजाब आदि राज्यों में यह मुद्दा वैसा प्रभावी नजर नहीं आया. निस्संदेह, मुद्दा लोकलुभावन तो था लेकिन पुरानी पेंशन को लागू करने से भारी वित्तीय दबाव बढ़ने की चिंता जतायी गई. तभी बीते साल आरबीआई ने ओपीएस के विकल्प का चयन करने वाले राज्यों पर बढ़ने वाले आर्थिक दबाव पर चिंता जतायी थी. निस्संदेह, इससे सरकारों का राजकोषीय घाटा निरंतर बढ़ने का भी खतरा था. जिसके चलते इस योजना को वर्ष 2004 में समाप्त किया गया था. फिर उसी राह पर लौटना व्यावहारिक भी नहीं था.दरअसल, राजग सरकार का कहना है कि एकीकृत पेंशन योजना वित्तीय अनुशासन के अनुरूप है, जो कि सरकार द्वारा वित्तीय सहायता के साथ कर्मियों के अंशदान से मूर्त रूप लेती है. जिससे जहां एक ओर सेवानिवृत्ति के बाद कर्मियों को वित्तीय सुरक्षा मिल सकेगी, वहीं राजकोषीय विवेक में भी संतुलन बन सकेगा. दरअसल, विपक्षी दलों द्वारा पुरानी पेंशन को मुद्दा बनाने के बाद केंद्र सरकार ने इसके विकल्प पर गंभीरता से विचार किया. फिर अप्रैल 2023 में तत्कालीन वित्त सचिव टीवी सोमनाथ की प्रधानी में बनी कमेटी ने चिंतन-मनन के उपरांत जो सिफारिश सरकार को सौंपी, बीते शनिवार मोदी सरकार के मंत्रिमंडल ने उसे हरी झंडी दिखा दी.**(द ट्रिब्यून)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

बदन/वदन

प्यास भड़की है सरे शाम से जलता है बदन, इश्क़ से कह दो कि ले आए कहीं से सावन. यह स्वर सामाज्ञी लता मंगेशकर की आवाज में गाया हुआ एक प्यारा सा गीत का मुखड़ा है. लता दीदी ने इस गाने को 1982 में रिलीज फिल्म रजिया सुल्तान के लिए गाया था और आज तक इस गाने की लोकप्रियता में तनिक भी कमी नहीं आयी है. यह तो हुई बदन के प्रयोग की बात. इससे मिलता-जुलता शब्द है वदन. दोनों का उच्चारण थोड़े से अंतर के साथ एक जैसा ही है. यही कारण है कि इनके प्रयोग में अक्सर लोग भूल कर बैठते हैं. वदन की जगह बदन लिख देते हैं तो वदन की जगह बदन. रामचरितमानस के सुंदरकांड में एक चौपाई है-जस-जस सुरसा वदन बढ़ावा, तासु दुगुन कपि रूपदिखावा. उसके निकट ही एक और चौपाई है- वदन पैठि पुनि बाहेर आवा, मांगी विदा ताहि सिरु नावा. यानी सर्पों की माता सुरसा ने जैसे जैसे अपना मुंह फैलाया, हनुमान जी ने अपना रूप उससे दोगुना कर लिया. हिंदी शब्द सागर के अनुसार बदन फारसी मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है शरीर, देह. बदन शब्द से बने मुहावरों का लालित्य देखिए. तन-बदन में आग लग जाना. मतलब बहुत धिक गुस्सा आना. तन-बदन की सुध न रहना मतलब अचेत रहना. बदन टूटना मतलब शरीर की ड्डियों में पीड़ा होना, जोड़ों में दर्द होना, जिससे अंगों को तानने और खींचने की इच्छा हो. बदन तोड़ना मतलब पीड़ा के कारण अंगों को तानना और खींचना. आपने यह गाना तो सुना ही होगा-पानी में जले मेरा गोरा बदन. दूसरा शब्द वदन संस्कृत तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. उर्दूहिंदी शब्दकोश रेख्ता के अनुसार वदन का अर्थ है-मुंह, चेहरा, मुखड़ा, शक्ल, कथन, भाषण,किसी वस्तु का अग्रभाग, ज्यामिति में एक त्रिभुज का शीर्ष कोना, बीजगणित में एक शृंखला की पहली संख्या, नम्रता पूर्वक की जानेवाली वंदना या स्तुति, शरीर पर बनाये जाने वाले तिलक आदि चिह्न.

देश में हो रही योग्यता की अवहेलना

• तीर-तुक्का

डॉ. एसके पाण्डेय

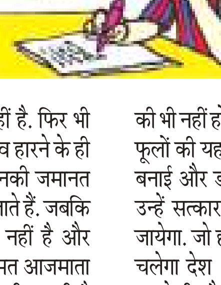

माथुर जी का कहना है कि देश में योग्यता की अवहेलना हो रही है. योग्य लोग भरे पड़े हैं. उन्हें कोई पूछने वाला नहीं है. वहीं दूसरी ओर लोग अयोग्यों के पीछे पड़े हैं. ये कहते हैं कि पूरे देश तथा समाज की यही कहानी है. इन्हें सबक सिखाने के लिए हाल ही में सरकार ने स्पष्टीकरण मांगा था. इनके स्पष्टीकरण की कुछ बातें नीचे दी जा रहीं है. पाठक स्वतः फैसला करें कि माथुर जी की बातों में कितना दम है. कई नेता जेल जाने के लिए पूरी (न्यूनतम योग्यता से कहीं अधिक) योग्यता हासिल किये हुए मजे में बैठे हैं. पुलिस ही उन्हें गिरफ्तार करने से कतराती है. इसमें उनका क्या दोष है? जबकि बहुत से मामले में इन नेताओं से कम योग्यता वालों को जेल में ठूंस दिया जाता है. इससे स्पष्ट है कि देश में योग्य लोगों की अवहेलना होती है तथा उनकी कोई पूछ नहीं है. वैसे तो अयोग्यों के भी पूछ नहीं है. फिर भी उनकी बहुत पूछ है. कई नेता चुनाव में सिर्फ चुनाव हारने के ही योग्य नहीं होते, बल्कि इस योग्य होते हैं कि उनकी जमानत जब्त हो जाएं. फिर भी वे भारी मतों से जिता दिए जाते हैं. जबकि नेता खुद समझता है कि वह जीतने के योग्य नहीं है और इसलिए ही वह एक साथ दो-तीन जगहों से किस्मत आजमाता है. लेकिन जनता नेता को नहीं समझ पाती. न कभी समझी है और न ही कभी समझेगी. शायद नेता ऐसा ही जीव होता है, जिसे देश की जनता तो क्या खुद नेता भी नहीं समझता. कई नेता विश्वास के कतई योग्य नहीं होते फिर भी उनका विश्वास किया जाता है. ये कहते हैं कि अब भ्रष्टाचार खत्म होना चाहिए और हम भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देंगे. जनता विश्वास कर लेती है. एक बार नहीं बार-बार करती है. लेकिन यह नहीं सोचती कि यदि बिल्ली ही कहे कि अब चूहों पर हिंसा रुकनी चाहिए. और अब किसी भी कीमत पर मैं चूहों पर अत्याचार नहीं होने दूंगी. तो यह बिडम्बना ही है. और ऐसा होना सम्भव नहीं है. भला कभी कुत्ते की दुम सीधी हो सकती है. क्या कौआ कभी मांस खाना छोड़ सकता है? जिस प्रकार से बिल्ली चूहों की रक्षा के लिए कभी भी और किसी भी कीमत पर योग्य नहीं हो सकती. ठीक वैसे ही इनसे भ्रष्टाचार मुक्त देश व समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती. कई लोग जो जूतों की माला पहनाये जाने योग्य भी नहीं होते, उन्हें फूलों की माला पहनाया जाता है. क्या बीतती होगी उस फूल पर जिसकी चाह देवता के ऊपर चढाये जाने की भी नहीं होती? क्या बीतती होगी माखनलाल जी के दिल पर, फूलों की यह दुर्दशा देखकर? कभी किसी ने सोचा. बस माला बनाई और डालते गए गले में. जब जो दुत्कारे जाने योग्य हैं, उन्हें सत्कार मिलेगा. जो भगाए जाने योग्य हैं, उन्हें बुलाया जायेगा. जो हटाये जाने योग्य हैं, उन्हें बिठाया जायेगा. तो कैसे चलेगा देश ? कैसे बढ़ेगा देश ? इससे अधिक योग्यता की अनदेखी और क्या होगी? जब लोग योग्यता की उपेक्षा के बल पर ही राज करेंगे. तो उनके राज्य में किसी को क्या न्याय मिलेगा? इस परिस्थिति में योग्यता की कीमत क्या रह जायेगी? क्या अयोग्यों का ही हर जगह जमावाड़ा नहीं हो जायेगा?

Her Story

चटखारा

रानी प्रसाद
पाक कला विशेषज्ञ

चटखारा में इस बार रानी प्रसाद लेकर आई हैं कुछ हेल्दी डिश. इसमें ओट्स, मूंगफली, दही, तिल, टमाटर जैसे हेल्दी आयटम का प्रयोग किया गया है. ये कम तेल में तैयार रेसिपी हैं जो स्वाद में कहीं से भी कमतर नहीं लगतीं.

ओट्स की इडली

ये चाहिए
ओट्स एक कप, ताजा दही एक कप, मूंग की दाल एक कप, गाजर एक मीडियम साइज, शिमला मिर्च छोटे साइज का, फ्रेंच बीन बारीक कटी हुई आधा, कप नमक स्वाद अनुसार, ईनो एक टीस्पून.
छौंक के लिए: एक चम्मच तेल, एक चम्मच सरसों के दाने, 8-10 करी पत्ते, और टुकड़ों में कटी हुई हरी मिर्च.

ऐसे बनाएं
ओट्स को एक कप दही में भिगो लें. मूंग के दाल को 2 घंटा पहले पानी में भिगो कर रख लें. जब दाल फूल जाए तो उसे बिना पानी डालें मिक्सी के जार में अच्छी तरह पीस लें. तत्पश्चात ओट्स और दही के मिक्सर को मूंग के डाल के मिक्सचर में मिलकर अच्छी तरह फैट लें. इसकी कंसिस्टेंसी पतली नहीं होनी चाहिए. अब इसमें सभी सब्जियों को चॉप करके मिला दें. स्वाद अनुसार नमक मिलाएं और आधा चम्मच हल्दी का पाउडर मिला दें. अब एक तड़का पैन में एक चम्मच तेल डालकर उसमें सरसों के दाने हरी मिर्च और करी पत्ते का छौंक लगाकर इस बेटर में मिला दें. सबसे अंत में इनो को इस बेटर में मिलाकर हल्के हाथों से चला दें और इडली के सांचे में हल्का तेल लगाकर जैसे इडली बनाया जाता है वैसे ही इडली बना दें. यह इडली बहुत ही स्वादिष्ट और हेल्दी होती है.

तिल और बादाम की चटनी

ये चाहिए
सफेद तिल आधा कप, मूंगफली आधा कप, चार हरी मिर्च, लहसुन की कलियां 4 या 5, नींबू का रस दो टेबल स्पून या आधा कप ताजी दही.
छौंक के लिए : एक चम्मच तेल, एक चम्मच सरसों के दाने, 8-10 करी पत्ते और दो सूखी लाल मिर्च.

ऐसे बनाएं
सर्वप्रथम मूंगफली को ड्राई रोस्ट कर लें. जब तक उसके छिलके अलग ना हो जाए. ठंडा होने पर इसके छिलके उतार लें. अब एक पैन में तिल को हल्का रोस्ट करें जब तक उसमें खुशबू ना आने लगे. जब तिल ठंडा हो जाए तो बादाम और तिल को मिर्च लहसुन की कलियां और नींबू के रस के साथ स्वाद अनुसार नमक मिलाकर पीस लें. यह पानी डालकर पीसा जाता है. अगर नींबू का रस इस्तेमाल नहीं करेंगे तो उसकी जगह पर दही का इस्तेमाल किया जा सकता है. अब एक तड़का पैन में एक चम्मच तेल डालकर उसमें सरसो, करी पत्ता और सूखी लाल मिर्च डालकर चटकाए और इस चटनी में मिला दें. स्वादिष्ट चटनी तैयार है.

प्याज और टमाटर की चटनी

ये चाहिए
एक मीडियम साइज का प्याज, 4 मीडियम साइज के लाल टमाटर, लहसुन की 8-10 कलियां, अदरक का 2 इंच का टुकड़ा, हरी मिर्च 6-7, करी पत्ते 10 -12, उड़द की दाल एक चम्मच, चने की दाल एक चम्मच, सरसों के दाने एक चम्मच, सरसों का तेल तीन चम्मच, नमक स्वाद अनुसार और सूखी लाल मिर्च दो.

ऐसे बनाएं :
एक पेन में दो चम्मच सरसों का तेल डालकर उसमें चने की दाल और उड़द के दाल की छौंक लगा दें. प्याज को मोटे-मोटे टुकड़ो में काटकर डाल दें. अब इसमें लहसुन की कलियां भी डाल दें और अदरक के टुकड़े भी डाल दें. टमाटर को दो-दो हिस्से में काटकर पैन में डाल दें और हरी मिर्च को भी टुकड़ों में काटकर इस पैन में डाल दें. नमक डालकर पैन का ढक्कन लगाकर 5 से 7 मिनट के लिए छोड़ दें. आंच बिल्कुल धीमी रहनी चाहिए. 5-7 मिनट के बाद हम देखेंगे कि टमाटर बिल्कुल सॉफ्ट हो गए हैं और उसका छिलका आराम से उतर जा रहा है बस इसी समय हमें गैस को ऑफ कर देना है और टमाटर के छिलकों को निकालकर इस मिक्सचर को ठंडा कर लेना है. तत्पश्चात इसे मिक्सी के जार में पीस लेना है. जब यह पिस जाए तब इसमें एक छौंक लगानी है. छौंक के लिए एक पेन में हम सरसो का तेल डालेंगे और सरसो दाना, करी पत्ता तथा सूखी लाल मिर्च से इसे छौंक देंगे. टमाटर की स्वादिष्ट चटनी तैयार है.

उस लिजलिजे अनुभव के बाद छोड़ दी एक्टिंग

मधु रॉय

पोर्टफोलियो सीडी में रखकर जब मुंबई में प्रोड्यूसर-डायरेक्टर के द्वारे-द्वारे जाया करती थी तो कई बार यह संदेश मिलता था कि प्रोड्यूसर के साथ समय/रात गुजारोगी तो रातो-रात चमक जाओगी, बड़े रोल मिलेंगे, सफलता, नेम-फेम मिलेगा. खासकर तब जब आपको अंग्रेजी नहीं बोलनी आती, छोटे शहरों से मायानगरी में पहुंचते हैं और रूप-रंग में बहुत खास नहीं हैं तब. ऐसे ऑफर दिल तोड़ते थे, निराश होती थी. लेकिन यह तय था कि आप नो कहते हैं तो कोई कुछ नहीं करेगा और जहां तक रोल मिलने की बात है, बेशक लीड या आकर्षक रोल नहीं मिले, हिरोइन नहीं बनाए, लेकिन आपमें प्रतिभा है तो आपको काम जरूर मिलेगा. वर्ष 2007 में पिता की अस्वस्थता के कारण मैं मुंबई से झारखंड लौट आई.

न टॉयलेट, न चेंजिंग रूम

अब बात अपने झारखंड की जिसे इन दिनों जॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री कहा जा रहा है. लेकिन मैं कहूंगी कि इसे इंडस्ट्री तो बिल्कुल नहीं कहें. इंडस्ट्री की कोई सुविधा यहां नहीं न नियमित काम है. महिला आर्टिस्ट की स्थिति दयनीय है. शूटिंग स्पॉट पर जाने के लिए बोलेरो में कुत्ते-बिल्लियों की तरह पुरुषों के साथ महिलाओं को भी ठूंस देते जिसमें भैया-चाचा का संबोधन पाने वाले पुरुष आर्टिस्ट भी महिला आर्टिस्ट के शरीर से अपने शरीर को रगड़ने का मौका ढूंढते रहते हैं. टॉयलेट या चेंजिंग रूम की बात करना यहां हास्यास्पद है, खासकर आउटडोर शूटिंग के दौरान. एक गाने में पांच-छह बार कपड़े चेंज करने का आदेश देंगे और कपड़े चेंज कहां करूं, कहने पर दो टूक कह देते हैं- गाड़ी का दरवाजा खोल देता हूं, चेंज कर लो. टॉयलेट के लिए झाड़फूस के बीच कोने तलाशिए.

लिजलिजा यह अनुभव

वर्ष 2015 में जब पति की कैंसर से मृत्यु हुई तब बेटी महज दो साल की थी. मैं वापस जॉलीवुड में ही काम तलाशने लगी. यहां के एक प्रतिष्ठित प्रोड्यूसर जिनके साथ पहले भी मैंने काम किया था, अच्छा संबंध भी रहा था, उन्होंने पति की मौत की बात जान कर ऐसा लिजलिजा ऑफर दिया कि यहां काम करने की ख्वाहिश ही मैं छोड़ दी. उन्होंने सीधे-सीधे कहा कि पति की मौत के बाद तुम्हारी भी शारीरिक जरुरतें होंगी. चलो काम शुरू करने से पहले कहीं बाहर मेरे साथ और जरुरतें पूरी करने के बाद काम शुरू करें.

तब कांप गई थी सुरक्षा की सोच

वर्षा ऋतु

धत तेरे की, मौका ए वारदात जैसे कुछ धारावाहिकों में मैं काम की हूं. जॉलीवुड के लिए ही अधिक काम किया है. बेशक सुविधाओं खासकर महिलाओं के लिए सुविधाओं में बहुत पिछड़ा है अपना जॉलीवुड. वैनिटी वैन जैसी बात तो भूल ही जाइए, बेसिक सुविधाएं तक नहीं है. सुरक्षा व्यवस्था नहीं. एक महिला या लड़की इस क्षेत्र में काम के लिए आती हैं तो उसे कई स्तर पर खुद को मजबूत बनाना होता है, ना कहने का हूनर आना जरूरी है. पग-पग पर खतरे हैं, पर महिला को खुद हैंडल करना होगा.

यह भयावह अनुभव

एक बार हमारी शूटिंग हुंडरू फॉल में हो रही थी. चेंजिंग रूम, टॉयलेट रूम जैसी समस्या तो शायद छोटी थी, अचानक वहां बंदूक-पिस्तौल के साथ नक्सली का दल आ गया. हम डर से भयभीत कि जाने क्या हो. लेकिन शुक्र है, उन्होंने वैसी कोई हरकत नहीं की. मुझे भयभीत देखकर कहा कि बच्ची तुम डर क्यों रही हो, हम तो बस शूटिंग देखने आए हैं.

पिछले दिनों हेमा समिति की रिपोर्ट जारी की गई, जिसमें मलयालम इंडस्ट्री में यौन उत्पीड़न, शोषण और लॉबिंग का खुलासा किया गया है. रिपोर्ट जारी होने के बाद से ही कुछ महिलाएं अभिनेताओं और निर्देशकों के खिलाफ यौन दुराचार के आरोप लगाने के लिए आगे आई हैं. जब हमने झारखंड की अभिनेत्रियों से बात की तो उन्होंने भी बयां किया अपने हिस्से का दर्द...

फिर से सुर्खियों में मी टू, एक बार फिर बाहर आ रहे...

हमारे किस्से दर्द के

कैरेक्टर पर उठा देते हैं अंगुली

संतोष मृदला

सावधान इंडिया जैसे कुछ धारावाहिकों के लिए मुंबई में काम किया, पर झारखंड में ही अधिक काम की हूं. अनुभव के आधार पर ही कहूंगी कि यहां प्रतिभाशाली महिला आर्टिस्ट को पचाना बहुत मुश्किल है. अगर आर्टिस्ट के टैलेंट से उसे कोई बढ़िया मौका मिल रहा है तो सबसे पहले आसान उपाय आजमाते हैं उसे परास्त करने के लिए, वही पुराना उपाया कि उसके कैरेक्टर पर उंगली उठाना. मेरे साथ भी ऐसा कई बार हुआ है. एक बार तो मनोज वाजपाई के अपोजिट काम करने का मौका मिला था. लगा था कि अब तो बस एक्टिंग की मेरी पहचान खास होने ही वाली है, लेकिन तभी अचानक मुझे सेट से पूरी तरह आउट कर दिया गया. ऐसा एक नहीं कई बार हुआ. मैं डिप्रेशन तक में चली गई. बाद में पता चला कि एक शख्स है जिसकी मुबई इंडस्ट्री में तगड़ी पहचान है. वही कॉल कर मेरे बारे में गलत-सलत बातें पहुंचाता है. जॉलीवुड के इन मठाधीशों से परेशान हूं.

चुकानी पड़ती कला प्रेम की कीमत

कहीं बाहर दूर दराज इलाके में काम करना होता है तो सीधे कह दिया जाता है पहुंच जाएं. आपके पास अपनी सुविधा नहीं तो महिला-पुरुष कलाकारों को एक साथ जानवरों की तरह ठूंस कर शूटिंग स्पॉट ले जाते बिना यह व्यवस्था किए कि महिला कलाकार कहां चेंज करेंगी, कहां टॉयलेट जाएंगी. अरे कहीं कपड़े बदल लीजिए ना, अरे किसी घर में नॉक कर कहिए नाएक कलाकार होने की कीमत यहां के आर्टिस्ट को कहां-कहां चुकानी पड़ती है, क्या कहें! आलम यह है कि अब तो ज्यादातर ऑडिशन के वीडियो भेजने के लिए लोग कहते हैं तो उत्साह ही नहीं जगता, नारीत्व और सम्मान की कीमत पर कैसे किया जाए काम!

क्या है मामला

मामला फरवरी 2017 का है जब चलती कार में कथित तौर पर एक मलयालम अभिनेत्री पर हमला किया गया था. पांच लोगों ने उनका अपहरण कर लिया. हमले का वीडियो बनाया और फिर उस अभिनेत्री को वहीं छोड़ दिया गया. अभिनेत्री ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई. जब जांच हुई तो पता चला कि अभिनेत्री को "सबक सीखाने के लिए" कुछ लोगों ने यह साजिश रची थी. इसमें केरल के एक प्रभावशाली शख्स और मलयालम अभिनेता दिलीप की खास भूमिका थी.

हेमा समिति का गठन

नवंबर 2017 में जस्टिस हेमा, अभिनेत्री सारदा और नौकरशाह केबी वलसाला कुमारी वाली हेमा समिति ने अपना काम शुरू किया. 80 से ज्यादा महिलाओं ने जस्टिस हेमा के सामने गवाही दी और मलयालम इंडस्ट्री के गंदे माहौल पर अपने अनुभव साझे किए.
साल 2019 में, समिति ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विनयजन को 296 पेज की रिपोर्ट सौंपी जिसमें से 296 पेज की रिपोर्ट को पिछले दिनों यानी 19 अगस्त को पब्लिक किया गया. इसमें इंडस्ट्री की कई महिलाओं की गवाही शामिल की गई है जिसमें कुछ नाबालिग भी शामिल हैं. पूरी रिपोर्ट में अपराधियों के नाम का जिक्र नहीं. कुछ हास्यास्पद समाधान भी दिए गए हैं.

यह भी रिपोर्ट में

रिपोर्ट में बताया गया कि महिलाओं के लिए बुनियादी सुविधाएं- जैसे चेंजिंग रूम और शौचालय उपलब्ध नहीं कराए गए थे. यौन उत्पीड़न की कहानियों का जिक्र है जिसे पढ़ कर रोएं कांपते हैं. एक पॉवरफुल लॉबी की चर्चा है जिसमें इंडस्ट्री के टॉप डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और टेक्नीशियन शामिल हैं.

कुछ अलग नया करना है तो सोचें बच्चों की तरह

शिखर चंद जैन

जब भी हम अपनी रूटीन जिंदगी से ऊबने लगते हैं तो हमारा मन कसमस उठता है कुछ नया करने को. कुछ ऐसा करने को जो इस दुनिया में से अलग हटकर हो. कुछ ऐसा कि जब हम करें तो हमारा मन प्रसन्न हो उठे. ठीक इसी प्रकार हम कई बार कोई ऐसी चीज बनाना चाहते हैं जिसे लोग देखते ही रह जाएं और वह लीक से बिलकुल हटकर हो. लेकिन ऐसा करने से हमें स्थापित सामाजिक परंपराएं, अपनी खिल्ली उड़ने का डर या लोग क्या कहेंगे इस बात की चिंता रोक देती है.

- **सोचिए बच्चों की तरह :** अगर आप भी कुछ नया, निराला, स्थापित नियमों से परे जाकर दिल को सुकून और मनोरंजन देने वाला करना चाहते हैं तो अपने बचपन में लौट जाइए. किसी बच्चे को गौर से देखिए और उसकी तरह सोचना शुरू कर दीजिए. क्या आपने कभी गौर किया कि दुनिया पिकासो की कलाकृतियों को क्यों सराहती है? क्योंकि उनकी कृतियां कला के पूर्व स्थापित मापदंडों और नियमों से बिल्कुल हटकर थी. उनके नए, निराले और अलग अंदाज के कारण ही उनकी कृतियां दुनिया की नजर में आईं. भले ही कुछ लोगों को उनके चित्रों में नाक नुकीली और बेढब दिखती हो, दोनों आंखें सामान लेवल पर न दिखने से अटपटी लगती हों लेकिन कला प्रेमियों और कला के परखियों को उनका निरालापन भाता है. कला के कदरदान जानते हैं कि कला निर्बाध बहती है, उसकी कोई सीमा नहीं होती. यह तो कलाकार की अभिव्यक्ति का अपना अनूठा अंदाज होता है.
- **दूसरों से रहें अप्रभावित :** मनोवैज्ञानिकों और व्यवहार विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चे सर्वश्रेष्ठ रचनाकार होते हैं. बाल्यकाल किसी भी व्यक्ति के जीवन का सर्वोत्कृष्ट रचनात्मक और सुकून वाला समय होता है. क्योंकि उसके

परसेप्शन ईमानदार, शुद्ध, दूसरों से अप्रभावित, सामाजिक नियमों व लोकाचार से पूर्णत मुक्त होते हैं. कहते हैं कि जो कुछ भी नहीं जानता उसके कुछ करने और सोचने का अंदाज ही अलग होता है. उसके जीने का मजा ही अलग है. इसलिए बच्चा जो कुछ करता है ,जो कुछ रचता है, वह पूरी तरह उसकी अपनी सोच और दुनिया को देखने का अपना नजरिया होता है. तभी तो बच्चे शुरू-शुरू में अपनी पेंटिंग अपने ही तरीके से बनाते हैं. वे अपनी समस्याओं के हल भी निराले ढूंढ लेते हैं और अपने मनोरंजन के लिए अजब अनूठे खिलौने और तरीके ईजाद कर लेते हैं.बच्चों की इस स्वतंत्र सोच के पीछे सबसे बड़ी ताकत यह होती है कि उन्हें इस बात की जरा भी परवाह नहीं होती कि लोग उनके बारे में क्या सोचेंगे.

- **पूर्वाग्रह से रहें मुक्त :** बच्चों की कल्पनाएं बेहद जादूई और बिल्कुल मौलिक होती हैं. जबकि हम वयस्कों की सोच कई तरह के दायरे और पूर्वाग्रह में कैद होती है. हम अलग सोच भी लें तो उसे साकार रूप में देने में हिचकते हैं. हमारी क्रिएटिविटी मौलिक नहीं रह पाती, हमारे आसपास के माहौल ,हमारी पृष्ठभूमि, हमारी परवरिश और संगत से प्रभावित होने लगती है. लिहाजा उसमें ताजापन, अनूठापन या वह गंभीरता नहीं आ पाती जैसा हम चाहते हैं. मॉडर्न आर्ट की सराही जाने वाली कृतियां भी लोगों को इसलिए पसंद आती है कि वे लीक से हटकर या कुछ लोगों की नजर में ब्रश या तूलिका को उल्टा सीधा मारकर बनाई गई होती हैं लेकिन कला के कदरदान जानते हैं कि इसके पीछे कलाकार की एक खास अभिव्यक्ति और सार्थक संदेश छिपा है. तभी तो ऐसी कृतियों की कीमत हजारों ही नहीं बल्कि लाखों में भी होती है और कुछ कलाकृतियां तो अनमोल होती हैं.
- **रहें उन्मुक्त और चंचल :** हमारे धर्म ग्रंथ हों या मनोचिकित्सक या फिर व्यवहार विशेषज्ञ और समाजशास्त्री, ये सब हमें सुकून ,खुशहाली और सृजनात्मकता के लिए बच्चों की तरह अज्ञानी, निश्छल, चंचल और उन्मुक्त होने की सलाह देते हैं। अल्बर्ट आइंस्टीन ने भी एक बार कहा था कि तर्क आपको ए से जेड तक यानी एक निश्चित सीमा में सब कुछ देंगे, लेकिन कल्पना आपको कहीं भी ले जाएगी उसकी कोई सीमा नहीं होती.

उल्टा लिखता है बेटू

बेटू पढ़ तो लेता है पर लिख नहीं पाता. या तो शब्दों को उल्टा लिख देता या बिखरे बिखरे शब्द लिखता है. अगर आपको भी अपने लाडले से बस यही शिकायत है तो मनोवैज्ञानिक से मिलें. उसे डिसग्राफिया की शिकायत हो सकती है. मनोवैज्ञानिक डॉ स्वर्णा प्रसाद बता रही हैं रोग के लक्षण और सुधारने के कुछ उपाय...

- **पहचानिए**
बिखरे हुए शब्द लिखना, पेंसिल को सही तरीके से नहीं पकड़ना, शरीर को झुका कर बैठना, पेपर को बहुत पास से पढ़ना, लिखने से बचने के लिए बहाने मारना या रोना, अधिक कांट छांट करना, एक जैसे अक्षर जिनकी दिशाएं विपरीत हों, जैसे बी और डी में कंफ्यूजन करना या उल्टे लिख देना.

- **मदद कीजिए**
टीचर और पैरेंट्स उस पर झुझलाने की बजाय मदद करें. लिखने के लिए जम्बो पेंसिल इस्तेमाल में दें. लाइन खिंची हो, वैसे ही पेपर में लिखने को दें. ऐसे बच्चों को क्लास असाइनमेंट या होमवर्क के लिए थोड़ा अधिक समय देना चाहिए. डिटेक्शन करने में समस्या हो तो बच्चे के लिए किसी बड़े को डिटेक्ट करने की अनुमति दे जिसे वह बाद में कॉपी कर लेगा. हाथ से लिखने की बजाय उसे कंप्यूटर पर लिखने की सुविधा देनी चाहिए.

ब्रीफ खबरें

ग्रैंड शतरंज टूर: गुकेश ने कारुआना से ड्रॉ खेला

सेंटलुई । भारत के ग्रैंडमास्टर और विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर डी गुकेश ने ग्रैंड शतरंज टूर की प्रतियोगिता सिंकफील्ड कप में एक बार फिर अपनी बाजी ड्रॉ खेली तथा अमेरिका के शीर्ष वरीयता प्राप्त फैबियानो कारूआना के साथ अंक बांटे जबकि फ्रांस के खिलाड़ी अलीरेज़ा फ़िरोज़ा ने सातवें दौर में पूरे अंक लेकर अपनी बढ़त मजबूत कर ली.इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे एक अन्य भारतीय खिलाड़ी आर प्रज्ञाननंदा ने लगातार सातवीं बाजी ड्रॉ खेली. उन्होंने रूस के इयान नेपोम्नियाचची के साथ अंक बांटे.अब जबकि दो राउंड का खेल बाकी है तब फिरोजा पांच अंक लेकर शीर्ष पर बने हुए हैं.

पूर्व फुटबॉल कोच स्वेन गोरान का निधन

स्टॉकहोम। स्वीडिश फुटबॉल मैनेजर स्वेन-गोरान एरिक्सन, जिन्होंने 2001 से 2006 तक इंग्लैंड को कोचिंग दी थी, का सोमवार को 76 वर्ष की आयु में अग्नाशय के कैंसर से निधन हो गया. जनवरी में, एरिक्सन ने खुलासा किया कि वह घातक कैंसर से पीड़ित हैं और उनके पास जीने के लिए अधिक से अधिक एक साल है. एरिक्सन ने 2001 में इतिहास रचा था जब उन्होंने केविन कीगन की जगह ली और इंग्लैंड टीम की कमान संभालने वाले पहले विदेशी कोच बने और उन्होंने 2002 और 2006 में दो विश्व कप फाइनल चरणों में टीम का नेतृत्व किया, जिसमें सितंबर 2001 में जर्मनी के खिलाफ़ 5-1 की ऐतिहासिक जीत शामिल थी.

सिराज, जडेजा इंडिया बी टीम से हुए बाहर

नई दिल्ली। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को दलीप ट्रॉफी के लिए इंडिया बी टीम से रिलीज कर दिया गया है. बीसीसीआई ने मंगलवार को उक्त घोषणा की. सिराज बीमारी के कारण पहले दौर में नहीं खेलेंगे. तेज गेंदबाज उमरान मलिक, जो इंडिया सी का हिस्सा थे, भी एक्शन में नहीं होंगे. उनके प्रतिस्थापन के रूप में क्रमशः नवदीप सैनी और गौरव यादव को नामित किया गया है. जडेजा के नहीं खेलने का कारण नहीं बताया गया है. भारत के व्यस्त टेस्ट कैलेंडर से पहले मैच अभ्यास देने की उम्मीद के साथ शुभमन गिल और यशस्वी जयसवाल समेत कई भारतीय खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में शामिल किया गया था.

महिला टी20 के लिए घोषित की टीम

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) अक्टूबर में संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले महिला टी20- विश्व कप के लिए इंग्लिश टीम की घोषणा कर दी है. टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज बेस हीथ, ऑलराउंडर फ्रेया केम्प और डेनिएल गिब्सन नया चेहरा हैं. हीथर नाइट चौथी बार टी20 वर्ल्ड कप में टीम की कप्तानी करेंगी. टी20 विश्व कप के लिए चुनी गई 15 सदस्यीय टीम में कम से कम 12 सदस्य दक्षिण अफ्रीका में आयोजित 2023 टी20 विश्व कप में इंग्लैंड टीम का हिस्सा थे. लॉरेन विनफील्ड-हिल, केट क्रॉस और कैथरीन साइवर-ब्रंट (सेवानिवृत्त) तीन ऐसी खिलाड़ी हैं जो 2024 बैच का हिस्सा नहीं हैं. गिब्सन 2023 में टीम के साथ थीं, लेकिन केवल एक यात्रा रिजर्व के रूप में.

अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट

कोको गॉफ आसान जीत के साथ दूसरे दौर में

एजेंसी।न्यूयॉर्क

मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताब का बचाव करने के अपने अभियान की शानदार शुरुआत की. गॉफ ने सोमवार को यहां पहले दौर के मैच में वरवरा ग्रेचेवा को 6-2, 6-0 से पराजित किया. गॉफ हाल में खराब फॉर्म से जूझ रही थी लेकिन यहां उन्होंने शुरू से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा.

अमेरिका के एक अन्य खिलाड़ी और पिछले साल सेमीफाइनल में पहुंचने वाले 13वीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन ने 2020 के चैंपियन डोमिनिक थिएम को 6-4, 6-2, 6-2 से हराया. थिएम का यह अमेरिकी ओपन में आखिरी मैच था, क्योंकि वह पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि इस सत्र के बाद वह संन्यास ले लेंगे.अमेरिकी ओपन में 2017 की चैंपियन स्लोएन स्टीफंस ने क्लारा ब्यूरेल के खिलाफ शुरुआती नौ गेम जीते लेकिन इसके बाद उनकी लय गड़बड़ा गई और उन्हें 0-6, 7-5, 7-5 से हार का सामना करना पड़ा. महिला वर्ग में जिन अन्य वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों ने अगले दौर में जगह बनाई उनमें इस महीने की शुरुआत में पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली सातवीं वरीयता प्राप्त झेंग क्विनवेन, ओलंपिक की रजत पदक विजेता और यहां 24वीं वरीयता प्राप्त डोना वेकिच, 12वीं वरीयता प्राप्त डारिया कसाटकिना और 14वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज़ शामिल है.नौवीं वरीयता प्राप्त मारिया सककारी दाहिने कंधे में चोट के कारण एक सेट के बाद मैच से हट गई. पुरुष वर्ग में जिस वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा वह 15वें वरीय होल्गर रूण थे, जिन्हें अमेरिका के ब्रैंडन नकाशिमा ने 6-2, 6-1, 6-4 से हराया. पुरुष वर्ग में आगे बढ़ने वाले खिलाड़ियों में चौथी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव, छठी वरीयता प्राप्त एंड्री रुबलेव, आठवें वरीय कैस्पर रूड, नौवें वरीय और 2022 के उपविजेता ग्रिगोर दिमित्रोव तथा 12वीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज़ शामिल है.

सीधे सेटों में हारकर सुमित नागल बाहर

न्यूयॉर्क। भारत के शीर्ष खिलाड़ी सुमित नागल यहां शुरुआती दौर में नीदरलैंड के टालोन ग्रिक्सपुर से सीधे सेटों में हारकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल से बाहर हो गए. नागल को अपनी पहली सर्विस में संघर्ष करना पड़ा और वह सोमवार की रात को खेले गए मैच में ग्रिक्सपुर से 1-6, 3-6, 6-7(8) से हार गए. नागल ने दो घंटे और 20 मिनट तक चले मैच में दो बार अपने प्रतिद्वंद्वी की सर्विस तोड़ी जबकि नीदरलैंड के खिलाड़ी ने ब्रेक प्वाइंट के 11 मौकों में से छह को भुनाया. दूसरे सेट में जब नागल 3-5 से पीछे थे तब हल्की बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा. इसके बाद उन्होंने कुछ अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन यह जीत के लिए पर्याप्त नहीं था. नागल अब पुरुष युगल में अपनी चुनौती पेश करेंगे. पुरुष युगल में भारत के रोहन बोपन्ना, युकी भांबरी, एन श्रीराम बालाजी और नागल अलग-अलग जोड़ीदारों के साथ खेलेंगे.

महिला टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का एलान

हरमनप्रीत चौथी बार इस टूर्नामेंट में करेंगी कप्तानी

- महिला टी20 विश्व कप में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी
- टूर्नामेंट में हर एक टीम चार ग्रुप मैच खेलेगी
- 17 व 18 अक्तूबर को सेमीफाइनल में मैच खेले जायेंगे
- 20 अक्तूबर को दुबई में फाइनल होगा

एजेंसी । नयी दिल्ली

स्टार बल्लेबाज हरमनप्रीत कौर तीन अक्टूबर से संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले महिला टी20 विश्व कप के लिए मंगलवार को घोषित 15 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगी. शीर्ष क्रम की बल्लेबाज यास्तिका भाटिया और स्पिन ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल को भी टीम में शामिल किया गया है लेकिन उनका चयन फिटनेस पर निर्भर करेगा. स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को उप कप्तान नियुक्त किया गया है.इस टूर्नामेंट की मेजबानी पहले बांग्लादेश को करनी थी लेकिन वहां राजनीतिक अशांति के कारण इसे संयुक्त अरब अमीरात में स्थानांतरित कर दिया गया था.भारत को ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में रखा गया है. भारतीय टीम अपनी पहली टी20 विश्व कप ट्रॉफी जीतने का लक्ष्य लेकर टूर्नामेंट में उतरेगी. इस टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है. चयनकर्ताओं ने एक बार फिर शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की ओपनिंग जोड़ी पर भरोसा जताया है. वहीं, मध्यक्रम की जिम्मेदारी कप्तान हरमनप्रीत, जेमिमा, दीप्ति और ऋचा पर होगी. पूजा और श्रेयंका पर मैच फिनिश करने की जिम्मेदारी होगी. श्रेयंका को टीम में शामिल तो किया गया है, लेकिन टूर्नामेंट से पहले उनकी फिटनेस की जांच होगी. अभी टूर्नामेंट में काफी वक्त है, ऐसे में श्रेयंका के फिट होने की उम्मीद है. यह धाकड़ स्पिन ऑलराउंडर अपना दिन होने पर किसी भी मैच को पलटने की क्षमता रखती है. हरमनप्रीत कौर चौथी बार इस टूर्नामेंट में कप्तानी करती दिखेंगी.

महिला टी20 विश्व कप के लिए भारत की टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप कप्तान), शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा सोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, सजना सजीवन.

पांच-पांच टीमों के दो ग्रुप

- महिला टी20 विश्व कप में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी. इन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है.
- ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमों को रखा गया है.
- ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड की टीमें शामिल हैं.

टूर्नामेंट के मैच

टूर्नामेंट से पहले 28 सितंबर से एक अक्तूबर तक 10 अभ्यास मैच खेले जाएंगे. टूर्नामेंट में हर एक टीम चार ग्रुप मैच खेलेगी, जिसमें हर ग्रुप से शीर्ष दो पर रहने वाली टीमें 17 और 18 अक्तूबर को सेमीफाइनल में पहुंचेंगी. इसके बाद 20 अक्तूबर को दुबई में फाइनल होगा. सेमीफाइनल और फाइनल के लिए रिजर्व डे भी रखा गया है. अगर भारत सेमीफाइनल में पहुंचता है तो वह सेमीफाइनल-1 में खेलेगा. दुबई और शारजाह में कुल 23 मैच खेले जाएंगे.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के इंग्लैंड टीम का एलान

बेयरस्टो व मोईन अली का पत्ता कटा

एजेंसी ।लंदन

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए जॉनी बेयरस्टो और मोईन अली को बाहर कर दिया है. इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने एक बिल्कुल नई टीम चुनी है. हालांकि, इस टीम की कप्तानी जोस बटलर ही करते दिखेंगे. बेयरस्टो और मोईन अब तक 400 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं, लेकिन वनडे और टी20 विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद उन्हें बाहर किया गया है. मैथ्यू मॉट को पिछले महीने इंग्लैंड के सीमित ओवरों के मुख्य कोच के पद से बर्खास्त कर दिया गया था और सोमवार को टीम की घोषणा के साथ यह बदलाव जारी रहा. मॉट की जगह दिग्गज मार्कस ट्रेस्कोथिक को अंतरिम कोच नियुक्त किया गया था और अपनी पहले असाइनमेंट के लिए उन्होंने पांच अनकैप्ड खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है.

37 साल के मोईन अली उपकप्तान रह चुके

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोश हुल, ऑलराउंडर जैकब बेथेल और तेज गेंदबाज जॉन टर्नर को वनडे और टी20, दोनों प्रारूपों में चुना गया. वहीं, डेन मूसले और जोर्डन कॉक्स को टी20 टीम में शामिल किया गया. मोईन सीमित ओवर क्रिकेट में इंग्लैंड की टीम के उप-कप्तान थे, लेकिन अब वह 37 साल के हो गए हैं और उन्होंने स्वीकार किया है कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्ती की ओर है. स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर के रूप में उनकी भूमिका वारविकशायर टीम के उनके साथी बेथेल और मूसले द्वारा कवर की जाएगी.

बेयरस्टो खराब फॉर्म से गुजर रहे

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए जॉनी बेयरस्टो और मोईन अली को बाहर कर दिया है. इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने एक बिल्कुल नई टीम चुनी है. हालांकि, इस टीम की कप्तानी जोस बटलर ही करते दिखेंगे. बेयरस्टो और मोईन अब तक 400 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं, लेकिन वनडे और टी20 विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद उन्हें बाहर किया गया है.

डब्ल्यूटीसी तालिका में आठवें स्थान पर खिसका पाकिस्तान

एजेंसी। दुबई

पाकिस्तान रावलपिंडी में बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में 10 विकेट की हार और उसके बाद धीमी ओवर गति की पेनल्टी के कारण विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की तालिका में आठवें स्थान पर खिसक गया है. पाकिस्तान छह मैचों के बाद 16 अंकों और 22.22 के जीत प्रतिशत के साथ आठवें स्थान पर है. वह केवल वेस्टइंडीज से आगे है. रविवार को समाप्त हुए मैच में

पाकिस्तान के खिलाफ अपनी पहली जीत दर्ज करने वाला बांग्लादेश 21 अंकों के साथ सातवें स्थान पर है. उसने अब तक अपने पांच में से दो मैच जीते हैं. पाकिस्तान के लिए पहले टेस्ट में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण स्थिति और अधिक निराशाजनक हो गई है. उसने निर्धारित समय में छह ओवर कम किए और इस कारण छह डब्ल्यूटीसी अंक गंवा दिए.बांग्लादेश ने भी निर्धारित समय में तीन ओवर कम किए और इस कारण उसे तीन अंकों से हाथ धोना पड़ा. किस्तान और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट मैच शुक्रवार से रावलपिंडी में खेला जाएगा. भारत नौ मैचों में छह जीत हासिल करके 74 अंकों और 68.52 के जीत प्रतिशत के साथ डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष पर है.

पहला टेस्ट मैच बांग्लादेश से हारने पर बोले पीसीबी अध्यक्ष

पाकिस्तान के पास अच्छे खिलाड़ियों का मजबूत पूल नहीं

एजेंसी। रावलपिंडी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पहले टेस्ट मैच में बांग्लादेश से मिली 10 विकेट की करारी हार को निराशाजनक करार देते हुए कहा कि पाकिस्तान के पास अच्छे खिलाड़ियों का मजबूत पूल नहीं है जो जरूरत पड़ने पर राष्ट्रीय टीम में शामिल खिलाड़ियों की जगह ले सकें.नकवी ने कहा,'यह हार बेहद निराशाजनक है. समस्या यह है कि चयन समिति के पास ऐसे खिलाड़ियों का पूल नहीं है जो

जरूरत पड़ने पर सीनियर खिलाड़ियों की जगह ले सकें.'पाकिस्तान ने घरेलू धरती पर अपना आखिरी टेस्ट मैच दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दिसंबर 2021 में रावलपिंडी में जीता था. इस बीच उसे पांच मैच में हार का सामना करना पड़ा.पाकिस्तान श्रृंखला के शुरुआती मैच में विशेषज्ञ स्पिनर के बिना उतरा. उसने चार तेज गेंदबाजों को टीम में रखा लेकिन उसका यह फैसला गलत साबित हुआ.नकवी ने कहा,''बांग्लादेश के खिलाफ हार दुखद है लेकिन चयन समिति ने टीम प्रबंधन को 17 खिलाड़ी दिए थे. अगर कोच या कप्तान ने इनमें से कुछ खिलाड़ियों को बाहर रखा तो यह उनका फैसला है. हो सकता है कि उन्होंने गलती की हो लेकिन इसका चयन समिति से कोई लेना देना नहीं है.'

प्रदर्शन आगामी घरेलू टूर्नामेंट्स को लेकर बनाया है मास्टर प्लान

सूर्यकुमार यादव की नजर टेस्ट टीम में वापसी पर

एजेंसी। मुंबई

भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव आगामी बुची बाबू टूर्नामेंट और दलीप ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन कर भारत की टेस्ट टीम में वापसी करना चाहते हैं. इस 33 वर्षीय बल्लेबाज ने भारत की टेस्ट प्लेइंग इलेवन में वापसी करने के लिए पूरी कोशिश करने की ठानी है और कहा है कि लाल गेंद का क्रिकेट हमेशा उनकी प्राथमिकता रही है.

सूर्यकुमार ने फरवरी 2023 में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नागपुर टेस्ट से भारत के लिए टेस्ट में डेब्यू किया था. वह केवल 8 (20) रन बना सके थे और चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए थे. अब सूर्यकुमार बुची बाबू टूर्नामेंट और दलीप ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के साथ सफेद जर्सी में वापसी करना चाहते हैं.

उन्होंने कहा, 'लाल गेंद का क्रिकेट हमेशा से मेरी प्राथमिकता रही है. जब मैं मुंबई के मैदानों में बड़ा हुआ और बहुत सारे स्थानीय क्रिकेट खेले, तो मैंने लाल चेरी के साथ खेलना शुरू कर दिया. सबसे लंबे प्रारूप के लिए प्यार वहीं से शुरू हुआ और हमेशा रहा है. मैंने 10 साल से भी अधिक समय से कई प्रथम श्रेणी मैचों में हिस्सा लिया है और मैं अब भी इस प्रारूप में खेलने का लुत्फ उठाता हूं. इसके बारे में कोई सवाल ही नहीं है और इसलिए मैं दलीप ट्रॉफी से पहले बुची बाबू टूर्नामेंट खेलने आया हूं.

'मैं उस स्थान को फिर से अर्जित करना चाहता हूं'

उन्होंने कहा, 'ऐसे कई लोग हैं जिन्होंने अपनी जगह बनाने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत की है और मैं भी यह स्थान फिर से हासिल करना चाहता हूं. मैंने भारत के लिए टेस्ट में डेब्यू किया. उसके बाद मैं भी चोटिल हो गया. बहुत सारे लोग थे जिन्हें मौका मिला और उन्होंने अच्छा प्रदर्शन भी किया. वे अभी इस मौके के हकदार हैं.'' इस साल अभी 10 टेस्ट मैच और खेले जाने हैं. इसमें भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भी शामिल है. सूर्यकुमार ने कहा, ''आगे अगर मुझे खेलना है तो भी मैं स्वचालित रूप से खेलूंगा. यह मेरे नियंत्रण में नहीं है. अभी मेरे दिमाग में बुच्ची बाबू टूर्नामेंट खेलना, दलीप ट्रॉफी खेलना और फिर देखना है कि क्या होता है, लेकिन हां मैं वास्तव में आगे के बारे में सोच रहा हूं.

सूर्यकुमार का टेस्ट में वापसी का लक्ष्य : इस 33 वर्षीय बल्लेबाज को उम्मीद है कि वह टेस्ट क्रिकेट में वापसी करेंगे और उनका मानना है कि घरेलू क्रिकेट खेलने से उनके लिए दरवाजे खुल सकते हैं. उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा मुंबई के लिए खेलने का मौका तलाशता रहूंगा, भले ही यह प्रथम श्रेणी हो या बुची बाबू जैसा टूर्नामेंट. कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पहले भी इस प्रतियोगिता में खेल चुके हैं और आगे भी देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं.'

एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए खेलेंगी स्मृति मंधाना

एजेंसी। एडिलेड

भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के आगामी सत्र में मौजूदा चैंपियन एडिलेड स्ट्राइकर्स की तरफ से खेलेगी. यह भारतीय सलामी बल्लेबाज इससे पहले डब्ल्यूबीबीएल की तीन टीमों ब्रिस्बेन हीट, सिडनी थंडर और होबार्ट हरिकेंस के लिए खेल चुकी हैं. वह लीग के सत्र से पहले विदेशी खिलाड़ियों से अनुबंध करने के नियम के तहत रविवार को होने वाले ड्राफ्ट से पहले स्ट्राइकर्स में शामिल हो गईं. मंधाना हालांकि लीग के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएगी क्योंकि भारत को अक्टूबर के अंत में तीन वनडे मैचों के लिए न्यूजीलैंड की मेजबानी करनी है. डब्ल्यूबीबीएल 27 अक्टूबर से शुरू

हो रहा है. भारत को एक दिसंबर को होने वाले डब्ल्यूबीबीएल फाइनल के ठीक बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैच भी खेलने हैं. स्ट्राइकर्स की कप्तान ताहलिया मैकग्रा ने क्रिकेट.कॉम.एयू से कहा,''हम पिछले कुछ वर्षों से उसे टीम से जोड़ने का प्रयास कर रहे थे. उसकी बल्लेबाजी अविश्वसनीय है. वह शानदार बल्लेबाज है और थोड़े समय में ही मैच का पासा पलटने की क्षमता रखती है.'

ब्रीफ खबरें

भागलपुर में आधी रात आया भूकंप, हाहाकार

पटना । सोमवार आधी रात लगभग 12:50 बजे भूकंप के झटके महसूस किये गये. भूकंप का केंद्र झारखंड के संथाल परगना जिले के रामगढ़ में था, जो कि भागलपुर से 200 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में आता है. इसलिए भूकंप के झटके अनुभव भागलपुर और आसपास के क्षेत्रों में महसूस किए गए, जिसका भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.5 मापी गई. हालांकि, भूकंप का असर बहुत ज्यादा नहीं था. किसी प्रकार की क्षति की सूचना नहीं मिली. जिन्हें झटके महसूस हुए वो घरों से बाहर निकल गए.

दहेज के लिए विवाहिता की हत्या, मामला दर्ज

बिहारशरीफ । नालंदा जिले के परवलपुर थानाक्षेत्र अंतर्गत सोमवार की रात दहेज लोभियों ने एक विवाहिता को जहर देकर मार डाला. मंगलवार की सुबह मृत महिला के पिता ने घटनाक्रम की जानकारी परवलपुर थाना पुलिस को दिया. परवलपुर थाना पुलिस घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर जाकर घटना की जांच करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल लाया गया. इस संबंध में दहेज हत्या का प्राथमिकी परवलपुर थाने में दर्ज की गयी हैं. मृतिका की पहचान एकंगरसराय गांव निवासी शेखोराम की 25 वर्षीय पुत्री मेनका कुमारी के रूप में की गयी है.

15.90 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार

अररिया । जिले के बसमतिया थाना क्षेत्र में पुलिस और एसएसबी की संयुक्त छापामारी में 15.90 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान नेपाल के सुनसरी जिला के झुमका के रहने वाले 41 वर्षीय सुनील राय पिता स्वर्गीय राज बहादुर राय और 34 वर्षीय तुलसीराम चौधरी पिता करण चौधरी के रूप में हुई है. पुलिस ने गिरफ्तार दोनों नेपाली नागरिकों से मादक पदार्थ और भारत से कनेक्शन को लेकर कड़ाई से पूछताछ की. तस्करों के द्वारा पुलिस और एसएसबी के अधिकारी को दिए जाने की बात कही जा रही है.

पटना के कांटी फैक्ट्री के नजदीक सोमवार की देर रात बड़ा हादसा

बेकाबू कार ने महिला-बच्चे समेत पांच को कुचल दिया

- पांचों घायल अस्पताल में भर्ती, घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने जमकर किया बवाल
- पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया है

संवाददाता । पटना

चालक नशे में धुत होकर गाड़ी चला रहा था, सभी आरोपी फरार

पटना के कांटी फैक्ट्री के नजदीक सोमवार की देर रात तेज रफ्तार से आ रहे एक सफारी गाड़ी में महिला, बच्चे सहित पांच को कुचल दिया. घटना के बाद तेजी से भगाने के क्रम में गाड़ी एक रेलिंग पर जाकर फंस गई. गाड़ी में सवार सभी लोग मौके से फरार हो गए. घटना के बाद वहां उपस्थित लोगों ने जमकर हंगामा किया. सूचना मिलते ही चित्रगुप्त थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया. पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया है. इस बीच पुलिस ने सफारी गाड़ी को अपने कब्जे में लेकर थाना ले आई और गाड़ी में सवार फरार सभी लोगों की तलाश शुरू कर दी गई है. लोगों का आरोप है कि कार चालक नशे में धुत होकर गाड़ी चला रहा था. वह मतवाला हाथी के तरह पांच लोगों को रौंदते चला गया. पुलिस जल्द से जल्द ड्राइवर की तलाश करे और सख्त से सख्त सजा दिलाए. इस मामले को लेकर चित्रगुप्तनगर थाना के प्रभारी आलोक कुमार ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है. उन्होंने बताया कि गाड़ी को जब्त कर लिया गया है और गाड़ी में सवार सभी लोगों की तलाश की जा रही है.

जन्माष्टमी को लेकर सड़क पर काफी भीड़ थी : आसपास के लोगों ने बताया कि जन्माष्टमी के अवसर पर कांटी फैक्ट्री के नजदीक पूजा को लेकर रात्रि के वक्त सड़क पर काफी भीड़ थी. इसी बीच कुम्हरार की तरफ से एक तेज रफ्तार सफारी गाड़ी आई और सड़क पर महिला बच्चे सहित पांच लोगों को कुचल दिया. इस हादसे से में सड़क पर उपस्थित नेहा देवी (30), शशि देवी (30), पांचो देवी (45), परिधि कुमारी (6 माह) और साहिल कुमार (7) घायल हो गए. सूचना मिलते ही चित्रगुप्त थाने की पुलिस मौके पर पहुंची. इस बीच लोगों ने सड़क पर जमकर हंगामा किया. पुलिस ने किसी तरह लोगों को समझा बुझाकर मामला शांत कराया. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सफारी गाड़ी में तीन लोग सवार थे और सभी लोग काफी नशे में थे.

आहर में डूबने से बालक की मौत, मचा कोहराम

नवादा । नवादा जिले के नरहट थाना क्षेत्र के राधे बिगहा गांव के दो मुहानी आहर में मंगलवार को एक बच्चे की डूबने से मौत हो गई. मृतक की पहचान राधे बिगहा निवासी मिथलेश राजवंशी के पुत्र मनीष कुमार के रूप में की गई है, जिसकी उम्र लगभग 12 वर्ष बतायी जा रही है. बताया गया है कि मृतक शौच के लिए बधार गया था. शौच के बाद आहर की पानी में गया, जहां पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया तथा डूबने से उसकी मौत हो गयी. पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

मवेशी को धोने गए पैईन में डूबने से अधेड़ की मौत

बिहारशरीफ । नूरसराय थानाक्षेत्र के वेलदारी पर गांव में मंगलवार की सुबह पैईन में डूबने से 50 वर्षीय अधेड़ की मौत हो गयी. मृतक नूरसराय प्रखंड अंतर्गत वेलदारी पर गांव निवासी सुखु बिंद का पुत्र बिशुन बिंद है. परिजन ने बताया कि मंगलवार की सुबह मवेशी को धोने के लिए पैईन की ओर गये थे. ज्यों ही पैईन में मवेशी धोने लगे वैसे ही संतुलन खो जाने से वह तालाब की गहरे पानी में चले गया और वह डूब गये. घटना को देख काम कर रहे मजदूरों ने इस आशय की सूचना उनके परिजनों को दी.

कृष्ण जन्माष्टमी देखने गए युवक की पीट-पीट कर हत्या

संवाददाता । समस्तीपुर

समस्तीपुर जिले में कल्याणपुर थाना क्षेत्र के बरहत्ता हाईस्कूल के पास कृष्ण जन्माष्टमी का मेला देखने निकले एक युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई. युवक का शव मंगलवार सुबह हाईस्कूल की बाउंड्री वॉल के पास मिला. उसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई. मृतक युवक की पहचान कल्याणपुर थाना क्षेत्र के ही जनार्दनपुर गांव के संजय ठाकुर का पुत्र बिट्टू ठाकुर 21 साल के रूप में की गई है.

उधर, शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. बड़ी संख्या में मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई. लोगों ने शव के साथ समस्तीपुर-दरभंगा सड़क को बरहत्ता चौक के पास बांस बल्ला लगाकर जाम कर दिया. जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई है. उधर, घटना की सूचना पर कल्याणपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई है. हालांकि, मौके पर पहुंची कल्याणपुर पुलिस को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा.

बताया गया है कि संजय ठाकुर का पुत्र बिट्टू शाम में कृष्ण जन्माष्टमी का मेला देखने के लिए घर से निकला था. रात करीब नौ बजे के बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया, जिसके बाद परिवार के लोग उसकी खोजबीन शुरू कर दिए. लेकिन रात में उसका कुछ पता नहीं चला. सुबह करीब आठ बजे लोगों ने बरहत्ता हाईस्कूल के बाउंड्री वॉल के पास सड़क किनारे बिट्टू का शव देखा, उसके शरीर पर कई जगहों पर जख्म का निशान है. माना जा रहा है कि उसकी बेरहमी से पिटाई की गई है, जिसके कारण उसकी मौत हुई है.

सीतामढ़ी में मेला देखने गए युवक को मार डाला

सीतामढ़ी । सीतामढ़ी में युवक की हत्या कर दी गई. परिजनों का आरोप है कि जिस लड़की से प्रेम-प्रसंग चल रहा था, उन्हीं लोगों ने इस वारदात को अंजाम दिया है. घटना जिले के बथनाहा थाना क्षेत्र के कमलदह गांव की है. मृत युवक की पहचान बथनाहा थाना क्षेत्र के कमलदह वार्ड एक निवासी वीरेंद्र साह के 19 वर्षीय पुत्र सुमित कुमार के रूप में की गई. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. आसपास के लोगों की भीड़ लग गई.

मेडिकल जांच के लिए गए दो कैदी फरार

मोतिहारी । पूर्वी चंपारण के ढाका में फिर पुलिस की लापरवाही सामने आई है. यहां जेल भेजे जाने से पहले मेडिकल जांच के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भेजे गए चार अभियुक्तों में दो अभियुक्त पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए. इसमें पुलिस ने एक को खदेड़ कर पकड़ लिया, लेकिन एक अभी भी पकड़ में नहीं आया. पुलिस इसको फिर से गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही है. मंगलवार को चिरैया थाना से मेडिकल जांच के लिए ढाका अनुमंडलीय अस्पताल में चार कैदी लाए गए थे. इसमें मद्य निषेध के दो कैदी को लेकर दो पुलिसकर्मी गेट के सामने कुर्सी पर बैठ गए. एक कैदी चिरैया थाना क्षेत्र के गोखुला निवासी मनोज कुमार है, जिसको दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया है. वहीं, दिपही गांव निवासी कन्हाई राय का पुत्र श्याम सुन्दर कुमार भागने में सफल रहा.

राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए उपेंद्र-मनन मिश्र

पटना । बिहार की खाली पड़ी दो राज्यसभा सीटों पर राजग उम्मीदवार उपेंद्र मिश्र और मनन मिश्र निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं. राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने का प्रमाणपत्र प्राप्त करने के उपरांत राष्ट्रीय लोक जनता पार्टी (रालोजपा) के उपेन्द्र कुशवाहा एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मनन मिश्र ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मंगलवार को शिष्टाचार मुलाकात की. मुख्यमंत्री ने दोनों नवनिर्वाचित सांसदों को जीत की शुभकामनाएं दीं.

पटना में चीफ इनकम टैक्स कमिश्नर के आवास पर हुई छापेमारी

संवाददाता । पटना

घूसखोरी के मामले में आयकर विभाग की टीम ने अपने ही वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ एक्शन लिया है. आयकर की टीम ने पटना में चीफ इनकम टैक्स कमिश्नर के पटना स्थित आवास पर छापेमारी की है. सीबीआई की टीम ने एक दिन पहले ही धनबाद में पोस्टेड मुख्य आयकर आयुक्त संतोष कुमार को 10 लाख रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था. इनकम टैक्स की राशि में फर्जीवाड़ा और टैक्स चोरी को मैनेज करने के एवज में चीफ इनकम टैक्स कमिश्नर किसी शख्स से 10 लाख रुपये घूस ले रहे थे, तभी सीबीआई की टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था जबकि उनके एक करीबी को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है.

मूर्ति विसर्जन के दौरान एक छात्रा डूबी, बचाने गई तीन सहेलियों ने लगाई छलांग, हालत गंभीर

संवाददाता । नालंदा

नालंदा के नूरसराय थाना इलाके के जगदीशपुर तियारी गांव में मंगलवार की सुबह एक बड़ी घटना घटी है. बीती रात सोमवार को जन्माष्टमी के मौके छात्राओं ने पूजा पाठ की और मंगलवार की सुबह गांव की ही नदी में चार छात्राएं भगवान कृष्ण की मूर्ति विसर्जन करने के लिए गई थीं, जहां एक छात्रा की डूबने से मौत हो गई. वहीं उसको बचाने के लिए पानी में कूदी तीन अन्य छात्राओं की हालत गंभीर है. इस घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है. बताया जाता है कि विसर्जन के दौरान एक छात्रा खुशबू कुमारी का पैर फिसल गया था, जिससे वह पानी में डूबने लगी उसे बचाने के लिए तीन अन्य सहेलियों ने शोर मचाया और फिर खुद पानी में कूद गईं, उसी दौरान कुछ गांव के युवक की नजर पड़ी तो युवकों ने नदी से तीन लड़कियों को निकाल लिया, मगर एक सहेली की मौत हो गई.

पानी से निकली तीन लड़कियों की हालत अभी गंभीर बनी हुई है, जिनका इलाज चल रहा है, मृतका छात्रा की पहचान सुनील बिंद के 12 वर्षीय पुत्री खुशबू कुमारी के रूप में हुई है, फिलहाल शव को बरामद करने के बाद पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शौच करने के लिए खेत की ओर गए हुए थे. इसी दौरान गांव के ही चार छात्रा एक साथ जन्माष्टमी के मौके पर कृष्ण जी की मूर्ति को विसर्जन करने के लिए तालाब में गई हुई थीं, एक सहेली को बचाने के लिए शोर मचाकर तीन सहेली छलांग लगा दी थी, सभी एक दूसरे को बचाने के चक्कर में डूब रहीं थीं, उसने अकेले ही तीन छात्राओं को बचा लिया. मगर एक डूब गई थी. जख्मी छात्राएं रविता कुमारी, जूली कुमारी और रीता कुमारी हैं. अगर ये सहेलियां शोर मचाकर पानी में छलांग नहीं लगती तो एक बड़ी घटना होती क्योंकि पानी ज्यादा था और इन लोगो को तैरना नहीं आता था. वहीं नूरसराय थाना प्रभारी रजनीश कुमार ने बताया कि कृष्ण जी का मूर्ति को विसर्जन करने के लिए छात्राएं गई थीं, उसी दौरान पैर फिसल जाने के दौरान एक छात्रा पानी में डूबने लगी थी, इसी को बचाने के लिए तीन अन्य सहेलियों ने भी छलांग लगा दी थी. वहां मौजूद एक युवक ने तीन को बचा लिया.

कारोबार

गाला प्रिसिजन का आईपीओ दो को खुलेगा

नयी दिल्ली । गाला प्रिसिजन इंजीनियरिंग लिमिटेड ने अपने आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 503-529 रुपये प्रति शेयर तय किया है. कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. कंपनी ने कहा कि 168 करोड़ रुपये का आईपीओ दो सितंबर को खुलेगा और चार सितंबर को बंद होगा. आईपीओ के तहत 135.34 करोड़ रुपये मूल्य के 25.58 लाख नए इक्विटी शेयरों की बिक्री की जा रही है. इसके अलावा इसमें 32.58 करोड़ मूल्य के 6.16 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है.

पेटीएम ने श्रीनिवासन को निदेशक बनाया

नयी दिल्ली । वन97 कम्युनिकेशंस ने मंगलवार को बताया कि उसने एन वी श्रीनिवासन को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी पेटीएम मनी का गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया है. शिक्षा प्रौद्योगिकी फर्म वन97 कम्युनिकेशंस के पास पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व है. श्रीनिवासन भारतीय रिजर्व बैंक की एक तकनीकी सलाहकार समिति की अध्यक्षता कर चुके हैं. वह विदेशी मुद्रा विनिमय डीलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफईडीएआई) की प्रबंधन समिति के सदस्य भी थे.

एलन ग्रुप ने 500 करोड़ रुपये का ठेका दिया

नयी दिल्ली । रियल्टी फर्म एलन ग्रुप ने गुरुग्राम में अपने शॉपिंग मॉल के निर्माण के लिए लीटन एशिया को 500 करोड़ रुपये का ठेका दिया है. कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने ऑस्ट्रेलियाई सीआईएमआईसी समूह की निर्माण कंपनी लीटन एशिया को अपनी नयी पेशकश एलन ईपीरियल के लिए 500 करोड़ रुपये से अधिक का निर्माण ठेका दिया है. गुरुग्राम के सेक्टर 82 में स्थित इस मिश्रित उपयोग वाली परियोजना में एक लक्जरी रिटेल मॉल, एक पांच सितारा होटल और ब्रांडेड आवास शामिल हैं. चेयरमैन राकेश कपूर ने कहा कि कंपनी ने इससे पहले पिछले साल अगस्त में लीटन को 1,000 करोड़ रुपये का ठेका दिया था.

भारत में वित्त वर्ष मार्च तक छह लाख नौकरियां पैदा करेगी एप्पल

- फॉक्सकॉन, विस्ट्रोन और पेगाट्रॉन ने लगभग 80,872 जॉब पैदा किए हैं. विस्ट्रोन अब टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स बन चुकी है

एजेंसी । नयी दिल्ली

फाइल फोटो

दुनिया की दिग्गज कंपनी एप्पल इंक इस साल भारत में लगभग 6 लाख नौकरियां पैदा करने वाली है. यह नौकरियां एप्पल के साथ ही उसके लिए काम कर रही कंपनियों के जरिए पैदा होंगी. इनमें से लगभग 2 लाख लोगों को सीधा एप्पल के लिए काम करने का मौका मिलेगा. नई जॉब में महिलाओं की संख्या लगभग 70 फीसदी रहने वाली है. नौकरियों के यह अवसर इसी वित्त वर्ष में मार्च तक पैदा किए जाएंगे.

इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, एप्पल जल्दी से जल्दी चीन में मैन्युफैक्चरिंग पर निर्भरता कम करना चाहती है. उसने अपना नया गढ़ भारत को बना लिया है. कंपनी ज्यादा से ज्यादा मैन्युफैक्चरिंग भारत में करना चाहती है. इसके चलते देश में नौकरियों की बहार आने वाली है. एप्पल और उससे जुड़ी कंपनियों द्वारा सरकार को दिए गए डेटा और अनुमानों के आधार पर रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलकर लगभग 6 लाख जॉब पैदा होंगे.

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि फॉक्सकॉन, विस्ट्रोन और पेगाट्रॉन ने लगभग 80,872 जॉब पैदा किए हैं. विस्ट्रोन अब टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स बन चुकी है. इसके अलावा एप्पल को सप्लाई करने वाली टाटा ग्रुप, सेलकॉम्प, मदरसन, फॉक्सलिंक, सनवोडा, एटीएल और जबील ने भी 84 हजार से ज्यादा नौकरियां पैदा की हैं.

सबसे ज्यादा जॉब देने वाली सूची में हुई शामिल

पिछले कुछ समय में एप्पल देश में सबसे ज्यादा ब्लू कॉलर जॉब पैदा करने वाली कंपनियों में शामिल हो चुकी है. एप्पल के लिए काम करने वालों में युवाओं के साथ-साथ महिलाएं भी बड़ी संख्या में शामिल हैं. एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि साल 2020 में आई स्मार्टफोन प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम के बाद से एप्पल ने वेंडर लगभग 165,000 नौकरियां पैदा कर चुके हैं. सरकार का मानना है कि इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में 1 डायरेक्ट जॉब की वजह से 3 इनडायरेक्ट जॉब पैदा होते हैं.

नये संयंत्र के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा : चेयरमैन

एजेंसी । नयी दिल्ली

मारुति सुजुकी इंडिया को 10 लाख इकाई की वार्षिक क्षमता वाले नए संयंत्र की स्थापना के लिए स्थान को अंतिम रूप देने में थोड़ी देरी का सामना करना पड़ रहा है. कंपनी के चेयरमैन आर सी भार्गव ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि हरियाणा के खरखौदा में आगामी संयंत्र 2025-26 तक उत्पादन शुरू करने के लिए तैयार है. कंपनी की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए भार्गव ने मारुति सुजुकी के इस भरोसे को भी दोहराया कि भारत की आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों में कम लागत वाली और छोटी कारें जरूरी हैं. उन्होंने कहा कि इस तरह की कारों की मांग में एक अस्थायी झटके से कंपनी की रणनीति नहीं बदलेगी. उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले दो वर्षों में छोटी कारों की मांग फिर से बढ़ जाएगी. भार्गव ने कहा, उत्पादन विस्तार का हमारा कार्यक्रम तय योजना के अनुसार आगे बढ़ रहा है. खरखौदा संयंत्र में विनिर्मित कारों से वित्त वर्ष 2025-26 में हमारी बिक्री में इजाफा होगा. दस लाख इकाई वाले संयंत्र के लिए स्थान को अंतिम रूप देने में थोड़ी देरी हुई है. हम इस मामले में जल्द निर्णय लेने के लिए अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं. इस साल जनवरी में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट में सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष तोशीहिरो सुजुकी ने कहा था कि कंपनी की भारतीय शाखा मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) गुजरात में अपना दूसरा विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए 35,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जिसकी स्थापित उत्पादन क्षमता 10 लाख इकाई प्रति वर्ष होगी.

नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट ने मसौदा पत्र दाखिल किया

एजेंसी । नयी दिल्ली

गवार कंस्ट्रक्शन लिमिटेड द्वारा प्रायोजित नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट ने मंगलवार को 1,600 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास मसौदा पत्र दाखिल किया. मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार आईपीओ में 1,200 करोड़ रुपये तक का ताजा निर्गम और बाकी 400 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है. यह निर्गम बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के जरिये लाया जाएगा, जिसमें रणनीतिक निवेशक हिस्से को छोड़कर बाकी हिस्से का 75 प्रतिशत संस्थागत निवेशकों के लिए और 25 प्रतिशत गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए उपलब्ध होगा. राष्ट्रीय अवसंरचना ट्रस्ट की स्थापना सितंबर 2023 में की गई थी और इसे मार्च 2024 में सेबी के साथ पंजीकृत किया गया.

जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी को मिली परियोजना

एजेंसी । नयी दिल्ली

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने मंगलवार को कहा कि उसकी शाखा जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी को महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी (एमएसईडीसीएल) से पवन-सौर मिश्रित बिजली परियोजना के लिए निर्णय पत्र (एलओए) मिला है. जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने एक बयान में कहा कि 200 मेगावाट की पवन-सौर मिश्रित बिजली परियोजना जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी को शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली में दी गई है. बयान में कहा गया कि इस एलओए के चलते कंपनी की कुल लॉक-इन उत्पादन क्षमता बढ़कर 17.2 गीगावॉट हो गई है, जिसमें 2.9 गीगावॉट की कुल लॉक-इन मिश्रित क्षमता (एफडीआरई सहित) शामिल है. कंपनी को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024-25 तक उसकी स्थापित उत्पादन क्षमता 10 गीगावाट हो जाएगी, जो वर्तमान में 7.5 गीगावाट है.

शेयर बाजार

फ्लैट कारोबार के बावजूद घरेलू शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुए

निवेशकों ने कमाए 82 हजार करोड़ रुपये

- सेंसेक्स 117.12 अंक की तेजी के साथ 81,815.23 अंक के स्तर पर खुला

एजेंसी । नई दिल्ली

सीमित दायरे में कारोबार करने के बाद घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को मामूली बढ़त के साथ बंद हुए. मंगलवार के कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई थी. बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव में शेयर बाजार लुढ़क कर लाल निशान पर पहुंच गया लेकिन खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर शेयर बाजार की चाल तेज हुई. निफ्टी मंगलवार को अपने ऑल टाइम हाई लेवल के काफी करीब पहुंचने के बाद गिरावट का शिकार हो गया. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.02 प्रतिशत और निफ्टी 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक मजबूती के साथ बंद हुए.

मंगलवार को दिन भर के कारोबार के दौरान टेलीकॉम, आईटी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही. इसी तरह केमिकल, फार्मास्यूटिकल और रियल्टी इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे. दूसरी ओर एनर्जी, एफएमसीजी, मेटल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा. ब्रॉडर मार्केट में भी खरीदारी का जोर बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.58 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ. इसी तरह

स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार के कारोबार का अंत किया.

बीएसई का सेंसेक्स मंगलवार को 117.12 अंक की तेजी के साथ 81,815.23 अंक के स्तर पर खुला. कारोबार की शुरुआत में ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 96.60 अंक की कमजोरी के साथ 81,600.51 अंक के स्तर पर पहुंच गया. हालांकि, इसके बाद खरीदारी शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक ने थोड़ी ही देर में वापस हरे निशान में अपनी जगह बना ली. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 13.65 अंक की मामूली बढ़त के साथ 81,711.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ.

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने मंगलवार को 14.20 अंक की मामूली मजबूती के साथ 25,024.80 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की. बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से ये सूचकांक भी 36.95 अंक की गिरावट के साथ दिन के सबसे निचले स्तर 24,973.65 अंक तक लुढ़क गया. हालांकि, इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इस सूचकांक की चाल में भी तेजी आ गई. लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से निफ्टी 62.50 अंक की तेजी के साथ उछल कर ऑल टाइम हाई लेवल के काफी करीब 25,073.10 अंक तक पहुंच गया. इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक में दोबारा गिरावट आ गई.

मंगलवार को पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 2.38 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.13 प्रतिशत, मारुति सुजुकी 2.07 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 1.95 प्रतिशत और एचडीएफसी लाइफ 1.92 प्रतिशत की मजबूती के साथ मंगलवार के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए.

एयरटेल अपने ग्राहकों के लिए नये फीचर की पेशकश करेगी

एजेंसी । नयी दिल्ली

एयरटेल के ग्राहक इस साल के अंत में वीडियो स्ट्रीमिंग मंच एक्सस्ट्रीम और विंक म्यूजिक ऐप के जरिए एप्पल टीवी प्लस और एप्पल म्यूजिक कंटेंट का आनंद ले सकेंगे. दूरसंचार कंपनी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि एयरटेल और एप्पल ने इस संबंध में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं. इस साझेदारी के तहत, एयरटेल एक्सस्ट्रीम के ग्राहक एप्पल टीवी प्लस पर हॉलीवुड और पुरस्कार विजेता सामग्री का आनंद ले सकेंगे. यह सुविधा प्रीमियम एयरटेल वाईफाई और पोस्टपेड प्लान के साथ मिलेगी. इसी तरह, विंक प्रीमियम के उपयोगकर्ताओं को एप्पल म्यूजिक का लाभ मिलेगा. मुख्य विपणन अधिकारी ने कहा, एप्पल और एयरटेल स्वाभाविक भागीदार हैं, जो ग्राहक अनुभव में उत्कृष्टता लाने का प्रयास करते हैं.

न्यूज अपडेट

दीवार गिरने से दो लोगों की मौत

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में दीवार गिरने से उसमें दबकर 55 वर्षीय एक महिला और उसकी पोतियों की मौत हो गई. पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि घटना जयनगर थाना क्षेत्र के करतमा गांव में सोमवार शाम की है और मृतकों की पहचान धनमतिया दास (55) और उनकी पोती बिजली (तीन) और सुहानी (दो) के रूप में हुई है. घटना के वक्त बच्चियां, अपनी दादी के साथ घर पर थीं, जबकि माता-पिता मजदूरी के लिए बाहर गए हुए थे.

ट्रैक्टर से कुचलकर दो को मार डाला

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में जमीन बंटवारे को लेकर पिता और भाई ने ट्रैक्टर से कुचलकर दो भाइयों को मार डाला तथा एक भाई समेत परिवार के दो सदस्यों को घायल कर दिया. पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इस मामले में तीन महिलाओं समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है और चार अन्य फरार हैं. अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा जांच की जा रही है.

प्रख्यात फिल्मकार मोहन का निधन

कोच्चि। मलयालम में कई ऐतिहासिक फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले प्रख्यात फिल्मकार और पटकथा लेखक मोहन का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया. मोहन का कुछ समय से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर इलाज चल रहा था. वह 76 वर्ष के थे. मोहन को मलयालम सिनेमा के 1980 के दशक के स्वर्ण काल के दौरान जाने-माने फिल्मकारों में से एक माना जाता था.

राउत ने सीएम शिंदे से मांगा इस्तीफा

मुंबई। शिवसेना (उद्धव) के नेता संजय राउत ने सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के मामले को लेकर मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के इस्तीफे की मांग की और प्रतिमा के निर्माण में घोटाले का आरोप लगाया. उन्होंने यह भी दावा किया कि औरंगजेब और मुगलों ने भी शिवाजी महाराज का इस तरह अपमान नहीं किया था. प्रतिमा सोमवार को अपराह्न करीब एक बजे गिर गई थी.

बारिश संबंधी घटनाओं ने ली 7 की जान

अहमदाबाद। गुजरात के विभिन्न हिस्सों में बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई. अधिकारियों ने बताया कि गुजरात में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन भारी बारिश का दौर जारी रहा, जिससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और निचले इलाकों में बाढ़ आ गई. उन्होंने बताया कि लगातार बारिश के कारण बांधों और नदियों का जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर छह हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है.

आतंकी हमले में 100 लोगों की मौत

अबुजा। मध्य बुर्किना फासो के एक गांव में अल-कायदा से जुड़े आतंकवादियों द्वारा सप्ताहांत में किए गए हमले में कम से कम 100 ग्रामीणों और सैनिकों की मौत हो गई. एक विशेषज्ञ ने यह जानकारी दी. इस हमले को संघर्षग्रस्त बुर्किना फासो में इस वर्ष हुए सबसे घातक हमलों में से एक बताया जा रहा है. अल-कायदा ने रविवार को एक बयान जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली. उसने रणनीतिक लिहाज से अहम काया शहर के बार्सालोघो में 'एक सैन्य चौकी पर पूर्ण नियंत्रण' हासिल करने का दावा किया.

चीनी रैपर का संगीत कार्यक्रम रद्द

ताइपे। ताइवान ने चीन के मशहूर रैपर वांग यिताई के ताइपे में प्रस्तावित संगीत कार्यक्रम को रद्द कर दिया है. उसने वांग द्वारा कार्यक्रम की प्रचार सामग्री में आपत्तिजनक शब्द "ताइपे, चीन" का इस्तेमाल किए जाने के मद्देनजर यह कदम उठाया है. ताइवान सरकार की मुख्यभूमि मामलों की परिषद ने रविवार देर रात घोषणा की कि वांग यिताई के 14 सितंबर को ताइपे में प्रस्तावित संगीत कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया है और चेंगदू के इस रैपर के द्वीप में प्रवेश करने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है.

हवाई अड्डे पर इंटरनेट सेवाएं बाधित

सिएटल। साइबर हमले के कारण अमेरिका के सिएटल-टैकोमा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इंटरनेट, फोन, ईमेल और अन्य संचार सेवाएं सोमवार को लगातार तीसरे दिन भी बाधित रहीं. हवाई अड्डे के अधिकारी हमले की जांच और सेवाएं बहाल करने की कोशिशों में जुटे हुए हैं. हवाई अड्डे के उड्डयन प्रबंध निदेशक लांस लिटल ने रविवार को पत्रकार वार्ता में कहा, 'हम आवश्यक सेवाओं को बहाल करने और यात्रियों पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं.'

चीन ने मनीला के जहाज को रोका

मनीला। चीन ने 40 जहाजों के 'अत्यधिक बल' प्रयोग से फिलीपीन के दो जहाजों को दक्षिण चीन सागर में एक विवादित द्वीप पर मनीला के सबसे बड़े तटरक्षक जहाज को खाद्य एवं अन्य सामान की आपूर्ति करने से रोक दिया. फिलीपीनी अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. दक्षिण चीन सागर में क्षेत्रीय विवाद का यह ताजा मामला है. चीन और फिलीपीन ने 'सबीना शोल' में सोमवार को टकराव के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया है.

तेंदुओं की संख्या अधिक होने और शिकार योग्य पशुओं की कमी से जूझ रहा कूनो राष्ट्रीय उद्यान, समिति सदस्यों ने जताई चिंता

शिकार की चुनौतियों के कारण गांधी सागर अभयारण्य चीतों के लिए नहीं तैयार

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत में विदेश से लाए चीतों का पहला घर बना मध्य प्रदेश का कूनो राष्ट्रीय उद्यान तेंदुओं की संख्या अधिक होने और शिकार योग्य पशुओं की कमी से जूझ रहा है और इन्हीं दोनों चुनौतियों ने गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में तैयारियों में विलंब कर दिया है जो चीतों का दूसरा घर होगा.

केंद्र की 'चीता परियोजना संचालन समिति' (चीता प्रोजेक्ट स्टीरिंग कमेटी) की बैठकों के विवरण से पता चलता है कि सितंबर 2022 में भारत में चीतों की आबादी बढ़ाने की महत्वाकांक्षी पहल के सामने शिकार में वृद्धि और तेंदुओं का प्रबंधन प्रमुख चुनौतियां हैं. शिकार कम होना उन वजहों में से एक है जिसके चलते सेप्टिसीमिया के कारण तीन चीतों की मौत के बाद बाकी के चीतों को पिछले साल अगस्त में जंगल से लाए जाने के बाद कूनो में बाड़ों में अधिक वक्त गुजारना पड़ा. अंतरिम समाधान के तौर पर प्राधिकारी कूनो और गांधी सागर दोनों में शिकार की संख्या बढ़ा रहे हैं. दोनों इलाकों में तेंदुओं की अधिक तादाद के कारण भी तेंदुआ स्थानांतरण अभियान शुरू करना पड़ा है.

विशेषज्ञों के अनुसार, तेंदुए और शेर जैसे शिकारियों की उपस्थिति चीतों के लिए खतरा पैदा करती है. बहरहाल, समिति के सदस्यों ने बार-बार 'मूल स्थान पर शिकार बढ़ाने' की महत्ता पर जोर देते हुए कहा है कि 'स्थानांतरण के जरिए सक्रिय शिकार वृद्धि अनिश्चितकाल तक नहीं हो सकती है.'

368 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला है गांधी सागर अभयारण्य

मंदसौर के प्रभागीय वन अधिकारी संजय रैखेरे ने 18 जून को एक बैठक में कहा था कि गांधी सागर अभयारण्य में चीतों के नए जत्थे के लिए तैयार किए जा रहे 64 वर्ग किलोमीटर के बाड़े में 24 तेंदुए थे. सूत्रों के अनुसार, अभी तक वहां से 15 तेंदुओं को स्थानांतरित किया गया है. सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि गांधी सागर अभयारण्य तेंदुओं की संख्या और शिकार की चुनौतियों के कारण चीतों के लिए '100 फीसदी तैयार नहीं' है.

मुख्य रूप से खुले आवास में शिकार करते हैं चीते

इस परियोजना का दीर्घकालीन उद्देश्य कूनो-गांधी सागर में 60-70 चीतों की आबादी है. चीते मुख्य रूप से खुले आवास में शिकार करते हैं. इसके विपरीत, तेंदुए विभिन्न प्रकार के आवास में शिकार करने के अनुकूल होते हैं और उनका आहार कई तरह का होता है. नतीजतन, चीते ऐसे आवास और समय चुनकर तेंदुओं से सीधे टकराव से बचते हैं जब तेंदुए कम सक्रिय होते हैं. रिकॉर्ड से पता चलता है कि समिति के सदस्यों ने हर बैठक में शिकार व तेंदुआ संबंधी चुनौतियों को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की हैं.

नबन्ना अभियान के तहत राज्य सचिवालय की ओर मार्च कर रहे थे प्रदर्शकारी

हावड़ा मैदान में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प

एजेंसी। कोलकाता

- प्रदर्शनकारियों ने पत्थर व ईंटें फेंकीं अवरोधकों को गिराने का किया प्रयास
- सुरक्षा बलों ने किया लाठीचार्ज, पानी की बौछारें और आंसू गैस का इस्तेमाल

हावड़ा मैदान इलाके में जीटी रोड पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच मंगलवार को दोपहर में उस समय फिर से झड़प हुई, जब प्रदर्शनकारियों ने अपने 'नबन्ना अभियान'' के तहत राज्य सचिवालय की ओर मार्च करने की कोशिश की. पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और पानी की बौछारें और आंसू गैस का इस्तेमाल किया. प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों पर पत्थर और ईंटें फेंकी और राज्य सचिवालय की ओर जाने वाले रास्ते को रोकने के लिए लगाए गए अवरोधकों को गिराने का प्रयास किया. झड़प में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया जिन्होंने खुद को हावड़ा पुलिस आयुक्तालय के चंडीतला थाने का प्रभारी बताया.

हेस्टिंग्स और एमजी रोड इलाके में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिली, जहां प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर फेंके. पुलिस इन लोगों को खदेड़ते हुए नजर आई. एक महिला प्रदर्शनकारी ने कहा, 'हमें पुलिस ने क्यों पीटा? हमने कोई कानून नहीं तोड़ा. हम मृतक डॉक्टर के लिए न्याय की मांग करने के लिए शांतिपूर्ण रैली कर रहे हैं. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए.' इस 'नबन्ना अभियान' में मुख्य रूप से युवा शामिल हैं जो आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल की एक चिकित्सक से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं. वे इस मांग को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार के सचिवालय 'नबन्ना' पहुंचने का प्रयास कर रहे थे.

सुरक्षा बलों पर हमला, कई अधिकारी हुए घायल : पुलिस ने कहा कि जब कुछ जगहों पर आंदोलनकारियों ने अवरोधकों को पार करने का प्रयास किया और सुरक्षा कर्मियों पर हमला किया तो पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसूगैस के गोले छोड़े. इससे पहले दिन में, पुलिस ने हावड़ा ब्रिज के कोलकाता छोर पर और कोना एक्सप्रेसवे पर संतरागाछी रेलवे स्टेशन के पास प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और पानी की बौछारें और आंसू गैस का इस्तेमाल किया. प्रदर्शनकारियों ने नबन्ना तक पहुंचने के लिए पुलिस के अवरोधक पार करने की कोशिश की. संतरागाछी में, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर ईंटें फेंकी, जिसमें कई अधिकारी घायल हो गए.

पुलिस ने लिया 'बर्बर कार्रवाई' का सहारा : भाजपा

प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि पुलिस की कार्रवाई में कई छात्र भी घायल हुए हैं. समस्या तब बढ़ गई जब छात्र संगठन 'पश्चिम बंग छात्र समाज' और राज्य सरकार के असंतुष्ट कर्मचारियों के संगठन 'संग्रामी जौथा मंच' ने कोलकाता के अलग-अलग स्थानों से अपना मार्च शुरू किया. इस बीच पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि पुलिस ने कोलकाता और हावड़ा में 'नबन्ना अभियान' रैली में शांतिपूर्ण तरीके से भाग लेने वालों पर 'बर्बर कार्रवाई' का सहारा लिया है. उन्होंने यह भी कहा कि अगर राज्य सरकार द्वारा 'बर्बरता' नहीं रोकी गई तो पश्चिम बंगाल को 'ठप' कर दिया जाएगा.

रूस-यूक्रेन युद्ध :

मोदी ने बाइडन के बाद अब पुतिन से की बात

एजेंसियां। मॉस्को/वाशिंगटन

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की. दोनों नेताओं ने रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बारे में बात की है. पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "आज राष्ट्रपति पुतिन से बातचीत हुई. हमने रूस के साथ विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त साझेदारी को मज़बूत करने के उपायों पर चर्चा की." "हम दोनों ने रूस-यूक्रेन संघर्ष पर अपने नज़रियों का आदान-प्रदान किया और यूक्रेन यात्रा के बाद अपनी अंतर्दृष्टि पर चर्चा की. हमने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा कि भारत इस संघर्ष को खत्म करने के लिए जल्द, स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है.'

पीएम मोदी ने इससे पहले सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से भी फोन पर बात की थी. नरेंद्र मोदी ने इस बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति से उनकी कई क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बात हुई. इनमें यूक्रेन के मौजूदा हालात भी शामिल थे. उन्होंने कहा, "मैंने उनसे एक बार फिर कहा कि भारत यूक्रेन में जल्द से जल्द शांति और स्थिरता बहाली का पूरा समर्थन करता है.''उन्होंने कहा था, 'मैंने अमेरिकी राष्ट्रपति से बांग्लादेश के हालात पर भी चर्चा की थी और वहां जल्द से जल्द सामान्य हालात की बहाली पर ज़ोर दिया था. मैंने कहा था कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों खासकर हिंदुओं की सुरक्षा की सुनिश्चित की जानी चाहिए.'

बाइडन ने यूक्रेन के प्रति समर्थन के लिए मोदी की तारीफ की : अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की और यूक्रेन के लिए "शांति के संदेश एवं मानवीय समर्थन" के वास्ते उनकी सराहना की. मोदी की 23 अगस्त की कीव यात्रा को कूटनीतिक संतुलन बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि बाइडन प्रशासन ने पिछले महीने उनकी रूस यात्रा की आलोचना की थी और कई पश्चिमी देशों ने इस पर नाराजगी जताई थी. 'एक्स' पर एक पोस्ट में बाइडन ने कहा, "हमने हिंद-प्रशांत में शांति और समृद्धि में योगदान देने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की." मोदी की रूस, पोलैंड और यूक्रेन की यात्रा तथा बांग्लादेश के हालिया घटनाक्रम के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली बातचीत थी.

रूस के नए हमले के बाद जेलेंस्की बोले

सही ढंग से जवाब देंगे

यूक्रेन पर रूस के ताज़ा हमलों में चार लोगों के मारे जाने के बाद राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने कहा कि उनका देश इसका सही ढंग से जवाब देगा. ज़ेलेंस्की ने कहा कि रूस ने कल से यूक्रेन के नागरिकों और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 90 हवाई हमले किए हैं. इन हमलों में कम से कम 81 ड्रोन, क्रूज़, बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हैं. वहीं यूक्रेन रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने दावा किया है कि उसके पास सहयोगी देशों से अनुमति लिए बगैर रूस के अंदरुनी इलाकों तक मार करने में सक्षम लंबी दूरी का एक नया हथियार है. मिसाइल और ड्रोन के संयोजन वाला यह स्वदेश निर्मित हथियार रूसी बमबारी का 'जवाब' देगा.

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने समुद्रों के बढ़ते जलस्तर को बताया 'विश्वव्यापी आपदा'

- गुतारेस ने समोआ और टोंगा का दौरा किया बोले-यह पूरी तरह से मानव निर्मित संकट

एजेंसी। नुकु अलोफा (टोंगा)

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने दुनिया को एक और जलवायु चेतावनी (एसओएस) जारी की है, जिसमें उन्होंने समुद्रों में तेजी से बढ़ रहे जलस्तर, खासकर प्रशांत क्षेत्र के अधिक असुरक्षित द्वीपीय देशों का उल्लेख किया है. उन्होंने कहा है 'हमारे समुद्रों को बचाओ.' संयुक्त राष्ट्र और विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने सोमवार को समुद्र के बढ़ते जलस्तर पर रिपोर्ट जारी की. पृथ्वी का तापमान बढ़ने और ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है. उन्होंने दक्षिण-पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र पर बढ़ते महासागरों, समुद्री अम्लीकरण और समुद्र की गर्म लहरों तथा अन्य जलवायु परिवर्तन प्रभावों पर भी प्रकाश डाला.

गुतारेस ने समोआ और टोंगा का दौरा किया और मंगलवार को टोंगा की राजधानी से प्रशांत द्वीप समूह

फोरम की बैठक में जलवायु परिवर्तन से संबंधित अपील की. फोरम के सदस्य देश जलवायु परिवर्तन से सर्वाधिक प्रभावित हैं. उन्होंने कहा, 'यह एक अजीब स्थिति है.' 'समुद्र का बढ़ता जलस्तर पूरी तरह से मानव निर्मित संकट है. यह संकट जल्द ही अप्रत्याशित पैमाने पर पहुंच जाएगा, जब हमें सुरक्षित वापस ले जाने के लिए कुछ नहीं बचेगा.' गुतारेस के कार्यालय से तैयार की गई रिपोर्ट में पाया गया कि टोंगा की राजधानी नुकु अलोफा के पास वर्ष 1990 से 2020 के बीच समुद्र का जलस्तर 21 सेंटीमीटर बढ़ा है, जो वैश्विक औसत 10 सेंटीमीटर से लगभग दोगुना है. समोआ के अपिया में समुद्र का जलस्तर 31 सेंटीमीटर बढ़ा है, जबकि फिजी के सुवा-बी में 29 सेंटीमीटर बढ़ा है.

बाइडन प्रशासन ने पोस्ट को सेंसर करने का दबाव बनाया था : ज़करबर्ग

वॉशिंगटन। मेटा के मालिक मार्क ज़करबर्ग ने कहा कि बाइडन प्रशासन ने कोविड से संबंधित पोस्ट को सेंसर (हटाने) करने का दबाव बनाया था. मेटा पेरेंट कंपनी है और फ़ेसबुक, वॉट्सऐप और इंस्टाग्राम इनके हिस्सा हैं. मार्क ज़करबर्ग ने अमेरिकी सदन की न्यायिक समिति को एक पत्र लिखा है. उन्होंने कहा, "2021 में व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों ने महीनों तक बार-बार हम पर कोविड-19 संबंधित कॉन्टेंट को सेंसर करने का दबाव डाला. इसमें कटाक्ष और व्यंग्य से संबंधित कॉन्टेंट भी शामिल थे. जब हम इससे सहमत नहीं हुए तो हमारी टीमों के प्रति निराशा व्यक्त की गई." उन्होंने कहा कि ये हमारा फ़ैसला था कि कॉन्टेंट को हटाना है या नहीं. अपने फ़ैसलों के लिए हम ही ज़िम्मेदार हैं.

ज. हेमा कमिटी की रिपोर्ट के बाद मोहनलाल ने एएमएमए के अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी। कोच्चि

मलयालम फ़िल्म जगत में यौन उत्पीड़न के बारे में आई जस्टिस हेमा कमिटी की रिपोर्ट के बाद मशहूर अभिनेता मोहनलाल ने एसोसिएशन ऑफ़ मलयालम मूवी आर्टिस्ट (एएमएमए) के अध्यक्ष पद से इस्तीफ़ा दे दिया है. उसके बाद संस्था के सारे पदाधिकारियों ने त्यागपत्र दे दिया है. इन इस्तीफ़ों के बाद एसोसिएशन को ही भंग कर दिया गया है. एसोसिएशन की तरफ़ से कहा गया है कि संस्था कुछ एक्टरों द्वारा लगाए गए आरोपों की नैतिक ज़िम्मेदारी लेते हुए खुद को भंग करती है.

यौन उत्पीड़न पर रिपोर्ट : मलयालम फ़िल्म इंडस्ट्री पर जस्टिस हेमा कमिटी की रिपोर्ट के बाद इंडस्ट्री लोगों को बड़े स्तर यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना करना पड़ रहा है. इस रिपोर्ट ने

स्थानीय फ़िल्म उद्योग को हिलाकर रख दिया है. इसकी वजह है- अभिनेत्रियों के यौन उत्पीड़न के मामलों का सार्वजनिक होना, शिकायतों का पुलिंदा और हेमा कमिटी की रिपोर्ट. इन अभिनेत्रियों में से कुछ को अपना करियर तक छोड़ने को मजबूर होना पड़ा. महिला कलाकारों ने जाने-माने अभिनेताओं-निर्देशकों के बारे में कहा है कि वे उनका यौन शोषण कर रहे थे, उनसे हेमा कमिटी की रिपोर्ट में कही बातों की पुष्टि भी होती है. इस रिपोर्ट को जब जारी किया गया तो उन हिस्सों को हटा दिया गया था, जिनमें उत्पीड़न करने वालों और पीड़ितों के नाम थे.

'बांग्ला फिल्म उद्योग में भी होता है यौन उत्पीड़न'

कोलकाता। मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं के यौन उत्पीड़न को लेकर गंभीर खुलासे करने वाली न्यायमूति हेमा समिति की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बांग्ला अभिनेत्री ऋताभरी चक्रवती ने आरोप लगाया कि ऐसी कई रिपोर्ट यहां उनके अनुभवों से मेल खाती हैं. चक्रवर्ती ने फेसबुक पर अपने पोस्ट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को टैग करते हुए उनसे केरल की तर्ज पर ऐसी ही जांच करवाने का अनुरोध किया. कहा, 'मलयालम फिल्म उद्योग में यौन उत्पीड़न का पर्दाफाश करने वालीरिपोर्ट ने मेरे मन में यह विचार पैदा किया है कि बांग्ला फिल्म उद्योग ऐसे ही कदम क्यों नहीं उठा रहा है?

अध्ययन यह न केवल टेलीग्राम के लिए बल्कि अन्य अंतरराष्ट्रीय बड़ी तकनीकी कंपनियों की भी बदल सकती है दिशा

टेलीग्राम के संस्थापक की गिरफ्तारी के होंगे दूरगामी वैश्विक प्रभाव

सिडनी। द कन्वरसेशन

जब पावेल ड्यूरोव पिछले शनिवार को अपने निजी जेट से फ्रांस पहुंचे, तो पुलिस ने उनका स्वागत किया और तुरंत उन्हें गिरफ्तार कर लिया. डायरेक्ट मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम के संस्थापक के रूप में, उन पर इस पर होने वाले व्यापक अपराधों को सुविधाजनक बनाने का आरोप लगाया गया था. अगले दिन, एक फ्रांसीसी न्यायाधीश ने ड्यूरोव की हिरासत की प्रारंभिक अवधि बढ़ा दी, जिससे पुलिस को उसे 96 घंटे तक हिरासत में रखने की अनुमति मिल गई. टेलीग्राम ने ड्यूरोव पर लगे आरोपों को खारिज कर दिया. कंपनी ने एक बयान में कहाः यह दावा करना बेतुका है कि कोई प्लेटफ़ॉर्म या उसका मालिक उस प्लेटफ़ॉर्म के दुरुपयोग के लिए ज़िम्मेदार है. ड्यूरोव को अभी केवल हिरासत में लिया गया है, और यह देखना बाकी है कि आने वाले दिनों में उसके साथ क्या होगा, लेकिन अगर उस पर आरोप लगाया जाता है और सफलतापूर्वक मुकदमा चलाया जाता है, तो यह फ्रांस के लिए न केवल तकनीकी प्लेटफार्मों, बल्कि उनके मालिकों के खिलाफ भी व्यापक कार्रवाई करने के लिए आधार तैयार कर सकता है. यह दुनिया भर के देशों - पश्चिम और उससे परे - को अपनी स्वयं की जांच के लिए प्रोत्साहित कर सकता है. बदले में, यह तकनीकी प्लेटफार्मों को उनके द्वारा होस्ट की जाने वाली आपराधिक सामग्री के बारे में अधिक गंभीरता से सोचने पर मजबूर कर सकता है. कुल मिलाकर इस मामले के दूरगामी अंतरराष्ट्रीय प्रभाव हो सकते हैं, न केवल टेलीग्राम के लिए बल्कि अन्य वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गजों के लिए भी.

कौन हैं पावेल ड्यूरोव?

1984 में रूस में जन्मे पावेल ड्यूरोव के पास फ्रांसीसी नागरिकता भी है. यह समझा सकता है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में अपने ऐप की भूमिका और

चरमपंथी समूहों और अपराधियों द्वारा इसके व्यापक उपयोग के बावजूद वह यह यात्रा आसानी से कैसे कर पाए. ड्यूरोव ने 2006 में सोशल मीडिया साइट, वीकांटैक्ट शुरू की थी, जो रूस में बहुत लोकप्रिय है. हालांकि, साइट के नए मालिक इसे कैसे संचालित कर रहे थे, इस पर विवाद के कारण उन्हें 2014 में कंपनी छोड़नी पड़ी. इससे कुछ समय पहले ही ड्यूरोव ने टेलीग्राम बनाया था. यह प्लेटफ़ॉर्म संचार और आदान-प्रदान के साधन के साथ-साथ एन्क्रिप्शन की सुरक्षा भी प्रदान करता है जिससे अपराधों को ट्रैक करना और निपटना पहले से कहीं अधिक कठिन हो जाता है.

एक अजीब निशाना

पावेल ड्यूरोव का कुछ मायनों में फ्रांसीसी अधिकारियों के निशाने पर होना अजीब है. मेटा का व्हाट्सएप मैसेंजर ऐप भी एन्क्रिप्टेड है और इसमें तीन गुना अधिक उपयोगकर्ता हैं, जबकि नफरत फैलाने वाले भाषण और अन्य समस्याग्रस्त सामग्री के लिए एक्स के उकसावे सार्वजनिक रूप से जाहिर हैं और तेजी से व्यापक हो रहे हैं. इस बात का भी कोई सुझाव नहीं है कि ड्यूरोव स्वयं कोई अवैध सामग्री बनाने में लगे हुए थे. इसके बजाय, उन पर ऐप को पहले स्थान पर बनाए रखकर अप्रत्यक्ष रूप से अवैध सामग्री को सुविधाजनक बनाने का आरोप लगाया गया है.

संयम का प्रश्न : ड्यूरोव की हिरासत अक्सर भ्रमित करने वाली व विरोधाभासी बातचीत में एक और कृत्य का प्रतीक है कि प्लेटफ़ॉर्म अपनी साइटों पर सामग्री के लिए कितनी ज़िम्मेदारी निभाते हैं. ये प्लेटफ़ॉर्म, जिनमें टेलीग्राम और व्हाट्सएप जैसे डायरेक्ट मैसेजिंग प्लेटफ़ॉर्म शामिल हैं, लेकिन फेसबुक और एक्स द्वारा दी जाने वाली व्यापक सेवाएं भी शामिल हैं, दुनिया भर में संचालित होती हैं. वे विभिन्न प्रकार के कानूनी वातावरणों से जूझते हैं. इसका मतलब यह है कि किसी प्लेटफ़ॉर्म पर लगाया गया कोई भी प्रतिबंध अंततः दुनिया में हर जगह उसकी सेवाओं को प्रभावित करता है - विनियमन को जटिल बनाता है और अक्सर रोकता है.

कुट्टू आटे से बना 'फलाहार' खाने के बाद 120 विषाक्तता के शिकार

- पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत होने के बाद पीड़ितों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया

एजेंसी। मथुरा (उप्र)

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का व्रत रखने वाले 120 से अधिक लोग कुट्टू के आटे से बना 'फलाहार' खाने के बाद कथित तौर पर भोजन विषाक्तता के शिकार हो गये और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. कुट्टू के आटे की आपूर्ति करने वाले दो दुकानदारों के यहां जिला खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने छापा मारकर दुकानें सील कर दी हैं और उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है. अधिकारियों ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का व्रत रखने वाले 60 से अधिक लोगों की कुट्टू के आटे से बने पूड़ी और पकौड़े खाने के बाद विषाक्तता के कारण तबीयत बिगड़ गयी. बाद में उन्होंने बताया कि बीमारों की संख्या बढ़कर 120 से अधिक हो गयी है. बताया कि इन लोगों को पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत होने के बाद आगरा तथा मथुरा के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. स्वास्थ्य विभाग के त्वरित प्रतिक्रिया दल के प्रभारी डॉ. भूदेव प्रसाद ने बताया कि यह घटना सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात करीब तीन बजे की है जब फरह थाना क्षेत्र के पांच-छह गांवों में 'फूड प्वॉयजनिंग' होने की शिकायत मिली.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)